{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 07 जुलाई 2026
आषाढ़ कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 283
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 78,285.07
निफ्टी - 24,430.35
सोना - 1,55,044
चांदी - 2,45,000
डॉलर - 95.38

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

महाराष्ट्र के सातारा में पुल टूटा, क्रेन से कारें निकाली

मुंबई में रेलवे ट्रैक, एक्सप्रेस-वे बंद; जम्मू-कश्मीर में लैंडस्लाइड, डिंडौरी में घरों में घुसा पानी, गृहस्थी बही

नई दिल्ली/भोपाल। देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। मुंबई-पुणे रेल रूट पर करजत-लोनावला के भोर घाट सेक्शन में दो जगह लैंडस्लाइड हो गई। इससे तीनों रेलवे लाइनें प्रभावित हो गईं। 20 ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ा। उधर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भी लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया। सातारा जिले के महाबलेश्वर में वेण्णा नदी का पुल टूटने से 10-12 पर्यटक फंस गए। कारों को क्रेन की मदद से निकाला गया। वहीं जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड हो गई। 6-7 गाड़ियां मलबे में दब गईं। मलबा हटाने का काम जारी है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में चलती गाड़ी पर पत्थर गिरने से 14 साल की लड़की की मौत हो गई।

वहीं मध्य प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। बालाघाट से आए वीडियो में किरनापुर-लांजी से होकर बहने वाली बाघ नदी में कार, जेसीबी और लोडर जैसी गाड़ियां बहती दिखीं। जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र सीमा से लगी बाघ नदी पर पुल बनाया जा रहा है। तकरीबन 150 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1017.24 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है। बारिश के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ा तो निर्माण कार्य में लगी गाड़ियों को बहा ले गया। डिंडौरी में रुक-रुककर हो रही बारिश के चलते नर्मदा सहित सहायक नदियों का जल स्तर बढ़ गया है। तुडार नदी में पुलिया के ऊपर पानी बह रहा है, इससे करंजिया ब्लॉक के कई गांवों का संपर्क टूट चुका है। 11 मकानों में पानी घुसने से गृहस्थी का सामान भी बह गया।

हिमाचल में गाड़ी पर पत्थर गिरने से लडकी की मौत

चंबा जिले के भरमौर में चलती गाड़ी पर सोमवार दोपहर दो बजे पत्थर गिरने से 14 साल की लडकी की मौत हो गई। मृतक दीक्षता धर्मशाला के नड्डी क्षेत्र की रहने वाली थी। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में सुबह से हो रही बारिश के बाद आज पागल नाला में बाढ़ आ गई। इससे सारा मलबा हाईवे पर आ गया। इसके बाद लारजी को सैंज से जोड़ने वाला हाईवे वाहनों के लिए बंद हो गया है।

मुंबई के वसई-विरार के कई इलाकों में पानी भरा

मुंबई में लगातार बारिश से वसई-विरार के कई निचले इलाके पानी में डूब गए। कई सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, जिससे वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। वसई-विरार से हर दिन लाखों लोग काम के लिए मुंबई आते-जाते हैं। सोमवार सुबह जलभराव और ट्रैफिक की वजह से लोगों को ऑफिस पहुंचने में काफी परेशानी हुई।

पुणे में लैंडस्लाइड, मलबे में दबने से 1 की मौत

महाराष्ट्र के पुणे जिले की मावल तहसील के पाटन गांव में सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। पहाड़ी का मलबा एक घर पर गिरने से उसमें रहने वाला परिवार दब गया। अब तक एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि दो अन्य के मलबे में फंसे होने की आशंका है। सूचना मिलते ही पीएमआरडी, स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

डिंडोरी में दो इंच बारिश, नदियां उफान पर

डिंडोरी में सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण नर्मदा और उसकी सहायक नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। जिले में औसतन दो इंच वर्षा दर्ज की गई। तूड़ार नदी में बाढ़ आने से करंजिया ब्लॉक के कई ग्रामीण इलाकों का संपर्क टूट गया है। नेशनल हाईवे के किनारे स्थित कुछ घरों में पानी घुसने से गृहस्थी का सामान खराब हो गया। करंजिया जनपद मुख्यालय से कुछ दूरी पर तूड़ार नदी का पानी पुलिया के ऊपर से बह रहा है। इसके कारण चौरा दादर सहित कई गांवों का जनपद मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। मालपुर गांव में भी नर्मदा नदी का पानी छोटे पुल के ऊपर से बह रहा है। जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर करंजिया गांव के पास जीआरटीसी कंपनी की कथित लापरवाही सामने आई है। कैलाश बनावल, नामदेव और शोभाराम नामक तीन ग्रामीणों के घरों में पानी घुस गया, जिससे उनका गृहस्थी का सामान खराब हो गया। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने इस नुकसान की भरपाई के लिए संबंधित कंपनी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। भू-अभिलेख विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, पिछले 24 घंटों में डिंडोरी में सर्वाधिक चार इंच वर्षा दर्ज की गई। अमरपुर में तीन इंच, समनापुर में एक इंच, बजाग में डेढ़ इंच, करंजिया में डेढ़ इंच और शहपुरा में एक इंच बारिश हुई। मेहदवानी में सबसे कम 1.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। जिले में औसतन दो इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

भूस्खलन से मलबे में दबे वाहन

उधर, जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में भारी बारिश के बाद भूस्खलन होने से 6 से 7 वाहन मलबे में दब गए। राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने और फंसे लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं।

पागल नाला उफान पर

वहीं हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में लगातार बारिश के चलते पागल नाला उफान पर आ गया। अचानक आई बाढ़ से भारी मात्रा में मलबा हाईवे पर जमा हो गया, जिससे लारजी और सैंज को जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग वाहनों के लिए बंद कर दिया गया। प्रशासन ने यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने और मौसम सामान्य होने तक अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए मौसम विभाग और राज्य सरकारों ने लोगों से सतर्क रहने तथा स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

नागरिकों को खास सलाह

स्थिति से निपटने के लिए महाराष्ट्र प्रशासन ने करीब 15 हजार कर्मचारियों और अधिकारियों को तैनात किया है। नागरिकों से पेड़ों, जर्जर इमारतों, बिजली के खंभों और होर्डिंग्स से दूर रहने, वाहनों को पेड़ों के नीचे पार्क नहीं करने तथा समुद्र तट और जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचने की अपील की गई है।

खास खबर

अमरनाथ गुफा में शिवलिंग 90 प्रतिशत गायब

श्रीनगर। अमरनाथ में बनने वाले पवित्र शिवलिंग का आकार एक फीट रह गया है। सोमवार को एक फीट के बाबा बर्फानी की फोटो सामने आई। 57 दिन चलने वाली यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। पिछले 3 दिनों में 56 हजार से ज्यादा तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। यह आंकड़ा पिछले साल से 18.6% ज्यादा रहा। 2025 में पहले तीन दिन में 47,972 श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे थे। यात्रा के लिए इस साल 4 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। 23 मई को बीएसएफ के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था। 29 जून को पहली पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 6 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 90 प्रतिशत गायब हो चुका है। 48 किमी लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और 14 किमी वाले छोटे, लेकिन कठिन बालटाल रूट से लगातार यात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी।

भैरव बाबा के मंदिर में वीआईपी दर्शन से 45 दिन में 3.09 करोड़ की आय

उज्जैन। काल भैरव मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए शुरू की गई 500 रुपये की वीआईपी (शीघ्र दर्शन) व्यवस्था मंदिर प्रबंधन के लिए आय का बड़ा माध्यम बन गई है। 20 मई से 3 जुलाई तक 45 दिनों में इस व्यवस्था से मंदिर को 3 करोड़ 9 लाख 27 हजार रुपये की आय हुई है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार वीआईपी श्रद्धालुओं के लिए अलग प्रवेश मार्ग बनाया गया है, जिससे सामान्य दर्शन व्यवस्था भी सुचारु बनी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि प्राप्त आय का उपयोग मंदिर की सुविधाओं, रखरखाव और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं विकसित करने में किया जाएगा।

दक्षिण के चार राज्यों में हटे 22.14 लाख मतदाताओं के नाम

नई दिल्ली। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत दक्षिण भारत के चार राज्यों की ड्राफ्ट मतदाता सूची से कुल 22.14 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। चुनाव आयोग के अनुसार यह कार्रवाई मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से की गई है। हटाए गए नामों में कर्नाटक के 6.12 लाख, आंध्र प्रदेश के 5.80 लाख, तमिलनाडु के 5.40 लाख और तेलंगाना के 4.82 लाख मतदाता शामिल हैं। आयोग का कहना है कि यह केवल ड्राफ्ट सूची है और अंतिम सूची जारी होने से पहले सभी दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में पूर्व आईएफएस कृष्ण मोहन बनाए गए कार्यकारी महासचिव

चंपत राय, अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर, उनकी सेवाओं का अभिनंदन

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। चंपत राय की जगह नए ट्रस्टी रिटायर्ड आईएफएस कृष्ण मोहन को कार्यवाहक महासचिव बनाया गया है। चढ़ावा चोरी के बाद हुई पहली बैठक 3 घंटे तक चली। बैठक के बाद कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी बोले कि चंपत राय ने कहा है कि जब तक अपराधी पकड़े नहीं जाते तब तक पद पर रहना सही नहीं है। जो हुआ वह कष्टदायी है। इससे हम सब दुखी हैं। चढ़ावा चोरी लज्जाजनक घटना है। बैठक में ट्रस्टी के. पाराशरन ने कहा था कि त्यागपत्र देते ही इसे स्वीकार करना ट्रस्ट के संविधान में है। इसलिए इस्तीफा स्वीकार किया गया।

गोविंद देव गिरी ने कहा कि चढ़ावा चोरी की घटना से चंपत राय को बहुत वेदना हुई। उन्हें लगा कि जब तक न्याय नहीं हो जाता, अपराधी पकड़े नहीं जाते, उन्हें दंड नहीं मिल जाता, यह सोचकर उन्होंने त्याग पत्र दिया। जिसे मान्य करना, न मान्य करना हमारे बस की बात नहीं थी। इसलिए इस न्यास के संविधान के अनुसार- त्याग पत्र देते ही उसे मान लिया जाता है। इसलिए मूल प्रॉसेस को आधार मानकर उनके इस्तीफे को स्वीकार किया गया है। इसलिए इसे माना गया है।

22 जुलाई को फिर ट्रस्ट की बैठक होगी

गोविंद देव गिरी ने कहा- हमारा काम पूरी पारदर्शिता रखना है। हम 22 जुलाई को फिर से बैठेंगे। तब तक एसआईटी की फाइनल रिपोर्ट आ जाएगी। चोरी तो चोरी ही है, छिपे हुए अपराधी खोजे जाएंगे। एसआईटी अपना काम कर रही है। गोविंद देव गिरी ने कहा कि झूठ के प्रचार से हम लोगों को सावधान करते हैं। हमें कहा जाता है कि वहां केवल दानपात्र की चोरी नहीं हुई। वहां कई वस्तुओं की चोरी हुई। उन सभी वस्तुओं का रजिस्टर हम लाए हैं, जो आपको दिखाएंगे। इससे कहा जाता है कि रामायण कहां है, चरण पादुकाएं कहां हैं। हमारे पास ऐसी 2800 वस्तुओं का रजिस्टर्ड हैं। चार से पांच वस्तुओं का विवरण हम दिखाएंगे।

प्रबंधन और संचालन में थी कमियां

राम मंदिर ट्रस्ट के नए महासचिव कृष्ण मोहन ने कहा कि कहीं न कहीं प्रबंधन और संचालन में कमियां रह गई थीं। जहां कहीं लूप होल्स हैं, अब इसे बंद करना है। इसका पूरा प्रयत्न करूंगा। समाज में जो माहौल बना है, इससे हमारे न्यास की छवि धूमिल हुई है। मेरा प्रयास रहेगा कि हम सभी न्यासी लोग इस धूमिल छवि को सही करने का प्रयास करेंगे। राम जन्म भूमि में जो दर्शनार्थी शिलाएं दान करते हैं। इसका हम सभी न्यासी उस लक्ष्य की प्राप्ति को पारदर्शी रूप से करेंगे। पारदर्शी रूप से हर बात को बताया जाएगा, दिखाया जाएगा। हमारे न्यास के प्रति जो अविश्वास की प्रकृति बनी है, उसे दूर किया जाएगा। आपका साथ चाहिए, मीडिया से निवेदन है, जो सत्य है, वही प्रकाशित करें। न्यास के अधिकृत लोगों से पूछकर ही प्रकाशित करें।

कौन है कृष्ण मोहन

कृष्ण मोहन आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी तथा भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के हरदोई निवासी कृष्ण मोहन पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र संघचालक भी रह चुके हैं। वर्ष 2025 में उन्हें ट्रस्ट का सदस्य बनाया गया था, जहां उन्होंने कामेश्वर चौपाल का स्थान लिया था। अब ट्रस्ट में प्रशासनिक बदलाव के तहत उन्हें कार्यवाहक महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठनात्मक अनुभव, प्रशासनिक दक्षता और राम मंदिर आंदोलन से लंबे समय से जुड़े रहने के कारण उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व दिया गया है।

यूपीएससी परीक्षा से पहले 569 आवेदन निरस्त, एआई से हुई गड़बड़ियों की पहचान

- 15 वर्षों के डेटा का विश्लेषण कर आयोग ने उठाया कदम, नियमों के उल्लंघन वाले आवेदन किए खारिज

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 से पहले पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अभ्यर्थियों के आवेदन पत्रों की जांच की। इस प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन करने वाले 569 आवेदन निरस्त कर दिए गए। आयोग ने इसके लिए पिछले 15 वर्षों के परीक्षा संबंधी डेटा का विश्लेषण किया। प्रारंभिक परीक्षा के लिए 8.18 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जबकि करीब 4.49 लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। आयोग के अनुसार एक से अधिक आवेदन, आयु सीमा से अधिक होना, गलत श्रेणी का दावा करना और निर्धारित प्रयासों की सीमा पूरी होने के बाद भी आवेदन करना जैसे मामलों में फॉर्म खारिज किए गए। यूपीएससी का मानना है कि एआई आधारित जांच से परीक्षा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी और नियमों का उल्लंघन शुरुआती चरण में ही पकड़कर निष्पक्ष चयन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

ताजमहल में तेजो महालय मंदिर, हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

सर्वे कमिश्नर नियुक्त करने की मांग, राज्य समेत सभी पक्ष दाखिल करें जवाब

प्रयागराज। आगरा स्थित ताजमहल परिसर में भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर विराजमान तेजो महालय मंदिर होने का दावा करने वाले मुकदमे में सर्वे कमिश्नर नियुक्त करने को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए जवाब मांगा है। मामले में राज्य सरकार समेत अन्य पक्षों को जवाब दाखिल करना होगा।

यह याचिका आगरा की जिला अदालत के उन आदेशों के विरुद्ध दाखिल की गई है, जिनमें सिविल जज (सीनियर डिवीजन) और अपर जिला जज ने विवादित परिसर का सर्वेक्षण करने के लिए एडवोकेट कमीशन नियुक्त करने का आदेश देने से इनकार कर दिया था। मामले के तथ्यों के मुताबिक ताजमहल परिसर में भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर विराजमान तेजो महालय मंदिर होने का दावा करने को लेकर आगरा के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में वर्ष 2015 से दीवानी मुकदमा लंबित है। इस मुकदमे में यह घोषणा करने की मांग की गई है कि ताजमहल परिसर में वास्तव में भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर विराजमान तेजो महालय मंदिर स्थित है। इसी मुकदमे के ट्रायल के दौरान परिसर के सर्वेक्षण के लिए एडवोकेट कमीशन नियुक्त करने का प्रार्थना पत्र दिया गया था। दोनों अदालतों (सिविल जज सीनियर डिवीजन व अपर जिला जज) ने इस पर कोई भी आदेश देने से मना कर दिया था। इसके बाद अब हाईकोर्ट में याचिका की गई है। यह याचिका स्वयं भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर विराजमान तेजो महालय जरिये मित्र हरिशंकर जैन सहित पांच अन्य की ओर से संयुक्त रूप से की गई है। याचिका में भारत सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और दो अन्य को विपक्षी बनाया गया है।

के. कविता को बदलना होगा अपनी नई पार्टी का नाम

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने बीआरएस की पूर्व नेता के. कविता को उनकी नवगठित राजनीतिक पार्टी का नाम बदलने का निर्देश दिया है। आयोग ने उन्हें 15 दिनों के भीतर पार्टी के लिए तीन नए वैकल्पिक नाम प्रस्तावित करने को कहा है। निर्धारित समय सीमा के भीतर ऐसा नहीं करने पर उनकी पार्टी के पंजीकरण का आवेदन रद्द किया जा सकता है। के. कविता ने अपनी नई पार्टी का नाम तेलंगाना रक्षणा सेना रखा है, जिसका संक्षिप्त रूप टीआरएस है। यही संक्षिप्त नाम पहले तेलंगाना राष्ट्र समिति का भी था, जिसे बाद में बदलकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) कर दिया गया था। इस समानता को लेकर बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव और पार्टी के वरिष्ठ नेता के. टी. रामाराव ने निर्वाचन आयोग के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई थी। निर्वाचन आयोग ने बीआरएस नेताओं की शिकायतों और प्राप्त आपत्तियों के आधार पर यह निर्देश जारी किया है। जानकारी के अनुसार, आयोग को पार्टी के नाम और उसके संक्षिप्त रूप टीआरएस को लेकर 1,100 से अधिक आपत्तियां मिली थीं। शिकायतकर्ताओं का तर्क था कि समान संक्षिप्त नाम का इस्तेमाल मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा कर सकता है, जिससे चुनाव प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका है।

मणिपुर में असम राइफल्स के काफिले पर घात लगाकर हमला, दो जवान शहीद, सर्च ऑपरेशन तेज

उखरुल। मणिपुर के उखरुल जिले में असम राइफल्स के काफिले पर उग्रवादियों द्वारा किए गए घात लगाकर हमले में दो जवान शहीद हो गए। यह हमला राष्ट्रीय राजमार्ग-202 पर उखरुल शहर से करीब आठ किलोमीटर दूर हुआ। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर बड़े पैमाने पर तलाशी और क्षेत्र प्रभुत्व अभियान शुरू कर दिया है।

शहीद होने वाले जवानों की पहचान वारंट अधिकारी बलवंत सिंह और राइफलमैन सी. एम. सिंह के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, उग्रवादियों ने अचानक काफिले पर हमला कर दिया, जिसके बाद दोनों ओर से कई घंटों तक गोलीबारी होती रही। स्थानीय ग्रामीणों ने भी लंबे समय तक भारी फायरिंग की आवाजें सुनने की जानकारी दी। हमले के तुरंत बाद अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मौके पर भेजा गया और पूरे क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया। सुरक्षा एजेंसियां हमलावरों की तलाश में लगातार अभियान चला रही हैं।

कुछ ना कहना

मंदिर रिकॉर्ड पर सीआईसी का अहम फैसला- सरकारी विभाग नहीं झाड़ सकता पल्ला

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने सूचना के अधिकार (आरटीसआई) से जुड़ा एक बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील फैसला सुनाया है। सूचना आयोग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी सरकारी विभाग मंदिर से संबंधित रिकॉर्ड सार्वजनिक करने से सिर्फ कहकर पल्ला नहीं झाड़ सकता कि मंदिर खुद पब्लिक अथॉरिटी नहीं है। पुडुचेरी के हिंदू धार्मिक संस्थान और वक्फ विभाग को कड़े निर्देश देकर सीआईसी ने उनकी वैधानिक जिम्मेदारी को रेखांकित किया है। यह मामला पुडुचेरी के श्री वेदपुरीश्वरर श्री वरदराजपेरुमल देवस्थानम मंदिर से संबंधित जानकारी मांगने से जुड़ा था। आवेदक ने विभाग से वर्ष 2021 से 2025 तक के मंदिर के वार्षिक बजट, ऑडिट रिपोर्ट, संपत्ति हस्तांतरण और प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ आई शिकायतों व उन पर हुई कार्रवाई का विवरण मांगा था। विभाग ने इस आरटीआई आवेदन को सीधे मंदिर प्रशासन को भेज दिया। हालांकि, मंदिर प्रशासन ने जानकारी देने से इंकार कर तर्क दिया कि पुडुचेरी सरकार से कोई बड़ी वित्तीय सहायता नहीं मिलती, इसलिए वह आरटीआई कानून की धारा 2(एच) के तहत पब्लिक अथॉरिटी नहीं है और जानकारी देने के लिए बाध्य नहीं है।

बंगाल की तीन सीटों पर 24 जुलाई को होंगे चुनाव

भावना सिंघल

नई दिल्ली। ममता बनर्जी के तीन सांसदों के इस्तीफे के बाद बंगाल की उन्हीं 3 राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा। सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक के इस्तीफों के बाद खाली हुई राज्यसभा की तीन सीटों पर 24 जुलाई को उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल से राज्यसभा की तीन खाली सीटों के लिए उपचुनाव का एलान कर दिया है। चुनाव आयोग के अनुसार इन तीनों सीटों पर 24 जुलाई 2026 (शुक्रवार) को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा और उसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती कराई जाएगी। निर्वाचन कार्यक्रम के तहत 7 जुलाई को अधिसूचना जारी होगी, जबकि नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 14 जुलाई तय की गई है। 15 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 17 जुलाई तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे। चुनाव प्रक्रिया 27 जुलाई तक पूरी कर ली जाएगी। ये उपचुनाव राज्यसभा की तीन आकस्मिक खाली हुई सीटों को भरने के लिए कराए जा रहे हैं। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के करीबी समझे जाने वाले सुखेंदु शेखर रॉय ने सबसे पहले 8 जून को राज्यसभा की सदस्यता और टीएमसी, दोनों से इस्तीफा दिया था। अपने इस्तीफे में उन्होंने पार्टी में कथित भ्रष्टाचार, महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा और ममता बनर्जी के नेतृत्व पर सवाल खड़े किए। उन्होंने आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना का भी जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी में समर्पित कार्यकर्ताओं की अनदेखी की जा रही है, जबकि विवादों में रहे लोगों को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके दो दिन बाद, 10 जून को सुष्मिता देव ने भी टीएमसी छोड़ने का ऐलान कर दिया। इस्तीफा देने के तुरंत बाद उन्होंने दिल्ली में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई कि वह बीजेपी में जा सकती हैं और पार्टी उन्हें असम से राज्यसभा भेज सकती है। वहीं प्रकाश चिक ने 11 जून को दिया इस्तीफा था। सुखेंदु और सुष्मिता के बाद टीएमसी से इस्तीफा देने वाले प्रकाश चिक तीसरे सांसद थे। हालांकि उन्होंने अपने इस्तीफे में न तो ममता बनर्जी और न ही टीएमसी पर कोई आरोप लगाया। चुनावी गणित की बात करें तो पश्चिम बंगाल में बीजेपी के पास विधानसभा की 207, तृणमूल कांग्रेस के पास 80, कांग्रेस के पास 2, हुमायूं कबीर की पार्टी को 2 और सीपीआई-एआईएसएफ के पास 1-1 सीट है। टीएमसी दो गुटों में बंटी हुई है, ऐसे में बहुत संभावना है कि बीजेपी इन तीनों ही सीट पर कब्जा करने में कामयाब हो जाए। यदि ऐसा होता है तो राज्यसभा में एनडीए संख्या बल 155 पहुंच जाएगा।

टीएल बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

जर्जर भवनों के सुधार, जलभराव, बिजली व्यवस्था और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 06 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय-सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री डी.पी. बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक एवं मायाराम कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

जर्जर भवनों की मरम्मत को सर्वोच्च प्राथमिकता

बैठक में सबसे पहले जिले के जर्जर शासकीय भवनों एवं इमारतों की समीक्षा की गई। इस दौरान निर्देशित किया गया कि जो भवन या दीवारें मरम्मत योग्य नहीं हैं, उन्हें सुरक्षा की दृष्टि से तत्काल हटाया जाए। जिला शिक्षा अधिकारी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए कि किसी भी स्कूल या आंगनवाड़ी केंद्र का संचालन जर्जर भवन में नहीं होना चाहिए। जिन भवनों में मरम्मत अथवा सुधार कार्य आवश्यक है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराया जाए। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल के अधीक्षण अभियंता को निर्देश दिए गए कि बारिश एवं आंधी-तूफान के दौरान विद्युत व्यवस्था सुचारु बनी रहे। झूलते बिजली के तारों की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। सभी तहसीलों में विभागीय टीमों को सतर्क रखने तथा संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

सड़कों और पुल-पुलियों पर जलभराव नहीं होना चाहिए

मानसून को देखते हुए लोक निर्माण विभाग एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को सड़कों, पुलों और पुल-पुलियों पर जलभराव की स्थिति का तत्काल निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जिले में कहीं भी जलभराव के कारण यातायात बाधित होने की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग को निर्देशित किया गया कि जनजातीय क्षेत्रों के सभी छात्रावासों एवं विद्यालयों का निरीक्षण कर छत से पानी टपकने जैसी समस्याओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

एफआरए पट्टाधारियों को मिले सभी योजनाओं का लाभ

कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान किसानों को निर्धारित दर पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि प्रत्येक पात्र किसान को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया गया कि वनाधिकार अधिनियम (एफआरए) के सभी पट्टाधारियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। सभी पात्र हितग्राहियों के किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) बनवाने तथा उनका प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। समग्र ई-केवाईसी की समीक्षा के दौरान जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि 92 हजार के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 31 हजार हितग्राहियों की ई-केवाईसी पूरी की जा चुकी है। कलेक्टर ने शेष सभी ई-केवाईसी 25 जुलाई तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

संबल एवं अन्य योजनाओं के लंबित प्रकरण शीघ्र निपटाएं

कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि संबल योजना के 50 दिन से अधिक पुराने प्रकरण लंबित नहीं रहने चाहिए। जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही श्रमयोगी मानधन योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना तथा प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना के ऋण प्रकरणों में भी तेजी लाने को कहा गया। बैठक में बताया गया कि समग्र आईडी संशोधन से संबंधित सर्वाधिक शिकायतें कटंगी एवं खैरलांजी जनपद से प्राप्त हो रही हैं। इस पर संबंधित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के त्वरित निराकरण पर जोर

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि 50 दिन से अधिक पुराने मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी विभाग अपनी ग्रेडिंग प्रदेश स्तर पर ए ग्रेड बनाए रखने के लिए गंभीरता एवं तत्परता से कार्य करें।

खेत से लौट रहे युवक पर जंगली सूअर ने किया हमला नजिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के कटंगी वन परिक्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम पांजरा में जंगली सूअर के हमले में एक युवक घायल हो गया। यह घटना खेत से कृषि कार्य कर घर लौटते समय हुई। घायल युवक शैलेश चौधरी पिता राजकुमार चौधरी 25 वर्ष ग्राम पांजरा निवासी को कटंगी से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया।जहां उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शैलेश चौधरी अपने परिवार के साथ कृषि कार्य करते हैं। 5 जुलाई को शैलेश चौधरी अपने परिवार के साथ खेत में कृषि कार्य करने गए थे। शाम के

समय जब वे काम समाप्त कर घर लौट रहे थे, तभी पीछे से आए एक जंगली सूअर ने अचानक उन पर हमला कर दिया। अप्रत्याशित हमले में शैलेश घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। उनकी चीख-पुकार सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे। जिसके बाद जंगली सूअर जंगल की ओर भाग गया। परिजनों ने तत्काल घायल युवक को कटंगी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए 7 जुलाई को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिये। जिला अस्पताल में उनका इलाज किया जा रहा है। अस्पताल पुलिस ने घायल का बयान दर्ज कर मामले की जानकारी अग्रिम कार्रवाई के लिए कटंगी थाना भेज दी है।

न्यायालय अपर कलेक्टर जिला बालाघाट, मध्यप्रदेश

ईश्तेहार प्रकाशन

प्रकरण कमांक / 0092 / बी-121/2026-27
मौजा दहेगांव तहसील लांजी
जिला बालाघाट (म.प्र.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक / दत्तकग्रहिता राजू पालेवार पिता भैयालाल पालेवार एंव श्रीमति सुशीला पालेवार पति राजू पालेवार दोनों जाति बिंझवार निवासीगण दहेगांव तहसील लांजी जिला बालाघाट द्वारा अनावेदक / दत्तकग्रहिता विनोद पालेवार पिता श्री भैयालाल पालेवार एंव सीमा पालेवार पति विनोद पालेवार जाति बिंझवार निवासी दहेगांव तहसील लांजी जिला बालाघाट को अपनी चार संतानों में से चौथी पुत्री पल्लवी पालेवार जन्मतिथि 29.01.2025 जिसकी उम्र 01 वर्ष 3 माह को गोद लिये जाने हेतु आवेदन पत्र हिन्दु दत्तक तथा भरण-पोषण अधिनियम, 1956 (1956 का अधिनियम संख्यांक 78)1 के अध्याय 2 में दिये गये उपबंधो के तहत गोदनामा विलेख पंजीयन अंतर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त के संबंध में किसी हितबद्ध पक्षकार को आपत्ति होने पर स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में सुनवाई 17/07/2026 तक आपत्ति प्रस्तुत करते है बाद समयावधि में कोई विचार नही किया जावेगा।

दिनांक 30.06.2026 को हस्ताक्षर एंव पदमुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर
जिला बालाघाट(म.प्र.)

न्यायालय अपर कलेक्टर जिला बालाघाट, मध्यप्रदेश

ईश्तेहार प्रकाशन

प्रकरण कमांक / 0093/बी-121/2026-27
मौजा नंदोरा तहसील कटंगी
जिला बालाघाट (म.प्र.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है दत्तकग्रहिता दुबे / दत्तकदाता दुर्गाप्रसाद देशमुख पिता श्री तेजराम देशमुख एंव श्रीमती जीजाबाई देशमुख पति दुर्गाप्रसाद देशमुख दोनों जाति कोहरी निवासीगण नन्दोरा तहसील कटंगी जिला बालाघाट द्वारा अनावेदक / दत्तकग्रहिता जयप्रकाश देशमुख पिता श्री श्रवण देशमुख एंव ममता देशमुख पति जयप्रकाश देशमुख जाति कोहरी निवासी नन्दोरा तहसील कटंगी जिला बालाघाट को अपनी दो संतानों में से प्रथम पुत्र मयूर देशमुख जन्मतिथि 02.04.2014 जिनकी उम्र 13 वर्ष को गोद लिये जाने हेतु आवेदन पत्र हिंदू दत्तक तथा भरण-पोषण अधिनियम, 1956 (1956 का अधिनियम संख्यांक 78) 1 के अध्याय 2 में दिये गये उपबंधो के तहत गोदनामा विलेख पंजीयन के अंतर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त के संबंध में किसी हितबद्ध पक्षकार को आपत्ति होने पर स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में सुनवाई 17/07/2026 तक आपत्ति प्रस्तुत करते है बाद समयावधि में कोई विचार नही किया जावेगा।

दिनांक 30.06.2026 को हस्ताक्षर एंव पदमुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर
जिला बालाघाट(म.प्र.)

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

—निर्माता—

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

बारिश के मौसम में लापरवाही होटल की कढ़ी में निकली मरी हुई छिपकली

नाश्ता कर रहे तीन छात्र घबराए तीनों छात्र जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बारिश के मौसम में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शहर के मोतीनगर चौक में स्थित एक होटल में नाश्ता करने पहुंचे तीन छात्रों को परोसी गई कढ़ी में मरी हुई छिपकली मिलने से हड़कंप मच गया। कढ़ी खा चुके तीन छात्र घबरा गए और तत्काल मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल पहुंचे। तीनों छात्र विशेष ठाकरे पिता सुरेंद्र ठाकरे 19वर्ष ग्राम देवरी थाना तिरोड़ी, दिव्यांशु नाने पिता लीलाधर नाने 19 ग्राम कन्नड़गांव थाना तिरोड़ी तथा छात्र मौसम बोपचे पिता छतरलाल बोपचे 21 वर्ष ग्राम देवरी थाना तिरोड़ी निवासी है। जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तीनों छात्र मोती नगर में किराये से रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। तीनों छात्र एक ही साथ में रहते हैं। विशेष ठाकरे छात्र सतपुड़ा आईटीआई में अध्ययन करने जाते हैं। और मौसम बोपचे स्वामी विवेकानंद कॉलेज बालाघाट में आईटीआई कर रहा है और दिव्यांश भी पढ़ाई कर रहा है। बताया गया कि 5 जुलाई को गैस खत्म हो गई थी। 6 जुलाई को सुबह 11:30 बजे करीब तीनों छात्र मोती नगर चौक स्थित एक होटल में नाश्ता करने पहुंचे। उन्होंने नास्ते में समोसे के साथ कढ़ी मंगवाई थी। नाश्ता करते समय विशेष ठाकरे कढ़ी की कटोरी मे मरी हुई छिपकली का बच्चा दिखाई दिया। यह देखकर तीनों छात्र दहशत में आ गए।संभावित फूड पॉइजनिंग की आशंका और घबराहट के चलते तीनों आगे दवाई दुकान पहुंचे। किंतु दुकानदार ने दवाई देने से मना करते हुए उन्हें जिला अस्पताल जाने की सलाह दी। वे तुरंत जिला अस्पताल पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने जांच के बाद विशेष ठाकरे और दिव्यांशु नाने और मौसम बोपचे को निगरानी एवं उपचार के लिए भर्ती कर लिये। तीनों छात्रों का उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है। बारिश के मौसम में खाद्य पदार्थों में कीड़े-मकोड़े और अन्य जीव-जंतुओं के पहुंचने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में होटल एवं भोजनालय संचालकों को साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा के मानकों का विशेष रूप से पालन करना चाहिए। वहीं, इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने संबंधित होटल की जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

शादी के नाम पर 15 साल की छात्रा से 9 महीने तक दुष्कर्म

गर्भवती हुई नाबालिग, मढ़ई मेले से शुरू हुआ सिलसिला, लोक-लाज और धमकी के डर से चुप रही पीड़िता, आरोपी सरोज सुलखिया गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है जिसने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। खैरलांजी थाना क्षेत्र में एक 15 वर्षीय कक्षा 10वीं की छात्रा को गांव के ही युवक ने शादी का झांसा देकर लगातार अपनी हवस का शिकार बनाया। नतीजा ये हुआ कि नाबालिग गर्भवती हो गई। गरीबी, लोक-लाज और आरोपी की धमकियों के कारण पीड़िता 9 महीने तक खामोश रही। खैरलांजी पुलिस ने अपराध दर्ज होने के बाद आरोपी सरोज सुलखिया को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले वर्ष 22 अक्टूबर 2025 को गांव में मेला का आयोजन था। इसी मेले के दौरान आरोपी सरोज सुलखिया ने मासूम छात्रा को बातों में फंसाया। और शादी का झांसा देकर रात के समय उसे घर के पास बुलाकर उसके साथ पहली बार दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दे दी।इसके बाद आरोपी का सिलसिला नहीं रुका। वह बार-बार पीड़िता को अकेले में बुलाकर दुष्कर्म करता रहा। आखिरी बार यह घिनौनी वारदात 28 अक्टूबर 2025 की रात को हुई।कुछ हफ्तों बाद जब पीड़िता के शरीर में बदलाव आने लगे तो वह घबरा गई। उसने डरते डरते आरोपी को इस बारे में बताया। लेकिन आरोपी ने सारी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया।पीड़िता के पिता और मां दोनों मजदूरी करते हैं। घर में 6 बच्चे हैं। इसी गरीबी और समाज क्या कहेगा के डर से बच्ची ने किसी को कुछ नहीं बताई और अकेले ही मानसिक और शारीरिक पीड़ा झेलती रही।3 जुलाई 2026 को जब पेट में तेज दर्द उठा तो बच्ची ने रोते हुए अपनी मां को पूरी बात बताई। मां ने जब बेटी की हालत देखी तो तुरंत परिवार के साथ थाने पहुंचने का फैसला लिया।पीड़िता की शिकायत पर खैरलांजी पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज किया। इस संवेदनशील मामले में वारासिवनी से महिला उपनिरीक्षक को भी बुलाया गया। ताकि पीड़िता सहजता से अपना बयान दे सके।पुलिस ने आरोपी सरोज सुलखिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2)(ढ), 65(1) पॉक्सो एक्ट की धारा 5(1)/16 के अलावा अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराएं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की अपराध दर्ज होने के बाद फरार आरोपी सरोज सुलखिया की गिरफ्तारी के लिए टीमें बनाई थी। पतासाजी के दौरान खैरलांजी पुलिस फरार आरोपी सरोज सुलकिया को गिरफ्तार कर लिए।

समाज और सिस्टम के लिए सवाल

यह मामला सिर्फ एक अपराध नहीं है। यह हमारी सामाजिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। एक 15 साल की बच्ची को 9 महीने तक डर के साए में जीना पड़ा। गरीबी और जानकारी के अभाव के कारण कई बार पीड़ित परिवार समय पर न्याय के लिए आगे नहीं आ पाते।

खेत में काम कर रहे वृद्ध किसान पर जंगली सूअर का जानलेवा हमला, अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। क्षेत्र के आसपास ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में जंगली जानवरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला मंगेझरी के ग्राम झाड़ूटोला से सामने आया है। जहाँ अपने खेत में कृषि कार्य कर रहे एक ६० वर्षीय बुजुर्ग किसान पर जंगली सूअर ने अचानक जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसे आनन फानन में उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार झाड़ूटोला मंगेझरी निवासी मंगल पिता नारू चौधरी उम्र ६० वर्ष प्रतिदिन की तरह सोमवार की दोपहर करीब ३ बजे अपने खेतों में काम करने के लिए गए हुए थे। वे अपने कृषि कार्य में व्यस्त थे तभी शाम करीब ४ बजे खेत में ही झाड़ियों के पीछे घात लगाकर छिपकर बैठी एक जंगली सूअर ने उन पर अचानक हमला बोल दिया। जंगली सूअर के इस अप्रत्याशित हमले से बुजुर्ग किसान को संभलने का मौका नहीं मिला। सूअर ने उन्हें बुरी तरह से लहूलुहान कर दिया। हमले से घबराए पीड़ित मंगल चौधरी ने मदद के लिए शोर मचाना शुरू किया। किसान की चीख पुकार सुनकर आस पास के खेतों में काम कर रहे अन्य ग्रामीण और किसान तुरंत लाठी डंडे लेकर मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों की भारी भीड़ और शोर.शराबा देखकर जंगली सूअर घायल किसान को छोड़कर जंगल की ओर भाग खड़ी हुई। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल मंगल चौधरी को तुरंत खेत से बाहर निकाला और सिविल अस्पताल लाया जहाँ उसका उपचार जारी हैं।

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

सब्जी बेचने को लेकर विवाद पीकअप चालक और उसके भाई से मारपीट और दी जान से मारने की धमकी

थाना बिरसा में 3 लोगों के खिलाफ अपराध कायम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना अंतर्गत ग्राम सालेटेकरी में सब्जी की गाड़ी खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में पीकअप चालक और उसके भाई के साथ मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। बिरसा पुलिस ने शगुन पिता सरवन बघेल 30 वर्ष ग्राम दमोह निवासी की रिपोर्ट पर तीन आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। सभी आरोपी ग्राम सालेटेकरी निवासी बताए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सगुन बघेल पिता सरवन बघेल अपने छोटे भाई शंकर बघेल के साथ पीकअप वाहन से रोजाना गंडई, छत्तीसगढ़ से सब्जी लाकर सालेटेकरी, मानेगांव, दमोह और बिरसा में सप्लाई करता है। 04 जुलाई को 11 बजे वह सब्जी लाकर सालेटेकरी में रोड किनारे गाड़ी खड़ी कर दुकानदारों को सब्जी दे रहा था। इसी दौरान पल्सर वाहन में सवार साहिल नाम का युवक आया और गाड़ी साइड में न लगाने को लेकर गंदी-गंदी गाली-गलौज करने लगा। शगुन बघेल द्वारा गाली देने मना करने पर साहिल ने अपने साथियों को फोन कर बुला लिया।थोड़ी देर में जावेद और सैजान भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद तीनों ने एक राय होकर शगुन बघेल के साथ मारपीट शुरू कर दी। जावेद ने पैर से शगुन के पेट पर मारा, जिससे वह गिर गया। बीच बचाव करने आए भाई शंकर बघेल आया तो उसके साथ भी इन लोगों ने मारपीट कर दिए। जिसके बाद इनआरोपियों ने जाते यहां दोबारा गाड़ी लगाई लगाने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। मारपीट से शगुन बघेल को पेट में अंदरूनी चोट आई है। शगुन बघेल ने अपने पिता सरवन बघेल को घटना की जानकारी दी और उसके साथ में थाना बिरसा पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। बिरसा पुलिस ने इस मामले में आरोपी साहिल पिता जाकिर मोहम्मद 24 वर्ष, जावेद पिता जमील मोहम्मद 38 वर्ष, और सैजान पिता नूर मोहम्मद सभी ग्राम सालेटेकरी निवासी के खिलाफ अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप मेंभारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी) 115(2), 351(3), 356(2), 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और घटना के संबंध में आसपास के लोगों के बयान लिए जा रहे हैं।

तबादला आदेश के बाद भी कर्मचारी नहीं हो रहे रिलीव, हाईकोर्ट जाने की तैयारी में कर्मचारी

स्थानांतरण के बाद विभाग से कार्यमुक्त नहीं किए जाने पर बढ़ा असंतोष, पदोन्नति और तबादले के बीच फंसे कर्मचारी, न्यायालय की शरण लेने की तैयारी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मध्यप्रदेश शासन की स्थानांतरण नीति के तहत हाल ही में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले किए गए हैं। इन आदेशों के बाद जहां कई अधिकारी-कर्मचारियों ने नए जिलों में अपनी जिम्मेदारी संभाल ली है, वहीं कुछ ऐसे भी कर्मचारी हैं, जिन्हें स्थानांतरण आदेश जारी होने के बावजूद अब तक उनके वर्तमान कार्यालयों से कार्यमुक्त (रिलीव) नहीं किया गया है। इस स्थिति को लेकर कर्मचारियों में असंतोष बढ़ता जा रहा है और अब कुछ कर्मचारी न्यायालय की शरण लेने की तैयारी कर रहे हैं। ताजा मामला जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट कार्यालय के एक विभाग से जुड़ा हुआ है। यहां पदस्थ सहायक ग्रेड-3 के एक कर्मचारी ने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर बताया कि शासन की स्थानांतरण नीति के तहत उनका स्थानांतरण दूसरे जिले में हो चुका है, लेकिन संबंधित विभाग उन्हें अब तक कार्यमुक्त नहीं कर रहा है। उन्होंने बताया कि स्थानांतरण आदेश जारी हुए कई दिन बीत चुके हैं, इसके बावजूद विभागीय स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कर्मचारी का कहना है कि वर्तमान स्थिति उनके लिए केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि भविष्य की सेवा संबंधी जटिलताओं का कारण भी बन रही है। उन्होंने बताया कि आगामी कुछ दिनों में उनकी पदोन्नति की प्रक्रिया भी संभावित है। यदि पदोन्नति के आदेश स्थानांतरण से पहले जारी हो जाते हैं और उन्हें वर्तमान जिले से कार्यमुक्त नहीं किया जाता, तो यह तय करना मुश्किल हो जाएगा कि उन्हें

स्थानांतरण वाले जिले में पदस्थ माना जाएगा या पदोन्नति के आधार पर किसी अन्य जिले में भेजा जाएगा। इससे सेवा अभिलेख, पदस्थापना और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में असमंजस की स्थिति निर्मित हो सकती है। कर्मचारी ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में अपने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से कई बार चर्चा कर शीघ्र कार्यमुक्त किए जाने का अनुरोध किया, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। उनका कहना है कि विभागीय स्तर पर मामले को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है, जिससे उन्हें मानसिक तनाव के साथ-साथ आर्थिक नुकसान की आशंका भी बनी हुई है। उन्होंने बताया कि यदि उन्हें समय पर कार्यमुक्त नहीं किया गया और इस बीच पदोन्नति आदेश जारी हो गए, तो उन्हें दोहरी प्रशासनिक प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है। इससे न केवल उनकी नई पदस्थापना प्रभावित होगी, बल्कि वेतन, ज्वाइनिंग और अन्य सेवा संबंधी लाभों पर भी असर पड़ सकता है। सूत्रों के अनुसार, यह समस्या केवल एक कर्मचारी तक सीमित नहीं है। जिले के विभिन्न विभागों में ऐसे कई अधिकारी और कर्मचारी हैं, जिनके स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद भी उन्हें अब तक कार्यमुक्त नहीं किया गया है। इससे स्थानांतरण नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी सवाल उठने लगे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि जब शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर स्थानांतरण आदेश जारी किए जाते हैं, तो संबंधित विभागों को भी समय पर कर्मचारियों को कार्यमुक्त करना चाहिए, ताकि वे नए स्थान पर अपनी सेवाएं दे सकें। बताया जा रहा है कि संबंधित कर्मचारी ने इस पूरे मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने की तैयारी कर ली है। उन्होंने विभाग को भी इस संबंध में सूचना देते हुए स्पष्ट किया है कि यदि समय रहते उन्हें कार्यमुक्त नहीं किया गया, तो वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। कर्मचारी का कहना है कि शासन की स्थानांतरण नीति का उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारु बनाना है, लेकिन यदि स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद भी विभाग कर्मचारी को कार्यमुक्त नहीं करता, तो पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य ही प्रभावित हो जाता है। ऐसे में शासन को भी इस प्रकार के मामलों पर संज्ञान लेकर संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश जारी करने चाहिए, ताकि स्थानांतरण आदेशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित हो सके। फिलहाल यह मामला कर्मचारी के न्यायालय जाने की तैयारी के कारण चर्चा का विषय बना हुआ है। यदि विभाग द्वारा शीघ्र कोई निर्णय नहीं लिया जाता है, तो आने वाले दिनों में यह मामला न्यायिक स्तर पर पहुंच सकता है, जिससे स्थानांतरण और पदोन्नति से जुड़े प्रशासनिक नियमों पर भी नई बहस शुरू होने की संभावना है।

राघवटोला माइक्रो इरिगेशन प्लांट आगजनी के तीन आरोपी रिमांड पूरी होने पर जेल भेजे गए

भाजपा नेता समेत तीन आरोपियों की तीन दिन की पुलिस रिमांड समाप्त, 7 से 8 अन्य आरोपी अब भी फरार, करोड़ों की क्षति के बाद परियोजना दोबारा शुरू करने की तैयारी में जुटा विभाग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र के राघवटोला स्थित निर्माणाधीन माइक्रो इरिगेशन परियोजना प्लांट में 1 जुलाई को हुई भीषण आगजनी के मामले में पुलिस जांच लगातार जारी है। मामले में गिरफ्तार भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं जनपद पंचायत बालाघाट के निर्माण सभापति भुवनेश्वर रजक, ग्राम पंचायत परतापुर के सरपंच राजेश सिरसाम तथा राकेश दमाहे की तीन दिन की पुलिस रिमांड 6 जुलाई को समाप्त हो गई। रिमांड पूरी होने के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इधर, पुलिस की जांच अभी भी जारी है। मामले में नामजद तीन आरोपियों के अलावा 7 से 8 अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है, जिनकी गिरफ्तारी अभी बाकी है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की तलाश के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और अगले चार से पांच दिनों के भीतर उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। 1 जुलाई को राघवटोला स्थित निर्माणाधीन माइक्रो इरिगेशन परियोजना प्लांट में भीषण आग लगने से करोड़ों रुपये मूल्य की मशीनरी, पाइप, विद्युत उपकरण और अन्य सामग्री जलकर राख हो गई थी। इस घटना के बाद परियोजना का कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने प्लांट पहुंचकर पहले प्रोजेक्ट मैनेजर के साथ अभद्रता की और कथित रूप से 10 लाख रुपये की मांग की। शिकायत में कहा गया है कि जब कंपनी प्रबंधन ने राशि देने से इनकार किया तो आरोपियों ने प्लांट में आग लगाने की धमकी दी। आरोप है कि राकेश दमाहे अपने साथ करीब 10 लीटर पेट्रोल से भरी केन लेकर पहुंचा था और उसने प्लांट परिसर में रखे प्लास्टिक

पाइपों तथा अन्य सामग्री पर पेट्रोल छिड़क दिया। शिकायतकर्ता अतुल द्वारा विरोध किए जाने पर उसके ऊपर भी पेट्रोल डालने और आग लगाने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है। इसके बाद प्लांट में भीषण आग लग गई, जिससे करोड़ों रुपये की सामग्री जलकर नष्ट हो गई। परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार यह माइक्रो इरिगेशन परियोजना दो चरणों में पूरी की जानी है। पहले चरण में लामता क्षेत्र के 56 गांवों में पाइपलाइन बिछाने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। जबकि दूसरे चरण में खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए आवश्यक ओएमएस मटेरियल, एचडीपीई फिटिंग, कंट्रोल सिस्टम और इजरायल की स्काडा तकनीक से जुड़े उपकरण लगाए जाने थे। आगजनी की घटना में यही अधिकांश सामग्री जलकर नष्ट हो गई है। सूत्रों के अनुसार ओएमएस मटेरियल के माध्यम से खेतों तक पानी का वितरण किया जाना था। वहीं स्काडा तकनीक के जरिए पूरी परियोजना की निगरानी और संचालन होना था। आगजनी से ट्रांसमिशन लाइन, कंट्रोल सिस्टम और परियोजना के दूसरे चरण का कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। अब परियोजना को दोबारा शुरू करने के लिए विभाग को नई कार्ययोजना तैयार करनी होगी, जिससे समय के साथ-साथ आर्थिक भार भी बढ़ेगा। सूत्रों के अनुसार परियोजना में करोड़ों रुपये की विद्युत व्यवस्था और अन्य तकनीकी उपकरणों का कार्य भी प्रस्तावित था, जो अब प्रभावित हुआ है। पुलिस शिकायत में जहां चार से पांच करोड़ रुपये के नुकसान का उल्लेख किया गया है, वहीं विभागीय स्तर पर वास्तविक नुकसान इससे अधिक होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि संबंधित विभाग ने अभी तक आधिकारिक रूप से कुल नुकसान का विस्तृत आंकड़ा सार्वजनिक नहीं किया है। लामता के प्रभारी थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह ने बताया कि तीनों आरोपियों की पुलिस रिमांड 6 जुलाई को समाप्त होने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि उनका स्थानांतरण हो चुका है, इसलिए अब इस प्रकरण की आगे की जांच और कार्रवाई नवपदस्थ थाना प्रभारी के नेतृत्व में आगे बढ़ेगी। इधर, परियोजना से जुड़े अधिकारी भी आगजनी से हुए नुकसान का आकलन करने और निर्माण कार्य को दोबारा शुरू करने की रणनीति बनाने में जुटे हैं। बताया जा रहा है कि वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर लगातार बैठकें और चर्चा चल रही है, ताकि प्रभावित परियोजना को जल्द पुन: शुरू किया जा सके। फिलहाल पुलिस की आगे की कार्रवाई, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और विभाग द्वारा परियोजना को दोबारा गति देने की दिशा में उठाए जाने वाले कदमों पर सभी की नजर बनी हुई है।

बालाघाट पहुंचे अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रभारी मोबीन राजा खान, जिला अध्यक्ष पद के दावेदारों से की वन-टू-वन चर्चा

संगठन की मजबूती और नेतृत्व को लेकर वरिष्ठ नेताओं से लिया फीडबैक, दावेदारों की कार्यशैली व सक्रियता का किया आकलन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश अल्पसंख्यक कांग्रेस के बालाघाट जिला प्रभारी मोबीन राजा खान सोमवार, 6 जुलाई को संगठनात्मक प्रवास पर बालाघाट पहुंचे। उनके आगमन को लेकर पहले से ही जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा तैयारियां की गई थीं। सर्किट हाउस में आयोजित बैठक के दौरान उन्होंने जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान जिला अध्यक्ष पद के दावेदारों से अलग-अलग मुलाकात कर उनकी दावेदारी, संगठनात्मक अनुभव, कार्यशैली और पार्टी के प्रति समर्पण का भी आकलन किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार मोबीन राजा खान दोपहर करीब एक बजे सर्किट हाउस पहुंचे, जहां कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिले में कांग्रेस संगठन की वर्तमान स्थिति, बूथ स्तर की सक्रियता, कार्यकर्ताओं की भागीदारी तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों से प्रभारी ने जिले में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, पार्टी की गतिविधियों और भविष्य की रणनीति को लेकर सुझाव लिए। उन्होंने यह जानने का प्रयास किया कि संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए किन क्षेत्रों में कार्य करने की आवश्यकता है तथा किन मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। प्रवास के दौरान कांग्रेस में अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी कर रहे नेताओं से अलग-अलग व्यक्तिगत चर्चा भी की गई। प्रत्येक दावेदार से संगठन में उनके अनुभव, अब तक किए गए कार्य, कार्यकर्ताओं के बीच उनकी स्वीकार्यता तथा भविष्य में संगठन को मजबूत बनाने की कार्ययोजना के संबंध में जानकारी ली गई। साथ ही यह भी जाना गया कि यदि उन्हें संगठन की जिम्मेदारी मिलती है तो वे जिले में कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए किस प्रकार कार्य करेंगे। सूत्रों के अनुसार प्रभारी ने जिले के वरिष्ठ नेताओं से भी जिला अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों को लेकर राय ली। बैठक में संगठन की एकजुटता, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय और आगामी चुनावों की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों की सक्रियता तथा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए सुझाव भी प्राप्त किए गए। बताया जा रहा है कि मोबीन राजा खान जिले के संगठनात्मक ढांचे का विस्तृत फीडबैक एकत्रित कर रहे हैं। प्रवास के दौरान प्राप्त सुझावों, स्थानीय नेताओं की राय, संगठन की वर्तमान स्थिति और जिला अध्यक्ष पद के दावेदारों के मूल्यांकन के आधार पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। यह रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को भेजी जाएगी, जिसके आधार पर आगामी दिनों में संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव शफकत खान ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर यह संगठनात्मक प्रवास आयोजित किया गया है। इसका उद्देश्य जिले में संगठन की वास्तविक स्थिति का आकलन करना, कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करना तथा जिला अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी कर रहे नेताओं का निष्पक्ष मूल्यांकन करना है।बैठक के दौरान संगठन को गांव-गांव और बूथ स्तर तक मजबूत करने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने, अल्पसंख्यक समाज के बीच कांग्रेस की पहुंच बढ़ाने तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। प्रभारी ने कार्यकर्ताओं से संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है तथा सभी कार्यकर्ताओं की भूमिका इसमें महत्वपूर्ण है। अब जिले के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की नजर प्रदेश नेतृत्व के अगले निर्णय पर टिकी हुई है। माना जा रहा है कि प्रभारी द्वारा तैयार की जाने वाली रिपोर्ट के आधार पर कांग्रेस में अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष पद सहित संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर आगामी दिनों में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं।

शराब के नशे में कीटनाशक सेवन से एक व्यक्ति की मौत

जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के लामता थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भालेवाड़ा निवासी 58 वर्षीय व्यक्ति धन्नालाल पिता भगवानलाल राहंगडाले की कथित रूप से कीटनाशक का सेवन करने से मौत हो गई। परिजनों द्वारा उन्हें बेहोशी की हालत में जिला अस्पताल लाया गया।जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले में प्रारंभिक तौर पर शराब के नशे में कीटनाशक सेवन किए जाने की आशंका जताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धन्नालाल खेती किसानी का कार्य करता था। परिवार में उसकी पत्नी छम्मन बाई हैं। जबकि उसकी दोनों बेटियों का विवाह हो चुका है और वे अपने अपने ससुराल में रहती हैं। बताया जा रहा है कि धन्नालाल शराब पीने का आदी था। जानकारी के मुताबिक 5 जुलाई की सुबह धन्नालाल बिना किसी को बताए घर से निकल गया था। इसी दौरान उसकी पत्नी छम्मन बाई खेत में मजदूरी करने चली गई थीं। शाम करीब 5 बजे जब वह घर लौटीं तो उन्होंने देखा कि धन्नालाल घर में खाट पर अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था। उसके मुंह से झाग निकल रहा था और शरीर से कीटनाशक की तेज दुर्गंध आ रही थी। छम्मन बाई ने अपने देवर श्रावण राहंगडाले तथा आसपास के लोगों को बुलाया। इसके बाद 108 एंबुलेंस की सहायता से धन्नालाल को जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया लेकिन वहां मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने रात में शव को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल की शवगृह में सुरक्षित रखवाया। 6 जुलाई की सुबह पंचनामा कार्रवाई पूरी करने के बाद धन्नालाल का शव पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया गया है।जिला अस्पताल पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की अग्रिम जांच एवं कार्रवाई के लिए संबंधित लामता थाना को प्रकरण भेज दिया है।पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला शराब के नशे में कीटनाशक सेवन का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही हो सकेगा।

आंवलाझरी में नाली सफाई के विवाद में मारपीट और जानलेवा हमला करने के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

एक आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम आंवलाझरी में नाली की सफाई को लेकर हुए विवाद के चलते किए गए प्राण घातक हमले के इस मामले में भरवेली पुलिस ने तीन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिनमे एक आरोपी अक्षय नगपुरे 24 वर्ष को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।इस मामले के दो आरोपी को बाद में गिरफ्तार किए जाने की वजह से उन्हें 7 जुलाई को अदालत में पेश किया जाएगा। इन तीन आरोपीयो के खिलाफ वार्ड पंच और उसके भाई पर उभारी से जानलेवा हमला करने का आरोप है। ज्ञात हो की आंवलाझरी निवासी मधुसूदन बनोटे खेती-किसानी करते हैं और वार्ड नंबर 15 के पंच हैं। घटना के दो दिन पहले गांव के सरपंच अशोक लिल्हारे गांव आए थे। तब मधुसूदन ने उनसे घर के सामने की नाली साफ करवाने का आग्रह किया था। 19 जून की रात करीब 11 बजे मधुसूदन ने पड़ोसी मनोज नगपुरे से पूछे कि वह अपने घर के सामने की नाली की सफाई क्यों नहीं करवाने देते। इस बात पर मनोज भड़क गया और गाली-गलौज करने लगा।मधुसूदन के मना करने पर वह और आवेश में आ गया इसी दौरान मनोज के चचेरे भाई अक्षय नगपुरे और अजय नगपुरे उभारी लेकर पहुंचे गये और तीनो ने मधुसूदन पर हमला कर उसे उभारी से मारपीट करने लगे। चिल्लाने की आवाज सुनकर मधुसूदन का छोटा भाई गोपाल बनोटे बीच-बचाव करने आया तो तीनों आरोपियों ने उस पर भी उभारी से बेरहमी से वार कर दिए। हमलावरों ने दोबारा नाली की बात करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। हमले में दोनों भाई घायल हो गए थे। गोपाल की हालत ज्यादा नाजुक बताई जा रही है।डायल 112 घायल गोपाल को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहीं मधुसूदन अपने साथी के साथ भरवेली थाने रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे। पुलिस ने घायल गोपाल का बयान लेकर उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर गोपाल को नागपुर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया

है। भरवेली पुलिस ने आरोपी मनोज नगपुरे, अक्षय नगपुरे और अजय नगपुरे के खिलाफ अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। विवेचना के दौरान इस मामले में तीनों आरोपी मनोज नगपुरे अक्षय नगपुरे और अजय नगपुरे के विरुद्ध भरवेली थाने की अपराध क्रमांक 156/026 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 296(बी),351(3) 3(5) में हत्या का प्रयास करने के आरोप में धारा 109(1) भारतीय न्याय संहिता का इजाफा किया गया है। इस मामले में को तीनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक गिरफ्तार आरोपी अक्षय नगपुरे को 6 जुलाई को बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। दो आरोपी मनोज नगपुरे और अजय नगपुरे को देर से गिरफ्तार की जाने के कारण उन्हें 7 जुलाई को अदालत में पेश किया जाएगा।

सिहोरा में हाईवे सड़क के बीचों-बीच बना जानलेवा गड्ढा, दे रहा मौत को आमंत्रण!!

गड्ढे में गिरकर कई लोग हुए चोटिल, टला बड़ा हादसा, प्रशासन बेखबर, ग्रामीणों ने लगाई झंडी

राहगीर एवं ग्रामीणों ने गड्ढों के समीप संकेतक बोर्ड या बैरिकेड्स एवं गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाने की प्रशासन से की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग पर सफर करना अब जानलेवा साबित हो रहा है। पोंडी से पाथरशाही के बीच सड़क पूरी तरह बदहाल हो चुकी है। सबसे बदतर स्थिति सिहोरा के समीप की है, जहां हाईवे रोड के बीचों-बीच एक बेहद बड़ा और खतरनाक गड्ढा बन चुका है। रविवार और सोमवार को इस गड्ढे के कारण कई दुपहिया और चौपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुए जिससे वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा और उनमें सवार लोग भी चोटिल हुए है। गनीमत रही कि इस दौरान सामने से कोई अन्य वाहन नहीं आ रहा था वरना कोई बड़ा जनहानि हो सकती थी। दो बड़े हादसे होते-होते टल गये है। लेकिन हर पल यहां किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

सत्तापक्ष के जनप्रतिनिधियों में भी आक्रोश, मुख्यमंत्री को भी है जानकारी

बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग के खस्ताहाल से सभी परेशान है और इस सड़क की समस्या को लेकर कई बार मुख्यमंत्री, विधायक व सांसद को भी अवगत करवा दिया गया है। साथ ही हैरानी की बात यह है कि इस मार्ग की बदहाली को लेकर अब भाजपा के स्थानीय जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता भी अपनी ही सरकार से नाराज नजर आ रहे हैं। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि सरकार सिर्फ घोषणाएं करती है उन्हें धरातल पर पूरा नहीं कर पा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव खुद इस मार्ग की स्थिति से वाकिफ हैं क्योंकि दो वर्ष पूर्व वे इसी रास्ते से होकर बालाघाट पहुंचे थे। इसके अलावा स्थानीय विधायक और सांसद भी कई बार सड़क की जर्जर स्थिति से शासन-प्रशासन को अवगत करवा चुके हैं और निर्माण की घोषणाएं भी हुई हैं। लेकिन अमलीजामा अब तक नहीं पहनाया जा सका है। यानि की निर्माण की घोषणा होने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू तक नही हुआ है। वहीं बरसात शुरू होते ही सड़क में बने बड़े-बड़े गड्ढों में पानी जमा हो गया है। साथ ही कुछ स्थानों पर तो सड़क नही सिर्फ गड्ढे ही नजर आते है, ऐसी स्थिति में इस हाईवे मार्ग से आवागमन करने से लोग अब डरने लगे है। साथ ही अनगिनत गड्डे बन गये है अगर किसी की नजर हटी समझों दुर्घटना घटी यह स्थिति निर्मित हो गई है। वहीं जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी से ग्रामीणों और राहगीरों में भारी आक्रोश व्याप्त है। सिहोरा में सड़क के बीच बना यह गड्ढा अब एक छोटे तालाब का रूप ले चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन शायद किसी बड़ी अनहोनी या किसी की जान जाने का इंतजार कर रहा है, तभी उनकी नींद खुलेगी।

ग्रामीणों ने पेश की मिसाल, रेत की बोरी में लगाई झंडी

प्रशासनिक उदासीनता को देखते हुए सिहोरा के जागरूक नागरिकों ने खुद ही मोर्चा संभाला। राहगीरों को इस जानलेवा गड्ढे से बचाने के लिए ग्रामीणों ने एक बोरी में रेत भरकर उसमें झंडी लगा दी है। ताकि दूर से आने वाले वाहन चालकों को गड्ढा दिखाई दे सके और वे सतर्क हो जाये। ग्रामीण एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से हाईवे मार्ग पर बने सभी जानलेवा गड्ढों का तत्काल मरम्मत कार्य करवाने, सिहोरा के पास बने मुख्य गड्ढे के समीप सुरक्षा की दृष्टि से तत्काल बैरिकेड्स लगाने, वाहन चालकों की सतर्कता के लिए संकेतक बोर्ड ,साइन बोर्ड स्थापित करने की मांग की है। वहीं क्षेत्रीयजन एवं ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस जानलेवा गड्ढे का स्थायी सुधारीकरण नहीं करवाया गया तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगें। जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

गड्ढे में गिरकर लोग हो रहे चोटिल - रामसिंह

रामसिंह कटरे ने बताया कि हाईवे मार्ग सिहोरा में सड़क के बीचो-बीच एक से डेढ़ फीट का जानलेवा गड्ढा बन चुका है जो काफी बड़ा है और दुर से दिखाई नही दे रहा है और अब तक सड़क विभाग के द्वारा मरम्मत कार्य भी नही करवाया गया है। श्री कटरे ने बताया कि रविवार को एक मोटरसाइकिल चालक गड्ढे में जाने से घायल हो गया था, जिसका उपचार करवाया गया क्योंकि गड्ढों में पानी भरा होने के कारण वह दिखाई नही देता है, लोग तेजी से गड्ढे के पास से निकल जाते है और उसकी चपेट में आने से दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। प्रशासन से मांग कि वह जनहित में और लोगों की सुविधा को देखते हुए गड्ढों का जल्द मरम्मत कार्य करवाये।

जानलेवा गड्ढों का जल्द मरम्मत कार्य करवाये प्रशासन - प्रमोद

प्रमोद हरिनखेड़े ने बताया कि बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग के पाथरशाही से पोंडी के बीच में जगह-जगह जानलेवा गड्ढे बन चुके है और गड्ढों में पानी भर जाने से गड्ढे दिखाई नही देने से दुर्घटनाएं घटित हो रही है और सिहोरा में सड़क के बीच बना गड्ढा दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। श्री हरिनखेड़े ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के द्वारा सिर्फ घोषणा की जा रही है, सड़क का नवीन निर्माण अब तक प्रारंभ नहीं हो पाया, हमारी मांग की सड़क का निर्माण बाद में करे, सबसे पहले इसका मरम्मत कार्य होना चाहिए। जिससे लोगों को आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके। अगर मरम्मत कार्य नही हुआ तो भविष्य में बड़ी दुर्घटना घटित होने की पूर्ण संभावना बनी हुई है।

वर्तमान सरकार से जनता और जनप्रतिनिधि दोनों है परेशान - अरूण

जनपद सदस्य प्रतिनिधि अरूणकुमार गौतम ने बताया कि हाईवे मार्ग गड्ढों में तब्दील हो चुका है और गत दिवस सिहोरा में दोपहर के समय मोटरसाइकिल सड़क के बीच में बने गड्ढे में जाने से एक व्यक्ति घायल हो गया। साथ ही इस मार्ग पर रोजाना दुर्घटनाएं घटित हो रही है। साथ ही हमारे जनपद क्षेत्र अंतर्गत 5 पंचायतें आती है, जनता हमसे सवाल करती है कि इस सड़क का क्या होगा? लेकिन जब प्रदेश के मुख्यमंत्री और बड़े नेताओं को ही इसके बारे में स्पष्ट नहीं पता, तो भला हमें कैसे मालूम होगा। सड़क निर्माण की बार-बार घोषणाएं होने के बावजूद जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ है, जिससे अब वर्तमान सरकार से जनता और जनप्रतिनिधियों दोनों की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो चुकी हैं। यानि की जनता और जनप्रतिनिधि भी सरकार से परेशान है। श्री गौतम ने बताया कि जनता से हर प्रकार का टैक्स वसूला जाता है, लेकिन जब मूलभूत सुविधाएं देने की बात आती है, तो प्रशासन हाथ खड़े कर लेता है। जबकि इस समस्या से कई बार प्रशासन को अवगत करवा दिया गया है, लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, स्वयं के खर्च पर सिहोरा में बने गड्ढों का मरम्मत कार्य करवायेगें। बरसात शुरू हुई है अभी यह हाल है तो तेज बारिश होने पर सड़क गड्ढों में तब्दील हो जायेगी, अगर प्रशासन अब भी कुंभकर्णी नींद से नही जागा तो इस क्षेत्र की जनता का भगवान ही मालिक है।

खबर प्रकाशन के बाद अस्पताल कालोनी की नालियों एवं झाड़ियों की हुई सफाई

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के अस्पताल कालोनी स्थित नालियों की बाजू में खरपतवार (झाड़िया) उग चुकी थी। जिसका झुकाव रोड़ की ओर आ चुका था यानि की सड़क पर खरपतवार का कब्जा हो चुका था। जिस कारण से गंदे पानी की निकासी नही हो पा रही थी और पानी जमा रहने से गंदगी का अंबार लगा हुआ था। जिससे आने-जाने वाले लोगों एवं निवासरत लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। वहीं गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा था, जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर निवासरत लोगों को सता रहा था। साथ ही खरपतवार (झाड़ियों) का झुकाव रोड़ की ओर अधिक आ चुका था। ऐसी स्थिति में नाली है या नही समझ में नही आ रहा था। जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। उक्त समस्या को लेकर विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित कर स्थानीय प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाया गया था। वहीं खबर प्रकाशन के बाद पंचायत के जिम्मेदार हरकत में आये और सड़क के ऊपर आ चुके लंबी-लंबी झाड़ियों की कटाई कर नालियों की सफाई करवा दी है। वहीं झाड़ियों एवं नालियों की सफाई हो जाने से अब पानी की निकासी सुचारू रूप से हो रही है। साथ ही झाड़ियों के कारण आवागमन में हो रही परेशानियों से भी निजात मिल चुकी है। वहीं मानपुर के अस्पताल कालोनी के निवासरत लोगों ने स्थानीय प्रशासन से इसी तरह नियमित रूप से नालियों की साफ-सफाई करवाने की मांग की है ताकि वार्ड में स्वच्छता बनी रहे।

लंबे समय से साफ-सफाई नही होने से नालियों के आजू-

रानीकुठार वन सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

वन विभाग ने की ग्रामीणों से अनावश्यक रूप से जंगल न जाने की अपील

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। वन परिक्षेत्र दक्षिण सामान्य परिक्षेत्र लालबर्रा अंतर्गत ग्राम रानीकुठार स्थित जांच वन उपज नाका में सोमवार को शाम 5 बजे वन सुरक्षा समिति की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक वन सुरक्षा समिति अध्यक्ष इंद्रजीत उइके की अध्यक्षता एवं सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी पूरनलाल चौधरी, वनपाल/सचिव उत्सव रहांगडाले, मौसमी गर्दे, समिति सदस्य, सुरक्षा कर्मी एवं ग्रामीणजनों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में विगत दिनों से जंगलों में विचरण कर रहे आदमखोर बाघ से बचाव एवं अनावश्यक रूप से जंगल में प्रवेश न करने हेतु विचार विमर्श किया गया और ग्रामीणजनों से अनावश्यक रूप से जंगल न जाने की अपील की गई है। जंगल में आदमखोर बाघ सहित अन्य वन्यप्राणी है जो किसी भी समय हमला कर सकते है इसलिए ग्रामीणजनों को समझाईश दी गई है अकेले एवं अनावश्यक रूप से जंगल की ओर न जाये। चर्चा में सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी पीएल चौधरी ने बताया कि विगत दो माह के अंतराल में हिंसक प्राणी बाघ द्वारा लगभग 4-5 लोगों को अपना शिकार बनाया जा चुका है। वही विभाग द्वारा लगाये गये कैमरों में जंगलों के विभिन्न-विभिन्न क्षेत्रों में बाघ एवं अन्य वन्यप्राणी विचारण करते पाये जा रहे है। जिससे बचाव हेतु विभाग द्वारा प्रतिदिन ग्रामीणों से जंगल ना जाने की अपील की जा रही है। बावजूद इसके कुछ ग्रामीण कैमरे की सशक्त निगरानी में आये दिन कैद होते जा रहे हैं जिन पर कार्यवाही हेतु उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया जायेगा। श्री चौधरी ने ग्रामीणों से अपील की है कि अनावश्यक रूप से जंगल में प्रवेश न करें, यदि अति आवश्यक कार्य है तो अकेले जंगल ना जाये बल्कि समूह में जाये, अगर नियमों का पालन नही करेगें तो उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वन सुरक्षा समिति अध्यक्ष इंद्रजीत उइके, संपत सिंह नेताम, सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी पूरनलाल चौधरी, वनपाल/सचिव उत्सव रहांगडाले, मौसमी गर्दे, समिति सदस्य श्रीमती श्रीमती कमला कोकाटे, शब्बो कुरैशी, प्रकाश उइके, रामप्रसाद पंद्रे, संतोषकुमार नागेश्वर, बसंतकुमार बागडे, गणपतसिंह पंद्रे, प्यारसिंह वरकडे, अशोक उइके, राजू वाडिवा, राकेश उइके एवं ग्राम रक्षक धर्मेन्द्र डोंगरे सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कालेज में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशो के परिपालन में शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में सोमवार को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के संबंध में महाविद्यालय के विद्यार्थियों, फैकल्टी सदस्यों एवं कमचारियों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. तन्मय जोशी मनो चिकित्सक, डॉ. उषा के नायर ओएसडी उच्च शिक्षा एवं डॉ. अमित कुमार सोनी सहायक प्राध्यापक मनोचिकित्सा विभाग भोपाल ने आभासी माध्यम से विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को सकारात्मक दिशा में बनाये रखने के लिए अनेक महत्वपूर्ण बिन्दुओं से अवगत करवाया। जिसमें एंग्जायटी जिसमें तनाव चिंता धीरे-धीरे बढ़ना, पैनिक अटैक, संज्ञात्मक अनुभव, कक्षा प्रबंधन, व्यक्तित्व विकार के कारणों पर प्रकाश डाला गया। वहीं आत्महत्या के विचार, नशे का अत्यधिक सेवन, गहरी निराशा, सामाजिक अलगाव और दूरी, अत्यधिक क्रोध, लापरवाही भरा व्यवहार, मूड में अचानक और तीव्र बदलाव आदि

के बारे में तथ्यपरख जानकारी प्रदान की। साथ ही विद्यार्थियों को तनाव से बचाने के विभिन्न उपाय बताये गये। सकारात्मक चिंतन, धैर्य चुनौतियों का सामना करना जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे, प्रो. सुमन बरया, डॉ. निर्मल किर्ती गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या भलावे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, डॉ. आशा कारे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐडे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खाद के दामों में वृद्धि के खिलाफ किसान गर्जना संगठन का हल्लाबोल

वारासिवनी में तहसीलदार वंदना कुसराम को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सरकार के द्वारा रासायनिक खादों के दामों में की गई अप्रत्याशित मूल्य वृद्धि के खिलाफ क्षेत्र के किसानों ने लामबंद होकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सोमवार को किसान गर्जना संगठन के बैनर तले क्षेत्र के किसानों ने विश्रामगृह से रैली निकालकर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर अनुविभागीय अधिकारी एसडीएम की अनुपस्थिति में तहसीलदार वंदना कुसराम को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही इस ज्ञापन की प्रतिलिपियां प्रधानमंत्री और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार नई दिल्ली को भी सूचनार्थ प्रेषित की गई हैं। सौंपे गए ज्ञापन में किसान संगठन ने बताया कि पहले से ही मौसम की अनिश्चितता और भारी आर्थिक संकट से जूझ रहे किसानों की कमर सरकार के इस निर्णय ने तोड़ दी है। एक तरफ सरकार के द्वारा मंचों से किसानों की आय दोगुनी करने और कृषि को लाभ का धंधा बनाने के बड़े.बड़े दावे किए जाते हैं। वहीं दूसरी ओर व्यावहारिक धरातल पर खाद, बीज, डीजल, बिजली और कृषि उपकरणों की कीमतों में लगातार हो रही बेतहाशा बढ़ोतरी ने खेती को पूरी तरह घाटे का सौदा बना दिया है। किसान नेताओं ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि आज देश और प्रदेश का आम किसान कर्ज के भारी बोझ तले दबा हुआ है। खेती की लागत लगातार आसमान छू रही है लेकिन उसके मुकाबले किसानों की उपज का उचित और लाभकारी मूल्य उन्हें नहीं मिल पा रहा है। ऐसे संवेदनशील समय में खाद के दाम बढ़ाकर सरकार ने अन्नदाता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने का न्यायविरोधी काम किया है। संगठन ने इस निर्णय को सीधे तौर पर श्किसान विरोधी और किसानों के हितों के साथ सीधा अन्याय बताया है।

यह हैं किसान गर्जना संगठन की प्रमुख मांगें

ज्ञापन में किसान गर्जना संगठन के द्वारा रासायनिक खाद के बढ़ाए गए दामों को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाने, किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद पुराने निर्धारित दामों पर ही उपलब्ध कराई जाने, बाजार में खाद की कृत्रिम कमी दिखाकर की जा रही कालाबाजारी पर तत्काल कड़ाई से रोक लगाई जाने और दोषियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्यवाही करने, लगातार बढ़ती कृषि लागत को कम करने के लिए सरकार के द्वारा किसानों के लिए विशेष आर्थिक राहत पैकेज लागू करने, भविष्य में किसानों से जुड़े किसी भी नीतिगत या मूल्य संबंधी निर्णय को लेने से पहले देश व प्रदेश के प्रमुख किसान संगठनों के साथ अनिवार्य रूप से चर्चा करने मांग कर किसान गर्जना संगठन ने शासन और प्रशासन को आगाह किया है कि यदि किसानों की इन न्यायोचित मांगों पर शीघ्र और सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन पूरे मध्य प्रदेश में चरणबद्ध एवं व्यापक जन आंदोलन शुरू करने के लिए विवश होगा। इसके तहत आगामी दिनों में सभी खाद वितरण केंद्रो, सहकारी समितियों, तहसील मुख्यालयों तथा जिला मुख्यालयों पर धरना.प्रदर्शन, घेराव और चक्काजाम जैसे लोकतांत्रिक आंदोलन किए जाएंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस अवसर पर किसान गर्जना प्रांतीय अध्यक्ष अरविन्द चौधरी ,जिलाध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ,डॉ.नारायण पटेल, अजब सिंह कृपगये ,छत्रपाल पटले ,श्याम सेन ,मुकेश हुरमाड़े ,गुड्डू दमाहे ,छबिलाल मसकरे ,राजेश चौहान सहित भारी संख्या में क्षेत्र के कृषक और संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस झूठी सरकार को हटाने के लिए किसानों ने कसी कमर-अरविंद चौधरी

प्रांतीय अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने बताया कि बालाघाट से यह कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है खाद की बढ़ती कीमतों को लेकर ज्ञापन दिया जा रहा है। वारासिवनी में विश्रामगृह से एसडीएम कार्यालय तक रैली निकाल कर ज्ञापन दिया गया है की सरकार खाद के दाम वापस ले ३१०० रूपये समर्थन मूल्य किसानों को दे। सरकार ने जो महंगाई बढ़ाई है इससे किसानो पर दोहरी मार पड़ रही है आय दुगनी हुई नहीं। किसान गर्जना लगातार इसके लिए ज्ञापन दे रहा है सरकार बड़े दाम वापस ले वरना ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए किसान गर्जना संगठन घर.घर तक जायेगा। इस झूठी सरकार को हटाने के लिए किसान काम करेगा।

सरकार किसानों को दे रही दोहरी मार-रामकुमार नगपुरे

जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने कहा कि एसडीएम का ज्ञापन तहसीलदार को दिया है किसानो को खाद नहीं मिल रही है। १३०० रूपये की खाद २४०० रूपये में किसान खरीद रहे हैं बहुत ज्यादा किसानों के साथ समस्या खड़ी हो गई है। समर्थन मूल्य भी ३१०० रुपए प्रति क्विंटल नहीं दिया जा रहा है किसान परेशान है। आज ५ एकड़ के किसान को मुश्किल से ५०००० रुपए का लाभ है किसान उल्टा कर्ज में डूब रहा है और जल्द ही आत्महत्या जैसे प्रकरण भी सामने आने लगेंगे। अभी यह टोकन वाला जो काम किया गया है वह भी बंद होना चाहिए ग्रामीण क्षेत्र में लाइट नहीं रहती है। आगामी १५तारीख को जिले की सभी सोसायटियों में किसानों के द्वारा ज्ञापन दिया जाएगा फिर भी सरकार में ही सुनती है तो आगे और बड़े कदम उठाए जाएंगे।

५ दिवसीय राज्य स्तरीय स्काउट गाइड जांच शिविर का हुआ शुभारंभ

शिविर में उतीर्ण होने वाले स्काउट गाइड राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए होंगे योग्य, कई जिलों के प्रतिभागी शामिल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के शासकीय टिहलीबाई माध्यमिक शाला परिसर स्थित स्काउट.गाइड जिला प्रशिक्षण केंद्र में ६ जुलाई से पांच दिवसीय आवासीय राज्य स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट.गाइड जांच शिविर का गरिमामय शुभारंभ हुआ। भारत स्काउट.गाइड राज्य मुख्यालय भोपाल के आदेशानुसार आयोजित इस शिविर का संचालन जिला कमिश्नर व जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री धनश्री जैन के कुशल निर्देशन में उद्घाटन सत्र भारत स्काउट.गाइड जिला संघ बालाघाट के अध्यक्ष छगन हनवत और जिला कोषाध्यक्ष भेजेंद्र चौधरी सहित कई गणमान्य नागरिक और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। इस पांच दिनों तक चलने वाले इस आवासीय शिविर के पहले दिन की शुरुआत पारंपरिक ध्वजारोहण और प्रार्थना के साथ हुई। इसके तुरंत बाद शिविर की व्यवस्थित कार्यप्रणाली के लिए प्रतिभागियों को विभिन्न टोलियों में विभाजित किया गया। टोलियों के गठन के साथ ही प्रशिक्षण और मूल्यांकन की कड़े दौर की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। वारासिवनी में इस स्तर के प्रतिष्ठित आयोजन को लेकर स्थानीय निवासियों और शिक्षा विभाग में भारी हर्ष का माहौल है। इस महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय शिविर में मध्य प्रदेश के कई प्रमुख जिलों भोपाल, विदिशा ,जबलपुर, सागर ,बालाघाट से चुनकर आए उत्कृष्ट स्काउट.गाइड सहभागिता कर रहे हैं। इस पांच दिवसीय जांच शिविर के दौरान प्रतिभागियों की योग्यता को परखने के लिए कड़े मापदंड तय किए गए हैं। स्काउट गाइड्स को प्रवेश स्तर से लेकर राज्य पुरस्कार तक के संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन स्तरीय परीक्षाओं में लिखित परीक्षा, व्यावहारिक टेस्ट, मौखिक परीक्षा का सामना करना होगा। पाठ्यक्रम के मूल्यांकन के साथ साथ इस शिविर का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को जीवन की विपरीत और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में ढालना है। उन्हें सिखाया जाएगा कि न्यूनतम संसाधनों के साथ कैसे पूरी तरह अनुशासित, आत्मनिर्भर और सुरक्षित रहा जा सकता है। इस जांच परीक्षा का महत्व इसलिए भी अत्यधिक है क्योंकि इसमें सफ्लतापूर्वक उत्तीर्ण होने वाले स्काउट.गाइड्स को देश के सर्वोच्च नागरिक युवा सम्मान राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए योग्य माना जाएगा। यहाँ सफल होने के बाद ही वे आगामी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए पात्रता हासिल कर सकेंगे। शिविर को सुचारू रूप से संपन्न कराने और निष्पक्ष मूल्यांकन के लिए राज्य भर से अनुभवी प्रशिक्षक नियुक्त किये गये हैं। इनेन्द्र डहरवाल ने बताया की यह राज्य स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया है जो पांच दिवस तक चलना है इसका समापन १० जुलाई को किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न संभाग से ८० बच्चे चयनित होकर आए हैं जिसमें बालाघाट के ५० बच्चे शामिल है। इस शिविर में होने वाले टेस्ट और परीक्षा में यदि यह सभी बच्चे सफलता प्राप्त करते हैं तो राज्यपाल और राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए यह चयनित होगी यह एक आवासीय शिविर हैं। इस अवसर पर रमेश बारिया रतलाम, आर सी सोलंकी देवास ,लखन राजपूत शाजापुर, सुश्री निर्मला बनर्जी, श्रीमती सायरा बानो, इनेंद्र डहरवाल जिला आर्गेनाइजिंग कमिश्नर सहित स्काउट.गाइड संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं वरिष्ठ प्रशिक्षक उपस्थित रहकर बच्चों का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

भगवान बिरसामुंडा की प्रतिमा का विधायक पटेल ने किया लोकापर्ण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया के ग्राम ओझाटोला में गोंडवाना सर्कल के तत्वाधान में क्रांतिकारी भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा,सामुदायिक भवन और घोघरिया घाट से एंकाटोला के मध्य पाइप पुलिया का विधायक विवेक पटेल के हस्ते लोकार्पण किया गया। जिसके पश्चात विधायक विवेक पटेल ने भगवान बिरसा मुंडा की पूजा अर्चना और प्रतिमा पर माल्यार्पण कर लोकार्पण किया। इस दौरान जनपद सदस्य जितेंद्र सिंह राजपूत, सरपंच भागचंद पटले,उपसरपंच माधुरी तोडकर,देवेंद्र सिंह मसराम,राजकुमार चौधरी, गुरुप्रसाद हरिनखेड़े,श्रवण मेश्राम, पन्नालाल पटले, सोहनलाल मर्सकोले, टीकाराम मर्सकोले, रामप्रसाद टेकाम, अनिल अमूदगरे,चंदशेखर ऐडपाचे,ईश्वरीय दामनकर, मनीष उइके,लालसिंह उइके, शिवचंद माड़वी,धर्मचंद पटले,बालाराम गजभिए, ओमप्रकाश सहारे,मनोज वाघाड़े,चिन्तूलाल मर्सकोले,हेमा उइके सहित ग्रामवासी मौजूद रहे। जनपद सदस्य जीतू राजपूत ने कहा कि पहली बार क्षेत्र ने एक अच्छे विधायक को चुना है। क्षेत्र में क्या क्या विकास करवाना है हर समय ग्रामीणों से चर्चा करते रहते है। भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी समाज और हम सबके लिए भगवान के समान है। सभी को संगठित रखने का कार्य भगवान बिसरा मुंडा ने किया। हर समय उन्होंने जल जंगल जमीन के लिए अंग्रेजो से लड़ाई लड़ी मूर्ति क्यों लगवाई जाती है अपनी आने वाली पीढ़ी को बताए। इनका इतिहास बच्चों को बताए। इस दौरान विधायक विवेक पटेल ने कहा कि जल जंगल जमीन को बचाने वाले बेजुबानों को जुबान देने वाले हम बिरसा मुंडा के लोग है बुंदेलशाह और कुंवर शाह के लोग हैं। आदिवासी हमेशा सच्चा होता हैं कभी झूठ नही बोलता जो कहता हैं वही करता हैं। मेरे विधायक बनने के बाद मुझसे जो भी काम आदिवासी समाज में मांगा हैं मैंने सब दिया मैं आप लोगो के साथ हमेशा खड़ा हुं आप लोगो को जब भी मेरी जरूरत पडे मैं हमेशा आपके साथ खड़ा हुं। भाजपा सरकार के राज में किसानों का हाल बेहाल है खेती का समय है। किसानों को खाद नहीं मिल रहा है ये सरकार सिर्फपूंजी पतियों की सरकार है। भगवान राम की बात करने वाले भाजपा के राज में राम मंदिर का चंदा चोरी हो गया। शिक्षा स्वास्थ्य में कभी मेरी जरूरत पड़े तो हमेशा आप लोगों के साथ खड़ा हुं। अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे अच्छा संस्कार दे बच्चे जो देखेंगे वही सीखेंगे। इसलिए बच्चों के सामने अच्छा अच्छा बोले अच्छा सभी से व्यवहार करें। जैसा हम करेंगे वैसे हमारे बच्चे भी करेंगे इसलिए बच्चों को अच्छा संस्कार दे।

मुरूम या आफत कोस्ते में सड़क बनी दलदल ग्रामीणों में भारी आक्रोश

थानेगांव सड़क पर फूटा जनता का गुस्सा ग्रामीणों ने सड़क पर परहा लगाकर जताया विरोध

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विकास के दावों के बीच वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कोस्ते से लापरवाही और बदहाली की एक बड़ी तस्वीर सामने आई है। ग्राम पंचायत के द्वारा बस्ती से थानेगांव मार्ग पर मिट्टी वाली मुरूम डाल दिए जाने के कारण पूरी सड़क छह इंच से लेकर एक फीट गहरे कीचड़ के दलदल में तब्दील हो गई है। हालात इस कदर बदतर हो चुके हैं कि इस मार्ग पर मोटरसाइकिल या साइकिल तो दूर लोगों का पैदल चलना भी दूभर हो गया है। पंचायत की इस कार्यवाही से आक्रोशित ग्रामीणों ने सोमवार ६ जुलाई को थानेगांव सड़क पर सांकेतिक रूप से विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क पर ही धान का परहा लगा दिया और पंचायत प्रशासन के खिलाफजमकर नारेबाजी की।

संपर्क टूटा १० से अधिक परिवार टापू में रहने को मजबूर

प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त मार्ग के चौक पर करीब १० से अधिक परिवार निवास करते हैं जो एक टोले के रूप में बसा हुआ है। इस चौक पर कोस्ते की बस्ती और सोसायटी से आने वाले दो प्रमुख रास्ते आकर मिलते हैं और यहीं से एक मुख्य मार्ग थानेगांव के लिए जाता है। ग्राम पंचायत ने कुछ समय पहले इस महत्वपूर्ण मार्ग पर मिट्टी युक्त मुरूम डलवा दी थी। पहली ही बारिश के बाद जब इस मार्ग पर ट्रैक्टर और बैलगाड़ियों का आवागमन हुआ तो मिट्टी और पानी मिलकर भयंकर दलदल में बदल गए। वर्तमान में स्थिति इतनी विकट है कि टोले पर निवासरत लोगों का संपर्क मुख्य बस्ती तहसील मुख्यालय और थानेगांव से पूरी तरह कट चुका है। सड़क के इस कदर दलदल बनने का सबसे गंभीर असर स्कूली बच्चों और मरीजों पर पड़ रहा है। कीचड़ के कारण विद्यार्थियों का स्कूल जाना पूरी तरह बंद हो गया है। वहीं यदि टोले में कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाए तो उस तक स्वास्थ्य सुविधाएं या एम्बुलेंस पहुंचना नामुमकिन है। ग्रामीण अपने खेतों तक भी नहीं जा पा रहे हैं। मजबूरी में लोग जान जोखिम में डालकर पैदल रास्ता पार कर रहे हैं जिससे आए दिन बुजुर्गों और बच्चों के फिसलकर चोटिल होने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने इस विकट समस्या से ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों और जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत कराया था। लेकिन समस्या का समाधान करने के बजाय पंचायत ने इस मामले से पूरी तरह अपने हाथ झाड़ लिए। पंचायत के इसी अड़ियल और उदासीन रवैये से नाराज होकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने अनूठे ढंग से प्रदर्शन करते हुए सड़क के कीचड़ में ही धान रोपाई कर अपना विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत पर टोले के निवासरत परिवारों को जानबूझकर परेशान करने और बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखने का सीधा आरोप लगाया है। सड़क पर प्रदर्शन के दौरान उपस्थित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने जनपद पंचायत के उच्च अधिकारियों से इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है।

पंचायत के द्वारा मिटटी डालकर ग्रामीणों को परेशान किया जा रहा है-उत्कृष चौधरी

ग्रामीण उत्कर्ष चौधरी ने बताया कि हमारे गांव में यह थानेगांव सड़क है यहां पर करीब २० परिवार टोले पर रहते हैं। इस रोड़ में पंचायत के द्वारा मिट्टी डालने से इन लोगों का थानेगांव एवं बस्ती से संपर्क कट गया है। रात में तबीयत खराब होने पर डॉक्टर नहीं आ सकता एंबुलेंस तो यहां तक आ ही नहीं पाती भले पेशेंट की जान चली जाए कोई स्थिति ही नहीं है कि वह यहां आ जावें। इसलिए हमारा सांकेतिक विरोध था आज परहा लगाकर विरोध कर रहे हैं कि पंचायत जागरूक हो इसके पहले भी पंचायत को बताया गया की रोड़ की स्थिति खराब है ,मिट्टी डालकर गलत किया गया है रोड़ बनाना था तो अच्छे से बनाते। इन्होंने रात १ बजे यहां पर मिट्टी लाकर डाली पहली बरसात में ही आना जाना दुभर हो गया है। कोई अपने काम और स्कूल नहीं जा पा रहा है शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार से लोग वंचित हो चुके हैं।

ग्रामीणों ने सड़क पर परहा लगाकर विरोध किया है-जगलाल राहगंडाले

ग्रामीण जगलाल राहगंडाले ने बताया कि कोस्ते पंचायत में यह सड़क थानेगांव जाती है और यहां हम रहते हैं जहां एक सड़क बस्ती से और एक समिति से आती है यह तीनों सड़क खराब है। पंचायत ने बस्ती और थानेगांव सड़क पर मिट्टी डाल दी है इन्हें लोगों के द्वारा कहा गया परंतु किसी ने नहीं सुना। आज हमारा संपर्क टूट गया है सड़क पर बच्चे गिर रहे हैं पैदल चलना दुभर हो गया है। सरपंच का कहना है कि रुपए नहीं है जो बनता है करो सचिव कहता है सांसद विधायक निधि लेकर आओ सभी टालमटोल कर रहे हैं। हमने कहा था कि जेसीबी से यह कीचड़ हटा दो तो कहां से लाउ पूछते हैं। किसान विद्यार्थी मजदूर सभी परेशान है यहां पर रहने वाले लोगों को पंचायत के द्वारा दंडित किया जा रहा है कि यह लोग परेशान हो। यहां पर १० मकान है और सभी अभी परेशान है हम चाहते हैं कि यह सड़क का कीचड़ हटाए और फिर इस पर बजरी डालकर आने.जाने की सुगम व्यवस्था करें।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि उक्त मार्ग की शिकायत लगी हुई थी जिसके पक्के निर्माण के लिए लगातार प्रयास किया गया। परंतु कुछ नहीं होने पर सड़क को आवागमन के लिए बनाने मुरुम का ऑडर किया था जो रात में लाकर डाली गई और सुबह बारिश आ गई। हम मुरूम को हम देख भी नहीं पाए थे जिसमें मिट्टी मिक्स होने के कारण यह स्थिति बनी है। यदि मौसम खुलता है तो जेसीबी से ऊपर का कीचड़ हटाकर व्यवस्थित मार्ग बनाने का प्रयास किया जाएगा।

योगेश टेकाम
सरपंच ग्राम पंचायत कोस्ते

वारासिवनी रेलवे स्टेशन का शुरू हुआ जीर्णोद्धार कार्य-विक्रम देशमुख

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि विगत वर्ष जुलाई २०२५ में वारासिवनी नगर स्थित रेलवे स्टेशन के बदहाल प्लेटफॉर्म की शिकायत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मंडल कार्यालय नागपुर से की थी। शिकायत में वारासिवनी रेलवे स्टेशन के टूटे.फूटे पेवर ब्लॉक, बदहाल विद्युत व्यवस्था एवं प्रसाधन गृह के संचालन संबंधी व्यवस्था में सुधार की मांग की थी। वारासिवनी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म की ऊंचाई भी ट्रेन की तीसरी सीढ़ी तक नीचे हुआ करती थी। जिसके कारण बुजुर्गों महिलाओं और बच्चों को ट्रेन से भारी सामान लेकर चढ़ने और उतरने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। विक्रम देशमुख की शिकायत के जवाब में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मंडल कार्यालय नागपुर के मंडल अभियंता ने जुलाई २०२५ में आश्वासन दिया था। कि वर्ष २०२५-२६ पीण्डब्ल्यूण्पी कार्य में वारासिवनी में रेलवे स्टेशन का जीर्णोद्धार कार्य प्रस्तावित किया जावेगा। विक्रम देशमुख की पहल पर वर्तमान में वारासिवनी रेलवे स्टेशन में जीर्णोद्धार कार्य प्रारंभ हो चुका हैं। जिसमें प्लेटफॉर्म की ऊंचाई लगभग एक फीट उठाकर आर सी सी का बेस वर्क कर प्लेटफॉर्म को समतल किया जा रहा है। प्लेटफॉर्म के जीर्णोद्धार से गोंदिया बालाघाट कटंगी की ओर जाने वाले रेलवे यात्रियों की यात्रा सुविधाजनक होने पर नागरिकों ने राहत की सांस ली है।

विश्व क्षमा दिवस आत्मशुद्धि और मानवता का अमृत पर्व

हर वर्ष 7 जुलाई को विश्व क्षमा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को पुराने मतभेदों, कटु स्मृतियों और वैरभाव को भुलाकर स्वयं तथा दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रेरित करना है। वर्ष 1994 में कनाडा में क्राइस्ट्स एंबेसडर्स क्रिश्चियन एंबेसी द्वारा इस दिवस की शुरुआत की गई थी। आज यह दिन केवल किसी एक देश या समुदाय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया में शांति, प्रेम, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों का संदेश देने वाला अवसर बन चुका है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, तनाव, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के बीच क्षमा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। यह केवल एक शब्द नहीं बल्कि जीवन को प्रकाशमान करने वाली ऐसी साधना है, जो व्यक्ति के भीतर के अंधकार को समाप्त कर देती है। क्षमा का अर्थ केवल किसी से औपचारिक रूप से यह कह देना नहीं कि मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ। वास्तविक क्षमा हृदय की अनुभूति है। जब मन से क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और प्रतिशोध का भाव समाप्त हो जाता है, तभी सच्ची क्षमा जन्म लेती है। क्षमा अंतरात्मा का वह प्रकाश है जो मनुष्य को भीतर से निर्मल और शांत बनाता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में क्षमा को धर्म, तप और महानता का प्रतीक माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरस्य भूषणम्, अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तव में दूसरों को क्षमा करने की क्षमता रखता है। विश्व क्षमा दिवस का महत्व केवल आध्यात्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनेक स्वास्थ्य अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि क्षमा करने वाला व्यक्ति तनाव, चिंता और अवसाद से अपेक्षाकृत जल्दी मुक्त हो जाता है। जब मन में कटुता रहती है तो उसका प्रभाव शरीर पर भी पड़ता है। रक्तचाप बढ़ता है, नींद प्रभावित होती है और मन अशांत बना रहता है। इसके विपरीत क्षमा का भाव मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और भावनात्मक संतुलन प्रदान करता है। इसलिए क्षमा केवल दूसरों के लिए नहीं बल्कि स्वयं के लिए भी सबसे बड़ा उपहार है।

भारतीय संस्कृति में क्षमा की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध रही है। विशेष रूप से जैन धर्म में क्षमा को आत्मशुद्धि का सर्वोच्च साधन माना गया है। चातुर्मास के दौरान आने वाले पर्यूषण पर्व के समापन पर संवत्सरी महापर्व मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक जैन श्रद्धालु अपने द्वारा जाने-अनजाने में हुई सभी भूलों के लिए सभी प्राणियों से क्षमा याचना करता है। वह विनम्र भाव से कहता है— मिच्छामि दुक्कडम्, अर्थात यदि मुझसे मन, वचन या कर्म से कोई भूल हुई हो तो मुझे क्षमा करें। इसी भावना को प्राकृत गाथा में व्यक्त किया गया है—

खामेमि सव्वे जीवा, सव्वे जीवा वि खमंतु में। मित्ति में सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ॥

इसका भावार्थ है कि मैं सभी जीवों से क्षमा मांगता हूँ, सभी जीव मुझे क्षमा करें। मेरा सभी प्राणियों के साथ मैत्रीभाव है और किसी के प्रति कोई वैर नहीं है। यह संदेश केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए शाँति का सूत्र है। क्षमा का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है जब हम केवल अपने प्रियजनों से ही नहीं बल्कि उन लोगों से भी क्षमा मांगें या उन्हें क्षमा करें जिनसे हमारे संबंधों में कटुता आ गई हो। अक्सर देखा जाता है कि लोग औपचारिक रूप से क्षमायाचना का संदेश भेज देते हैं, लेकिन मन में द्वेष बनाए रखते हैं। ऐसी क्षमा केवल शब्दों तक सीमित रहती है।

संगठित अपराध सिंडिकेट का समूल विनाश

जमानत नहीं जन सुरक्षा सर्वोपरि -आदतन अपराधियों पर कठोर कानूनी प्रहार ही सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा और रामराज्य की आधारशिला -समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर भारत आज विश्व की सबसे तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।डिजिटल क्रांति, वैश्विक निवेश,आधुनिक अवसंरचना और सामाजिक परिवर्तन के इस दौर में यदि कोई सबसे बड़ी चुनौती विकास की गति को बाधित करती है,तो वह है संगठित अपराध (आर्गेनाइजेड क्राइम), आपराधिक सिंडिकेट,मादक पदार्थों की तस्करी,अवैध खनन,हवाला साइबर अपराध, रंगदारी,भूमि माफिया,मानव तस्करी तथा ऐसे आदतन अपराधी जो बार-बार जमानत पर छूटकर फिर अपराध करते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि ऐसे अपराध केवल कानून- व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि वे राष्ट्र की अर्थव्यवस्था,लोकतंत्र निवेश,सामाजिक विश्वास और नागरिक सुरक्षा पर सीधा हमला हैं।आज 30 जून 2026 को महाराष्ट्र विधानसभा में चल रहे मानसून सत्र में माननीय मुख्यमंत्री ने भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार संगठित अपराध और नशा तस्करी के विरुद्ध अपनी कार्रवाई को और अधिक कठोर बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे आदतन (रिपीट) अपराधी, विशेषकर ड्रग तस्करी और संगठित आपराधिक सिंडिकेट से जुड़े लोग,जो बार-बार जमानत पर छूटकर फिर से अपराध करते हैं, उन्हें महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनिज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) के दायरे में लाने के लिए सरकार आवश्यक कानूनी प्रावधानों पर विचार कर रही है।उनके अनुसार केवल सामान्य आपराधिक धाराओं या नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेन्सेस एक्ट,1985 (एनडीपीएस अधिनियम) के तहत कार्रवाई पर्याप्त नहीं है,क्योंकि कई मामलों में आरोपी जमानत मिलने के बाद पुन:उसी अवैध गतिविधि में शामिल हो जाते हैं। इसलिए संगठित ड्रग नेटवर्क, उनके वित्तीय तंत्र और बार-बार अपराध करने वाले गिरोहों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मकोका जैसे सख्त कानून का उपयोग आवश्यक माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में गृह विभाग आवश्यक प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है, ताकि संगठित अपराध पर निर्णायक प्रहार करते हुए समाज में कानून का प्रभावी भय स्थापित किया जा सके। इसी को आधार बनाते हुए इस आर्टिकल के माध्यम से मैं पूरे भारत के राज्यों से अपील करना चाहूंगा कि वह भी इस मॉडल को अपनाएं।

साथियों, यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनना है और समाज में भयमुक्त वातावरणद्द स्थापित करना है,तो केवल अपराधियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं होगी।आवश्यकता इस बात की है कि अपराध के पूरे नेटवर्क,उसकी वित्तीय संरचना,उसके राजनीतिक- सामाजिक संरक्षण तथा पुनरावृत्ति करने वालेद्द अपराधियों पर कठोर और प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यही वास्तविक अर्थों में कानून का शासन (रूल ऑ ? ला) होगा।भारत के विभिन्न राज्यों ने संगठित अपराध के विरुद्ध विशेष कानून बनाए हैं। सबसे चर्चित उदाहरण महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) है,जिसे सामान्यत: मकोका कहा जाता है। इस कानून का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि उसके पूरे आपराधिक संगठन,वित्तीय स्रोत और नेटवर्क को समाप्त करना है। समय के साथ कई अन्य राज्यों ने भी समान सटीक कानून बनाए हैं।

साथियों, इसी प्रकार कर्नाटक कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (ककोका), गुजरात कंट्रोल ऑफ टेररिज्म एंड ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (गकटोक), तथा उत्तर प्रदेश कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (यूपीकोका) जैसे प्रयास यह दर्शाते हैं कि राज्यों ने संगठित अपराध की गंभीरता को समझा है। साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023,भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023, गैरकानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम (यूएपीए),धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए), एनडीपीएस अधिनियम, तथा गैंगस्टर्स एवं समाज विरोधी गतिविधियाँ (निवारण) अधिनियम जैसे अनेक कानून उपलब्ध हैं। चुनौती कानूनों की कमी नहीं,बल्कि उनके प्रभावी, समयबद्ध और निर्भीक क्रियान्वयन की है।

साथियों, एक अधिवक्ता होने के नाते मैं देखता हूं कि विशेष चिंता उन अपराधियों की है जो गंभीर अपराधों में गिरफ्तार होने के बाद जमानत पर बाहर आते हैं और पुन:उसी अपराध में संलिप्त हो जाते हैं। ऐसे रीपीट ऑफेंडर्स कानून के प्रति भय समाप्त कर देते हैं। इसलिए आवश्यक है कि जिन व्यक्तियों का संगठित अपराध, गैंग संचालन,मादक पदार्थों की तस्करी,मानव तस्करीसाइबर धोखाधड़ी या हिंसक अपराधों का लंबा इतिहास हो, उनके मामलों में जमानत देते समय न्यायालयों के समक्ष अपराध की2 पुनरावृत्ति, पीड़ितों की सुरक्षा और समाज पर संभावित प्रभाव जैसे पहलुओं का गंभीर मूल्यांकन हो तथा कानून के अनुरूप कठोर शर्तें लागू की जाएँ।आधुनिक संगठित अपराध अब केवल स्थानीय नहीं रहा। यह डिजिटल बैंकिंग,क्रिप्टोकरेंसी,डार्क वेब,फर्जी कंपनियों शेल अकाउंट,अंतरराष्ट्रीय हवाला नेटवर्क और साइबर प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित होता है। इसलिए केवल स्थानीय पुलिस नहीं, बल्कि राज्यों, केंद्रीय एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बीच प्रभावी समन्वय आवश्यक है। अपराधी नेटवर्क सीमाओं का सम्मान नहीं करते; इसलिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भी तकनीक और सूचना साझाकरण के माध्यम से उतना ही सशक्त होना होगा।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी यही बताते हैं। इटली ने माफिया के विरुद्ध,अमेरिका ने संगठित अपराध के विरुद्ध तथा अनेक यूरोपीय देशों ने वित्तीय अपराधों के विरुद्ध कठोर कानूनी ढाँचे विकसित किए। इन मॉडलों का मूल सिद्धांत था केवल अपराधी को जेल भेजना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके धन,संपत्ति,नेटवर्क, सहयोगियों और आर्थिक शक्ति को समाप्त करना आवश्यक है। यही रणनीति भारत में भी अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकती है।अपराध के विरुद्ध सबसे बड़ा हथियार केवल दंड नहीं बल्कि दंड का निश्चित और शीघ्र होना है।यदि जांच वैज्ञानिक हो, डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित हों, अभियोजन सक्षम हो और मुकदमे समयबद्ध हों, तो अपराधी के मन में कानून का वास्तविक भय उत्पन्न होता है। दूसरी ओर वर्षों तक लंबित मुकदमे, कमजोर जांच और गवाहों पर दबाव न्याय व्यवस्था की प्रभावशीलता को कम करते हैं। इसलिए पुलिस सुधार, फॉरेंसिक क्षमता, डिजिटल जांच, गवाह संरक्षण और अभियोजन प्रणाली को समानद्द महत्व देना होगा।साथ ही यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि कठोर कानूनों का प्रयोग केवल संगठित और गंभीर अपराधों के विरुद्ध हो तथा प्रत्येक आरोपी को संविधान प्रदत्त निष्पक्ष सुनवाई, न्यायिक समीक्षा और विधिक अधिकार प्राप्त रहें। कानून का उद्देश्य भय पैदा करना नहीं, बल्कि न्याय और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है। लोकतंत्र में कठोरता और संवैधानिक संतुलन दोनों साथ-साथ चलते हैं।

साथियों, यदि भारत कोद्द भ्रष्टाचार माफिया,नशा तस्करी, साइबर अपराध,अवैध खनन,भूमि कब्जा और संगठित अपराध से मुक्त बनाना है, तो राज्यों और केंद्र के बीच एक समन्वित राष्ट्रीय रणनीति विकसित करनी होगी। इसमें अपराधियों की संपत्ति जब्ती, अवैध आय की पहचान, तकनीकी निगरानी, अंतरराज्यीय डाटाबेस, वित्तीय खुफिया तंत्र और त्वरित न्याय प्रणाली प्रमुख आधार बन सकते हैं।

साथियों, भारतीय संस्कृति में सतयुग और त्रेतायुग न्याय, सत्य, धर्म और लोककल्याण के प्रतीक माने जाते हैं। आधुनिक लोकतांत्रिक भारत में इन आदर्शों का अर्थ किसी धार्मिक व्यवस्था की पुनर्स्थापना नहीं, बल्कि ऐसा शासन है जहाँ कानून सर्वोपरि हो, अपराधी कानून से भयभीत हों, निर्दोष नागरिक सुरक्षित हों, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को निर्भय वातावरण मिले तथा न्याय सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध हो। यही संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप सुशासन की वास्तविक परिकल्पना है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे ि? यह कहा जा सकता है कि संगठित अपराध के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष केवल पुलिस का दायित्व नहीं,बल्कि सरकार, न्यायपालिका,जांच एजेंसियों, अभियोजन, नागरिक समाज और जागरूक नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। जब कानून निष्पक्ष,त्वरित और प्रभावी ढंग से लागू होगा, जब अपराध सिंडिकेट का आर्थिक और संगठनात्मक ढाँचा ध्वस्त होगा,जब आदतन अपराधियों के विरुद्ध कानून की कठोरता और न्यायिक प्रक्रिया की गति दोनों सुनिश्चित होंगी,तब भारत अधिक सुरक्षित, निवेश- अनुकूल,न्यायपूर्ण और विश्वासपूर्ण राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ सकेगा। यही विकसित भारत, सुशासन और संविधान आधारित न्याय व्यवस्था की सबसे मजबूत आधारशिला होगी।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

बालोतरा की पचपदरा रिफाइनरी से आत्मनिर्भर भारत को नई ऊर्जा मिली

राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा में देश की सबसे आधुनिक रिफाइनरी का उद्घाटन केवल एक औद्योगिक परियोजना का लोकार्पण नहीं है, बल्कि यह भारत के ऊर्जा क्षेत्र, औद्योगिक विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर जिस दूरदर्शिता, आत्मविश्वास और विकास के संकल्प का परिचय दिया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि नया भारत केवल योजनाओं की घोषणा नहीं करता, बल्कि उन्हें समय पर पूरा करके राष्ट्र को नई शक्ति प्रदान करता है। पचपदरा रिफाइनरी का उद्घाटन राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि पश्चिमी एशिया में युद्ध के कारण विश्व के सामने 21वीं सदी का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट खड़ा हो गया था। ऐसी परिस्थितियों में अनेक देशों में ईंधन और गैस की कीमतें आसमान छूने लगीं। उन्होंने बताया कि यदि भारत ने समय रहते सही रणनीति नहीं अपनाई होती तो घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत दो हजार रुपये तक पहुंच सकती थी। लेकिन उनकी सरकार की दूरदर्शी नीति, प्रभावी कूटनीति और बेहतर प्रबंधन के कारण देशवासियों को इस संकट से राहत मिली। भारत ने ऊर्जा आयात के स्रोतों का विस्तार किया और पहले जहां लगभग 25 देशों से ईंधन खरीदा जाता था, वहीं अब 40 देशों से आयात कर ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है। दुनिया के अनेक देशों के साथ मजबूत संबंध स्थापित कर भारत ने कठिन परिस्थितियों में भी अपने नागरिकों के हितों की रक्षा की। ऊर्जा संकट के समय भारत की विदेश नीति और कूटनीतिक क्षमता का प्रभाव पूरी दुनिया ने देखा। यही कारण है कि भारत न केवल संकट से सुरक्षित निकला बल्कि विकास की गति भी बनाए रखने में सफल रहा। पचपदरा रिफाइनरी राजस्थान के औद्योगिक इतिहास का नया अध्याय है। यह देश की अत्याधुनिक रिफाइनरियों में शामिल है, जहां आधुनिक तकनीक के माध्यम से पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, एविएशन फ्यूल तथा पेट्रोकेमिकल उत्पादों का निर्माण होगा। इससे भारत की आयात पर निर्भरता कम होगी और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति

अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगी। यह परियोजना आत्मनिर्भर भारत अभियान को नई मजबूती प्रदान करेगी और भारत को ऊर्जा क्षेत्र में अधिक सक्षम बनाएगी।

इस रिफाइनरी का सबसे बड़ा लाभ राजस्थान के लोगों को मिलने वाला है। पश्चिमी राजस्थान लंबे समय तक औद्योगिक विकास से अपेक्षाकृत वंचित रहा, लेकिन अब यह क्षेत्र देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित होगा। उद्योगों के आने से सड़क, रेल, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आधारभूत सुविधाओं का भी तेजी से विस्तार होगा। इससे पूरे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और स्थानीय व्यापार को नई गति मिलेगी। रोजगार की दृष्टि से भी यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। रिफाइनरी के निर्माण के दौरान हजारों इंजीनियरों, तकनीशियनों, श्रमिकों और स्थानीय लोगों को काम मिला। अब इसके संचालन के दौरान भी बड़ी संख्या में स्थायी और अस्थायी रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। प्रत्यक्ष रूप से हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा, जबकि परिवहन, होटल, खानपान, सुरक्षा, रखरखाव, निर्माण, गोदाम, पैकेजिंग और अन्य सहायक उद्योगों के माध्यम से लाखों लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त होगा। स्थानीय युवाओं के लिए कौशल विकास और तकनीकी प्रशिक्षण के नए अवसर भी खुलेंगे, जिससे वे आधुनिक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकेंगे। रिफाइनरी के आसपास पेट्रोकेमिकल उद्योगों का बड़ा नेटवर्क विकसित होने की संभावना है। प्लास्टिक, रसायन, सिंथेटिक फाइबर, पैकेजिंग सामग्री, उर्वरक और अनेक अन्य उद्योग यहां स्थापित होंगे। इससे निवेश बढ़ेगा, नए उद्योग लगेंगे और राजस्थान देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों की श्रेणी में और अधिक मजबूत स्थान प्राप्त करेगा। छोटे और मध्यम उद्योगों को भी नए बाजार मिलेंगे, जिससे स्थानीय उद्यमियों को व्यापक लाभ होगा। राजस्व के क्षेत्र में भी यह परियोजना अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगी। शुरुआती चरण में राजस्थान को हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होने की संभावना है, जबकि केंद्र सरकार को भी बड़ी आय होगी। यह धन सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और अन्य विकास योजनाओं में निवेश किया जा सकेगा। इस प्रकार रिफाइनरी केवल ईंधन उत्पादन का केंद्र नहीं बल्कि आर्थिक समृद्धि का आधार बनेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि भाजपा सरकार केवल शिलान्यास करके परियोजनाओं को अधूरा नहीं छोड़ती बल्कि उन्हें पूरा करके जनता को समर्पित करती है। पचपदरा रिफाइनरी इसका सशक्त उदाहरण है। निर्माण के दौरान अनेक चुनौतियां आईं। कुछ समय पहले लगी आग के कारण उद्घाटन कार्यक्रम भी स्थगित करना पड़ा था, लेकिन इंजीनियरों, कर्मचारियों और विशेषज्ञों ने अथक परिश्रम कर बहुत कम समय में सभी कार्य पूरे किए। प्रधानमंत्री ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि नया भारत किसी भी चुनौती के सामने झुकता नहीं है और अपने संकल्पों को पूरा करके ही दम लेता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के जल विकास का भी उल्लेख किया और बताया कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने तत्कालीन राजस्थान सरकार के साथ मिलकर बिना किसी विवाद के नर्मदा का पानी राजस्थान तक पहुंचाने का कार्य किया। यह उनकी सहयोग की भावना, विकास की राजनीति और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की सोच का उदाहरण है। आज राजस्थान के अनेक गांवों तक नर्मदा का पानी पहुंच रहा है और लाखों लोगों का जीवन बदल रहा है। जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन और जयपुर मेट्रो फेज दो की आधारशिला भी इस बात का प्रमाण है कि केंद्र सरकार राजस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सड़क, रेल, हवाई संपर्क, ऊर्जा, उद्योग और शहरी विकास जैसे सभी क्षेत्रों में बड़े निवेश किए जा रहे हैं। इससे पर्यटन, व्यापार और निवेश को नई गति मिलेगी तथा प्रदेश की अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिफाइनरी परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। आधुनिक तकनीक और पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप विकसित यह परियोजना औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के संतुलन का भी उदाहरण बनेगी। इससे स्वच्छ ऊर्जा प्रबंधन और संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

आज भारत जिस गति से विकास की ओर बढ़ रहा है, उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व निर्णायक भूमिका निभा रहा है। उनके नेतृत्व में देश ने ऊर्जा सुरक्षा, आधारभूत ढांचे, वैश्विक प्रतिष्ठा, औद्योगिक विकास और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं। पचपदरा रिफाइनरी इस परिवर्तनकारी सोच का सशक्त प्रतीक है। यह परियोजना आने वाले दशकों तक राजस्थान और भारत की आर्थिक प्रगति की आधारशिला बनेगी। इससे लाखों लोगों का जीवन बेहतर होगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, उद्योगों को नई दिशा मिलेगी और भारत ऊर्जा के क्षेत्र में और अधिक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा।

-कांतिलाल मांडोत

भारत माता के लिए जीना और उसके लिए मरना हर भारतीय का दायित्व है

-संजय गोस्वामी

किसी भी सभ्यता का अर्थ है एक विचारशील, विकासशील, उदार और सदाशयी मानव समुदाय। इसलिए सभ्यताएं संघर्ष नहीं, बल्कि अपने देश के प्रति वफादार बनाती हैं। जो संघर्ष करते हैं, वे सभ्य नहीं, असभ्य कहलाते हैं। इस सामान्य परिभाषा को भारत का अनपढ़ और ग्रामीण समाज भी जानता, समझता है। इसलिए वहाँ यदि कोई झगड़ा करे तो उसे जाहिल यानी असभ्य की संज्ञा दे दी जाती है। सभ्यता की इस भारतीय दृष्टि को सामने रख कर ही इस सभ्यता अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई है। विश्व के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले सभी मानव समुदायों में संवाद के सूत्रों को तलाशना और उन्हें फिर से स्थापित करना ही हमारा उद्देश्य है। हमारा यह स्पष्ट मानना है कि अत्यंत प्राचीन काल से ही विश्व में एक वैश्विक व्यवस्था विद्यमान थी जो परस्पर संवाद, सहअस्तित्व और सहयोग पर आधारित थी। इस वैश्विक व्यवस्था का केंद्रबिन्दु भारत था, यह भी इतिहास से साबित होता है। पिछले कुछ सौ वर्षों से वैश्विक व्यवस्था का केंद्रबिंदु भारत से खिसक कर यूरोप की ओर चला गया, और मात्र इन कुछ सौ वर्षों में ही विश्व ने न केवल दो महायुद्ध, और 25-30 करोड़ लोगों का नरसंहार देख लिया, बल्कि प्रकृति तथा पर्यावरण का सत्यानाश हो गया और विश्व विनाश की कगार पर पहुँच गया। स्पष्ट है कि सभ्य और सभ्यता की परिभाषा और स्थापना में गड़बड़ी से ही यह सब विनाश हुआ और हो रहा है। इसलिए आज भी सभ्यताओं के संघर्ष के सिद्धांत गढ़े जा रहे हैं, अनिवार्य संघर्ष की स्थापनाएं दी जा रही हैं। इस विषम परिस्थिति में हर भारतीय का प्रयास होना चाहिए कि अपनी संस्कृति को भगवान राम की राह को तलाशने का। दुनिया की राजनीति, इतिहास और दर्शन को मौलिक संदर्भों और स्रोतों में भगवान राम के आदर्शों की पूर्ण रूप से प्रकाशित की है जरुरत है उसे समझने का। वर्तमान समस्याओं को उनके सही परिप्रेक्ष्य में समझने और उनका समाधान तलाशने व भारत माता के प्रति निस्वार्थ भाव से एक धरतीपुत्र का जिम्मेदारी को निभाने का आदर्श होना चाहिए जो सदियों से चलता आ रहा है जिसने मुगलों को टक्कर दि अंग्रेजो से भारत को आजाद कराया। पिछले कई सौ वर्षों में विश्व परिदृश्य में यूरोपीय देशों और उनकी औपनिवेशिक मानसिकता के उभार ने पूरे विश्व के इतिहास और दर्शन को प्रभावित किया है। यह जानना महत्वपूर्ण है कि यूरोप के लोग केवल कुछ सौ वर्ष पहले तक शेष दुनिया से लगभग अनभिज्ञ थे। उनकी दुनिया भूमध्यसागर के इर्द-गिर्द ही घूमती थी। इसके परे का पूरा संसार उनके लिए केवल इंडिया ही था। कोलम्बस और वास्को डि गामा के अभियानों के बाद जब उन्हें दुनिया के अन्य देशों का पता चला तो भूख और अभाव के मारे यूरोपीयों ने पहले तो उन सभी देशों को लूटने और वहाँ के सभ्य समुदायों तथा उनकी संस्कृतियों को नष्ट करने का अभियान चलाया। अपनी क्रूरता, बर्बरता तथा धोखाधड़ी से जब उन इलाकों में वे प्रभावी भूमिका में आए तो वहाँ के इतिहास, दर्शन आदि को समझने की कोशिश प्रारंभ की। भौगोलिक दूरी के साथ-साथ सांस्कृतिक तथा सभ्यतागत दूरी के कारण भाषा और परंपरा की समझ के अभाव में वे जितना समझ पाए, उसे ही संपूर्ण बता कर उन्होंने अपने अधूरे ज्ञान को पूरी दुनिया पर थोपने का प्रयास किया। इस क्रम में उन्होंने मौलिक स्रोतों की भरपूर उपेक्षा की, स्थानीय साहित्य के साथ खिलवाड़ किया, नया कुछ गढ़ने की उत्सुकता में पर्याप्त अटकलें लगाईं और अटकलों को प्रमाणित करने के लिए स्वयं द्वारा विकसित आधुनिक विज्ञान का सहारा लिया। इसका सबसे बड़ा शिकार भारत हुआ, क्योंकि पिछले तीन हजार वर्षों से यूरोप के सपनों में भारत ही दिखता था। भारत की समृद्धि और वैभव के किस्से यूरोप में लोककथाओं की तरह प्रचलित थे। इसलिए भारत के बारे अधिकाधिक जानने की पूरे यूरोप में एक ललक विद्यमान थी। भारत आने वाले प्रारंभिक यूरोपीय यात्रियों में भारत को जानने से अधिक उसके बारे में बताने की अधीरता थी। इसलिए सच-झूठ और मनगढ़ंत किस्सों की यूरोप में बाढ़ आ गई। दुर्भाग्यवश उनके उन्हीं किस्सों को सच मान कर उससे बनी धारणाओं के आधार पर भारत को जानने की कोशिशें की जाने लगीं। यूरोपीयों की अभिजात्य मानसिकता भी उन्हें भारत को हीन साबित करने के लिए प्रेरित कर रही थी। अपनी अभिजात्यता के घमंड में उन्होंने जो कुछ पिछले दो सौ वर्षों में लिखा-पढ़ा, वह चाहे मैकाले जैसे साम्राज्यवादियों का हो या फिर विलियम जोन्स जैसे प्राच्यवादियों का, दोनों ही न तो भारत के समाज तथा सामाजिक व्यवस्थाओं को ठीक से समझ पाते थे और न ही उसे ठीक से प्रकट करते थे। दुर्भाग्यवश उनके लिखे को ही प्रमाण मान कर आज भारत के इतिहास, सामाजिक व्यवस्थाएं, राजनीति आदि पर चिंतन किया जाता है। स्वाभाविक ही है कि इस पद्धति में शिक्षित-दीक्षित लोग यूरोपीय और अमेरिका सरीखे नवयूरोपीय देशों को ही अपना आदर्श मानें। इन्हीं कारणों से आज यह स्थिति आ गई है कि दुनिया की प्राचीनतम सभ्यता माना जाने वाले अपने देश में किसी भी नीतिनिर्माण के लिए यूरोप और अमेरिका को ही आदर्श माना जाता है। यह मानना आज विकसित मानसिकता का लक्षण माना जाता है कि अपना देश समाज जीवन के सभी आयामों में अत्यंत ही पिछड़ा रहा है और इसलिए यदि हमें आगे बढ़ना है तो पश्चिमी (यूरोपीय और अमेरिकी) मानकों को ही अपनाना होगा। सवाल है कि क्या वास्तव में ऐसा ही है? क्या भारतीय चिंतन और परंपराएं वाकई कालबाह्य और विकासविरोधी हैं? क्या यूरोपीय और अमेरिकी चिंतन वास्तव में मानवहितकारी हैं? इसलिए इस पर दृष्टि डालने से स्थिति इससे एकदम उलटी नजर आती है।आज भारत की ताकत को उसके इतिहास के झरोखे से समझें और समय आ गया है भारत को पुन: एक बार फिर उसे विश्व पटल पर एक सम्मान और अपनी सम्प्रभुता को बचाने का जो अभी स्पष्ट रूप से दिखाई तो नहीं दे रहा है लेकिन यह भारत को पुन: गुलामी की साजिश रच रहा है उसे पहचान कर बदलने की कोशिश करें अन्यथा भविष्य में जब भारत गुलामी की कगार पर खड़ा होगा तो उस समय बहुत देर हो चुकी होगी और इसका खामियाजा आपके ही बच्चे को बाद में भुगतना होगा, अत: खुद को बदले और भारत माता के प्रति अपनी श्रद्धा रखें और भारत के लिए जिए और भारत के लिए ही उसकी मिट्टी में मिले यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली अटकने से सोमवार को अनाज मंडी में चना घटाकर बोला गया। तुअर, उड़द में मजबूती बनी। खाद्य तेलों में बाजार सुर्ख रहे। तिलहनों में सोयाबीन में टिकाव रहा। किराना जिंसों में अचार मसाला जिंसों में माँग रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में ऊपरी स्तरों से लेवाली कमजोर रहने से बाजार 25-50 रू. प्रति क्विंटल से लटक गये। तुअर व उड़द में मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। किन्तु बाजार सुर्खी पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूत नजर आये। उधर, किराना जिंसों में अचार मसाला जिंसों में पूछपरख रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शकर 4240-4340, खोपरा गोला 380-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बादान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2000-2050, (160) 2350-2400, (200) 2500-2550, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1560-1580, मुम्बई 1580, राजकोट तेलिया 2480-2490, सोया साल्वेंट 1365-1375, सोया रिफाइंड 1435-1440, कपास्या 1475, धूलिया 1480, कड़ी 1485,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1560-1570, मुम्बई पाम 1455, मुम्बई सोया 1480,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7600-7800, रायडा 6800, सोयाबीन 6800, टोली (महुआ बीज) 5000-5100, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5900-6000, विशाल 5900, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5750-5800, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7700, मीडियम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9000-9100, एवरेज 8800-8900, उड़द गर्मी 8000-8400, हल्की 8500-8600,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 234000, चाँदी (99) 233900, टंच 233500, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 143000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 24 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.42 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 10 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर आ गया। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से रुपये पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी निवेश आने पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रुपये को बहुत अधिक मजबूत होने देने के बजाय अपने विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने का प्रयास करता है। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.25 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 95.28 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दिखाता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 521, निफ्टी 159 अंक उछला

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। । आज ऑटो, रियल्टी और तेल एवं गैस शेयरों में विशेष रुप से अच्छी खरीदारी हुई। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 521.16 अंक ऊपर आकर 78,285.07 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159.50 अंक उछलकर 24,430.35 पर बंद हुआ। निफ्टी में सबसे ज्यादा बढ़त हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, बजाज ऑटो और एमएंडएम के शेयरों में आई। वहीं टीसीएस मैक्स हेल्थकेयर और बजाज फिनसर्व के शेयर गिरे। सेक्टर के हिसाब से आज रियल्टी के क्षेत्र में सबसे अधिक तेजी रही। इसके बाद कंज्यूमर

ड्यूरेबल्स , ऑटो और ऑयल एंड गैस के शेयर उछले। मेटल इंडेक्स में भी बढ़त रही। दूसरी ओर, मीडिया सेक्टर में गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा पीएयू बैंक और आईटी शेयर भी गिरे। दूसरी ओर निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी रही।

आज कारोबार के दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 480.24 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 482.33 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे एक ही सत्र में निवेशकों को करीब 2 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। पश्चिमी एशिया में शांति की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव नहीं होने से भी बाजार को बल मिला। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। आज सुबह निफ्टी 80.25 अंकों की बढ़त के साथ 24,351.10 के स्तर पर जबकि सेंसेक्स भी 315 अंक चढ़कर 78,078.76 के स्तर पर खुला।

अमेरिकी न्याय विभाग का अदाणी मामले पर यू-टर्न- केस शुरू ही नहीं होना चाहिए था

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने अदाणी ग्रुप के खिलाफ अपने ही एक हाई-प्रोफाइल मामले पर चौंकाने वाला यू-टर्न लेते हुए कहा है कि यह केस कभी शुरू नहीं किया जाना चाहिए था। लगभग दो साल की कड़ी अंतरराष्ट्रीय जांच के बाद आई यह टिप्पणी एक अभूतपूर्व कानूनी बदलाव है, जिसने अदाणी ग्रुप के निवेशकों की धारणा पर गहरा असर डाला था और बाजार में अरबों की वैल्यू खत्म की थी। डीओजे ने अपनी 4 जुलाई की कोर्ट फाइलिंग में मामले के कानूनी और अधिकार-क्षेत्र से जुड़े आधारों पर सवाल उठाए हैं। विभाग ने आरोपों को नाम खराब करने की एक ऐसी कोशिश बताया जो मुकदमा चलने की किसी भी वास्तविक संभावना के बिना की गई थी। डीओजे का स्पष्टीकरण है कि सिक्योरिटीज से जुड़े आरोप कभी नहीं लगाए जाने चाहिए थे और केस समाप्त करने का फैसला कई कानूनी, सबूतों व नीतिगत कारणों से सही था। विभाग के दोबारा मूल्यांकन का मुख्य आधार यह निष्कर्ष है कि कथित गड़बड़ी मुख्य रूप से भारत में हुई थी, जहां भारतीय अधिकारियों ने पहले ही इन आरोपों की जांच की थी और कोई कार्रवाई योग्य गड़बड़ी नहीं पाई थी। डीओजे के अनुसार जिन सिक्योरिटीज का मामला है, उनमें एक पैसा भी नहीं डूबा है। विभाग ने प्रॉसिक्यूशन की कई बड़ी खामियां भी स्वीकार कीं। हालांकि अदालत ने अभी केस खारिज करने पर कोई फैसला नहीं सुनाया है, डीओजे का यह स्पष्ट और कड़ा मूल्यांकन मामले की समझ को गहराई से प्रभावित करेगा।

मॉनसून ने पकड़ी रफ्तार, वर्षा की कमी घटी; खरीफ की बुआई को मिली संजीवनी

नई दिल्ली। एजेंसी। पहले 40 प्रतिशत रही बारिश की कमी अब घटकर 24 प्रतिशत पर आ गई है। इससे खरीफ फसलों की बुआई, जो जून अंत तक पिछले साल की तुलना में 22 प्रतिशत कम थी, को अब नई जान मिली है। पश्चिम और मध्य भारत में सुस्त मॉनसून के कारण बुआई ठहर गई थी। खरीफ की अच्छी फसल महंगाई, खासकर दलहन और तिलहन की कीमतों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि बंगाल की खाड़ी में अनुकूल मौसम पैटर्न के कारण मॉनसून का यह सक्रिय

चरण जुलाई के मध्य तक जारी रहेगा। स्काइमेट वेदर सर्विसेज के महेश पालवात के अनुसार, इससे मौसमी बारिश की कमी का बड़ा हिस्सा दूर हो जाएगा और जुलाई में सामान्य बारिश होगी। मॉनसून का प्रदर्शन जुलाई में जून से बेहतर रहने की उम्मीद है। पालवात ने बताया कि मौजूदा सक्रिय चरण 7-8 जुलाई तक चलेगा, जिसके बाद एक छोटा ठहराव आएगा और फिर लगभग 15-16 जुलाई को एक और सक्रिय चरण शुरू होगा। मॉनसून अब महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश से उत्तर भारत की ओर बढ़ेगा, जिससे इन क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश की संभावना है। इस बीच, मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बने एक नए दबाव के क्षेत्र की जानकारी दी है। इसके प्रभाव से आज और कल छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, कोंकण, गोवा, गुजरात और सौराष्ट्र में कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपको धैर्य और समझदारी का पाठ पढ़ाने वाला है। घर-परिवार में किसी बात को लेकर माताजी की नाराज़गी का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए अपनी बात मनवाने से पहले उनके भावनाओं को समझने की कोशिश करें। दूसरों के मामलों में दखल देने से बचेंगे तो अनावश्यक परेशानियों से दूर रहेंगे। जरूरी कागजात और दस्तावेजों को संभालकर रखें, क्योंकि छोटी सी लापरवाही बड़ा खर्च करा सकती है।

वृषभ- आज खुशियां आपके दरवाजे पर दस्तक देने वाली हैं। संतान की कोई उपलब्धि आपके चेहरे पर गर्व भरी मुस्कान ला सकती है। परीक्षा का परिणाम भी उम्मीद के मुताबिक आने के संकेत दे रहा है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई सुनहरा अवसर मिल सकता है, जिससे भविष्य की राह आसान होगी।

मिथुन- आज आपकी सूझबूझ और निर्णय क्षमता आपको दूसरों से एक कदम आगे रखेगी। प्रेम, सहयोग और अपनापन आपके व्यवहार में झलकेगा, जिससे रिश्तों में नई मिठास आएगी। भाई-बहनों के साथ किसी छोटी पार्टी या खुशी के मौके की योजना बन सकती है। यदि कोई कानूनी मामला आपको लंबे समय से परेशान कर रहा था, तो उसमें राहत मिलने के संकेत हैं।

कर्क- आज का दिन संतोष और सुकून लेकर आने वाला है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और उसकी सफलता आपको गर्व का अनुभव कराएगी। व्यापार में भी स्थिति पहले से बेहतर होती दिखाई दे रही है। हालांकि पिताजी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से ऐसी खबर मिल सकती है जो मन को थोड़ा उदास कर दे।

सिंह- विद्यार्थियों के लिए आज का दिन राहत की सांस लेकर आया है। पढ़ाई का दबाव कम महसूस होगा और मन हल्का रहेगा। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में लाभ मिलने की संभावना है, जिससे खुशी दोगुनी हो सकती है। हालांकि स्वास्थ्य से जुड़ी किसी छोटी परेशानी को नजरअंदाज न करें। आज कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात हो सकती है, जो भविष्य में आपके लिए नए रास्ते खोल सकती है।

कन्या- आज का दिन आनंद, उल्लास और छोटी-छोटी खुशियों से भरा रहेगा। किसी पुरानी गलती को सुधारने के लिए आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है, लेकिन उसका परिणाम संतोषजनक रहेगा। कामों को टालने की आदत आज आपको परेशानी में डाल सकती है, इसलिए समय रहते जिम्मेदारियां पूरी करें। जीवनसाथी की ओर से मिला कोई सरप्राइज आपके दिन को और खास बना देगा।

तुला- आज आपको अपनी आय और खर्च के बीच सही संतुलन बनाने की जरूरत होगी। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी के साथ जरूरत से ज्यादा निजी बातें साझा करना नुकसानदायक साबित हो सकता है। समय पर काम पूरा करने के लिए आपको अनुशासन का सहारा लेना होगा। छोटी सी चूक सहकर्मियों की नाराज़गी का कारण बन सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए खुशियों और उपलब्धियों की सौगात लेकर आया है। धन और समृद्धि में वृद्धि के योग बन रहे हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही रुकावट को दूर करने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रह सकती है। खान-पान में लापरवाही न करें, क्योंकि कोई पुरानी स्वास्थ्य समस्या दोबारा सिर उठा सकती है। जीवनशैली को बेहतर बनाने की दिशा में भी आप कुछ नए कदम उठा सकते हैं।

धनु- आज आर्थिक मामलों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। धन और समृद्धि के नए रास्ते खुलते दिखाई दे रहे हैं। पिताजी की सलाह आज आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं होगी। खान-पान में लापरवाही पेट से जुड़ी परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए सावधानी रखें। घर में किसी नए मेहमान के आगमन से खुशियों का माहौल बनेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को भी कोई उत्साहजनक समाचार मिल सकता है।

मकर- आज आपका मन समाज सेवा और परोपकार के कार्यों में अधिक लगेगा। किसी विवाद में पड़ने से बचें और अपनी ऊर्जा सकारात्मक कामों में लगाएं। सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने से आपकी प्रतिष्ठा और लोकप्रियता दोनों बढ़ सकती हैं। संतान के मनमौजी स्वभाव को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है, लेकिन धैर्य से स्थिति संभल जाएगी। अनजान लोगों से दूरी बनाए रखना आज आपके हित में रहेगा।

कुंभ- आज कोई खुशखबरी आपके चेहरे पर मुस्कान बिखेर सकती है। नई नौकरी या करियर से जुड़ा अवसर मिलने के संकेत हैं। भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा और अतिरिक्त आय का कोई नया स्रोत भी सामने आ सकता है। किसी दूसरे का वाहन चलाने से बचें, क्योंकि अचानक आई खराबी खर्च बढ़ा सकती है। किसी जरूरी काम के सिलसिले में अचानक यात्रा का भी योग बन रहा है।

मीन- आज का दिन सामान्य से बेहतर रहेगा, लेकिन सतर्कता बनाए रखना जरूरी होगा। किसी अनजान व्यक्ति पर जल्द भरोसा करना नुकसान पहुंचा सकता है। जीवनसाथी के साथ छोटी-मोटी बातों पर मतभेद हो सकते हैं, इसलिए संयम से काम लें। नौकरी में मिली जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाएं, क्योंकि आपकी मेहनत ही आपकी पहचान बनाएगी।

शब्दजाल - 8312

प्र	क	ल	प्र	कृ	ति	र्ल	धी	प्र	ल	ज
र	जा	ल	दे	प्र	ता	प	इं	ति	ट	वा
त	स	ति	ल	र्म	छ	रा	रा	शो	ख	प्र
प्र	ज	ज	सु	पु	र	प्र	प	ध	ली	ति
म	ती	दो	ज	त्ता	लं	पा	तू	गी	झ	कू
प्र	क	क्षा	प	ह	न	म	ना	ता	घ	ल
जा	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
प	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
ति	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	प्र	ख	र	र	शा	त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	प्र	का	श	त

शब्दजाल में 'प्र' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

प्रणाम,प्रकाश,प्रकृति,प्रजापति,प्रतीक्षा, प्रताप,प्रखर,प्रजाति,प्रतिकूल,प्रतिशोध

शब्दजाल - 8311 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7256

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दुल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिलीं' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरुख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरुख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथियावाड़' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7255

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 जुलाई को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2026 वर्ष का 188 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** सप्तमी 13.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 16.24 बजे को समाप्त। **योग** शोभन 14.31 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.25 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 36'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872763
जूलियन दिन 2461228.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम
तारीख 21
विशेष मासिक कृष्ण जन्माष्टमी।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य	मिथुन में	कर्क 06.06 बजे से
चंद्र	मीन में	सिंह 08.22 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या 10.34 बजे से
बुध	कर्क में	तुला 12.45 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक 15.00 बजे से
शुक्र	सिंह में	धनु 17.16 बजे से
शनि	मीन में	मकर 19.21 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ 21.07 बजे से
केतु	सिंह में	मीन 22.40 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मेष 00.11 बजे से
		वृष 01.51 बजे से
		मिथुन 03.49 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः ज्ञान की परंपरा

एक बार बुद्ध ने मिथिला में आम के एक बगीचे में डेरा डाला था। शाम का समय था। बुद्ध मंद-मंद मुस्करा रहे थे। पास बैठे आनंद ने इसका कारण पूछा तो बुद्ध ने कहा, 'मुझे यहां के राजा मखादेव की कथा याद आ रही है। वह बहुत ही दयालु, धार्मिक और बुद्धिमान था। प्रजा उसके कार्यों से बहुत खुश थी। एक दिन उसने अपने बेटे से कहा- अब मैं बूढ़ा हो गया हूं। मैं संन्यास धारण कर कल्याण मार्ग की खोज में निकलूंगा। मेरे बाद तुम्हें ही राज्य का शासन देखना है। एक बात और, मेरी यह संन्यास वृत्ति मेरे ही तक सीमित न रहे। मैं चाहता हूं कि मेरी तरह मेरे वंशज भी प्रजा के हित में काम करते हुए मेरी तरह संन्यास धारण करके ज्ञान की खोज में निकलें। तुम भी जब बूढ़े हो जाओ तो अपने बेटे को शासन का भार सौंप कर संन्यास धारण कर लेना। बेटे ने कहा- आप की इच्छा अवश्य पूरी होगी। मखादेव के बाद कई पीढ़ियों तक यह सिलसिला चला। राज्य में सुख-शांति बनी रही। मगर जब कलारजनक राजा बना तो यह क्रम टूट गया। वह लोभी और अत्याचारी था। वह अंतिम समय तक राजा बना रहा। इस तरह कुल की प्रथा समाप्त हो गई। और विदा हो गई राज्य की खुशहाली। आनंद मैं यही सोच कर हंस रहा था कि पता नहीं मेरे बाद भी मेरे दिखाए गए मार्ग पर हमारे भिक्षु चलेंगे या नहीं। कहीं तुम्हारे बाद इस कल्याणकारी मार्ग की इतिश्री न हो जाए।' आनंद ने कहा, 'आपने जो रास्ता दिखाया है वह कभी अवरुद्ध नहीं होगा।' बुद्ध ने कहा, 'मैं भी यही चाहता हूं। ज्ञान चलायमान है। इसका मार्ग हमेशा चलता रहे इसी में मानवता का हित है। जिस दिन इसका रास्ता रुक जाएगा, समाज नष्ट हो जाएगा। इसलिए सभी को अपना दायित्व अगली पीढ़ी को सौंप कर उसके रास्ते से हट जाना चाहिए और ज्ञान के नए-नए क्षेत्रों की खोज में समय बिताना चाहिए।'

सूडोकु नवताल- 7565

★★★★☆ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7564 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8780

बाएँ से दाएँ

1. सुगंध,खुशबू-3
3. व्यवस्था-2,2
5. आम लोग-2
6. चिंतन,सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश,विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वलय,घेरा-3
15. आंचल,पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर,पिता का घर-3
24. नवीन,नया,नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक,न भरने वाला जखम-3

ऊपर से नीचे

1. जी,चित्त,इच्छा-2
2. करधनी,कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर,विदुषक-4
5. दुनिया,जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव,हरदम-2
11. जन्म,पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी,नलका-2
18. वश,अधीन-2
19. परिणाम,हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8779 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

नई जल प्रदाय योजना के प्रारंभ नहीं होने से पुरानी जर्जर टंकी से किया जा रहा पानी सप्लाई

जल आवंर्धन योजना में ठेकेदार की लापरवाही चार साल बाद भी नहीं हो पाई पानी की सप्लाई प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी नगर के अति व्यस्तम स्थल बस स्टैण्ड स्थित पानी की टंकी जर्जर अवस्था में पंहुच चुकी है पंचायत काल में निर्मित इस टंकी को 40 वर्ष से अधिक का समय बीत चुका है बीते दिनों इस टंकी की सीढी भरभराकर गिर गई वहीं वह दिन भी दुर नजर नही आता जब यह पूरी टंकी भरभराकर गिर जाये। लगातार हो रही बारीश का असर भी इस टंकी पर होगा। इन्ही विषयों को या आने वाले समय मे कोई बड़ा हादसा ना हो जिसके मद्देनजर वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ मोनू पशीने ने कलेक्टर बालाघाट को उक्त संबध में पत्र लिखकर आवश्यक कार्यवाही हेतु निवेदन किया है। नगर परिषद लांजी अंतर्गत वार्ड क्रमांक 11 सराय कांपलेक्स, एवं काली मंदिर में पुरानी पानी की टंकी स्थित है जो अत्यंत जीर्ण शीर्ण अवस्था में है, उसकी सीढियां सरियों पर लटक रही है जिससे गंभीर जनहानि की संभावना है , इस संबंध में मेरे द्वारा पूर्व में भी दिनांक 27 /06/ 2026 को लिखित रूप से मुख्य नगर पालिका अधिकारी को अवगत कराया गया था , फोटोग्राफ्स भी खींचकर भेजे गए थे, किंतु आज दिनांक तक स्थिति में कोई सुधार नहीं है ना ही कोई सुरक्षात्मक व्यवस्था की गई है।

जल आवंर्धन योजना में संबधित ठेकेदार के द्वारा गंभीर लापरवाही एवं लेट लतीफी

इस पत्र के माध्यम से मैं आपको अवगत कराना चाहता हूं की नगर परिषद लांजी अंतर्गत जल आवर्धन योजना के कार्य में संबंधित ठेकेदार द्वारा गंभीर लापरवाही एवं लेट लतीफी की जा रही है, कई बार टाइम एक्सटेंशन लेने के बावजूद भी वर्तमान दिनांक तक कार्य पूर्ण नहीं किया गया ,जबकि यदि जल आवर्धन योजना के माध्यम से आपूर्ति समय रहते हो जाती तो आज यह टंकी अनुपयोगी होने से आसानी से ध्वस्त किया जाकर जल आपूर्ति के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा सकती थी। किंतु लगातार संज्ञान में लाने के बावजूद ठेकेदार को क्यों संरक्षण दिया जा रहा है? पानी टंकी को ध्वस्त करने में लेट लतीफी का कारण जलावर्धन योजना का कार्य पूर्ण नहीं होने की वजह से ध्वस्त होने के उपरांत जलापूर्ति कैसे किया जाए ? यह प्रश्न जिम्मेदारो के सामने है, नगर परिषद के अधिकारियों द्वारा जल आवर्धन योजना के ठेकेदार से समय होने के उपरांत भी कार्य क्यों नहीं लिया जा सक रहा है ? यह भी प्रश्न सोचनीय है। कुल मिलाकर इस पूरे मामले में ठेकेदार और अधिकारियों की मिली भगत दिखाई दे रही है जिसका खामियाजा मासूम जनता को भुगतना पड़ सकता है। अतः आपसे निवेदन है कि अति शीघ्र इस मामले को संज्ञान में लेकर त्वरित कार्यवाही किया जाए अन्यथा नगर कांग्रेस कमेटी जनता के साथ मिलकर आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

बहेला के प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राएं पानी से भरे कमरों में पढ़ाई करने को मजबूर

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी विकास खण्ड अन्तर्गत ग्राम बहेला स्थित शासकीय प्राथमिक माध्यमिक शाला बहेला के हाल बेहाल है। लगातार हो रही बारिश के बीच ग्राम बहेला स्थित शासकीय माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला के छात्र-छात्राएं पानी से भरे कमरों में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। विद्यालय भवन की जर्जर स्थिति के कारण बारिश का पानी सीधे कक्षाओं में भर जाता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। वहीं शिक्षक भी मजबूरी में जोखिम भरे माहौल में विद्यार्थियों को पढ़ा रहे हैं। विद्यालय के कमरों में पानी भर जाने से छात्र-छात्राओं को भीगकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। इसके कारण कई बच्चे बीमार भी हो रहे हैं। वहीं उनके स्कूल बैग, किताबें और कॉपियां भी पानी में भीगकर खराब हो रही हैं। शिक्षक अपनी ओर से पानी से बच्चों को बचाने के लिए अस्थायी उपाय करते नजर आते हैं, लेकिन बारिश के दौरान यह व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि स्कूल भवन की खराब स्थिति को लेकर संबंधित विभाग को पूर्व में भी पत्र भेजकर नए भवन की मांग की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि मौजूदा भवन में बच्चों की पढ़ाई कराना उनकी सुरक्षा के साथ समझौता है। उन्होंने जिला प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि जब तक नया विद्यालय भवन स्वीकृत नहीं होता, तब तक विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिए सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। ग्राम बहेला के ग्रामीणों ने कलेक्टर बालाघाट एवं जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट से मांग की है कि बच्चों के भविष्य और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द नए स्कूल भवन की स्वीकृति प्रदान की जाए, ताकि छात्र सुरक्षित वातावरण में अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

भारी बारिश से हुए नुकसान का सर्वे कराकर किसानों का किया जाए कर्ज माफ - दिनेश लाड़े

पद्मेश न्यूज। लांजी। जुलाई माह की पहली मुसलाधार बारिश ने क्षेत्र के किसानों को करारा झटका दिया है। जून के सूखे के बाद जब किसान धान की रोपाई शुरू कर रहे थे, तभी पिछले दस दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश ने उनके सपनों को पानी में बहा दिया। कई किसानों द्वारा बोया गया महंगा बीज पूरी तरह सड़ गया, जबकि कुछ किसान अभी रोपाई भी नहीं कर पाए थे। मानसून की देरी से पहले ही पिछड़ चुके किसान अब लगातार बारिश से हलाकान हो गए हैं। नदी-नालों और बस्तियों पर बाढ़ आपदा प्रबंधन की निगरानी तो चल रही है, लेकिन खेतों में खड़े किसानों की दुर्दशा पर अभी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। राजस्व विभाग को तुरंत राजस्व दलों का गठन कर खेतों का सर्वेक्षण शुरू करना चाहिए और शासन को सही रिपोर्ट भेजकर किसानों की वास्तविक स्थिति से अवगत कराना चाहिए।

पुरानी पीड़ा पर नया घाव

स्थिति और भी गंभीर है क्योंकि विगत सितंबर 2025 में बेमौसम बारिश से हुई फसल क्षति का मुआवजा अभी तक किसानों को नहीं मिला है। महंगे बीज, महंगे खाद और सेवा सहकारी संस्थाओं के कर्ज के बोझ तले दबे किसान पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। अब इस बारिश ने उनके कृषि कार्य को पूरी तरह ठप कर दिया है। अन्नदाता किसान की बदहाली लाड़ली बहनों से भी बदतर हो गई है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पहले ही कम निर्धारित किया गया, और अब बारिश ने खेती पर ताला लगा दिया। बढ़ता आर्थिक बोझ और परिवार की जिम्मेदारियाँ कई किसानों को आत्महत्या जैसी कदम उठाने को मजबूर कर रही हैं। जनपद पंचायत सभापति दिनेश लाड़े ने शासन से सख्त मांग की है कि त्वरित राजस्व दल गठित कर बारिश से हुई क्षति का सर्वेक्षण पूरा किया जाए और प्रभावित किसानों को मुआवजा प्रदान कर उनका कर्ज माफ किया जाए। उन्होंने कहा कि यह किसान हित में न्यायसंगत कदम होगा।

बहेला स्थित छोटी बाघ नदी के केटिवेयर में लकड़ी व रांझ फंसने से उत्पन्न हो रही बाढ़ की स्थिति

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी अनुभाग के बहेला क्षेत्र अन्तर्गत हमेशा से देखने में आता है कि जैसी ही वर्षा होती है बहेला स्थित छोटी बाघ नदी में बाढ के हालात उत्पन्न हो जाते है। निचले ईलाको में पानी भर जाता है जिसके चलते क्षेत्र वासियों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। वर्तमान समय में भी लगातार होती बारिश से बाघ नदी का जल स्तर बढ़ा है वहीं जल स्तर के बढने से बहेला वासी फिर चिंता में दिखाई देने लगे की दोबारा बाढ़ का सामना करना पड़ें?। लेकिन महज थोडी से बारिश में बाढ जैसे हालात क्यों उत्पन्न हो रहे है इसके पीछे कारण जानकर उस समस्या का हल नही किया जा रहा है ऐसा मानना क्षेत्र वासियों को है। बतादे कि बहेला जो कि महाराष्ट्र सीमा से लगा हुआ क्षेत्र है यहा बहने वाली छोटी बाघ नदी पर महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश की सीमा पर एक कोल्हापुरी डेम का निर्माण किया गया है। महाराष्ट्र के खेड़ेपार एवं बहेला के मध्य एक केटीवेयर पुल गेट का निर्माण किया गया है जो कि पानी को रोकने मे सहायक होता है। लेकिन इसी गेट में अधिक वर्षा के समय या वर्षाकाल में बाढ़ के चलते अनेको लकडियां बांस को रांझ, कचरा काडी सहित अनेको ऐसे वस्तुऐ आकर फंस जाती है जो कि पानी के बहाव को बंद कर देती है और पानी का बहाव नही होने के चलते यह पानी नदी से अन्यत्र क्षेत्रों में घुसता या बहता चला जाता है। निचले स्तर के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी घुसने के चलते बाढ जैसे हालात उत्पन्न होने लगते है। बहेला क्षेत्रों के ग्रामीणो का कहना है कि उक्त केटीवेयर में ऐसा कुछ किया जाये यह बांस आदि की रांझ, कचरा काड़ी या अन्यत्र वस्तुएँ ना फंसे, या समय पर इसकी साफ सफाई की जाये ताकि पानी का बहाव आसानी से हो सके और बहेला क्षेत्र में बाढ के हालात उत्पन्न ना हो। इस समस्या को लेकर क्षेत्र वासियो ने जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों को ध्यानाकर्षण करवाया गया है। साथ ही तकनीकी विभाग भी इस संबध मे ध्यान दे इस समस्या का समाधान किया जाये।

शासकीय महाविद्यालय हट्टा मे आयोजित हुआ दीक्षारंभ कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। हट्टा। शासकीय महाविद्यालय हट्टा मे मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार 01 जुलाई 2026 से 3 जुलाई 2026 तक तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे नव प्रवेशित छात्र - छात्राओ का स्वागत करते हुए उन्हे महाविद्यालय जीवन पाठ्यक्रम महाविद्यालय मे विधार्थी हित की योजनाओ तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से संबधित महत्वपूर्ण जानकारिया दी गई । कार्यक्रम के प्रथम दिवस 1 जुलाई 2026 को महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अंशुल मेश्राम ने छात्र - छात्राओ का तिलक लगाकर स्वागत किया । तत्पश्चात अपने उदबोधन मे उन्होंने महाविद्यालय की स्थापना, उपलब्धियों ,शैक्षणिक गतिविधीयों , महाविधालय मे उपलब्ध संसाधन एव सुविधायों , महाविधालयों के नियम एव शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला । साथ ही प्रभारी प्राचार्य महोदय दे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उपर विस्तृत रूप से बच्चों को उसकी बारीकियों के बारे मे उपस्थित जनसमूह को बताया । दीक्षारम्भ कार्यक्रम के दूसरे दिन 2 जुलाई 2026 को कार्यक्रम प्रारंभ होने के उपरांत श्री बसंत दशरीये(सहायक प्राध्यापक) द्वारा नोव प्रवेशीत बच्चों को नवीन पाठ्यक्रम एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम के बारे मे विस्तार पूर्वक जानकारी दी । विज्ञान शिक्षक शिक्षिकाओ द्वारा नव प्रवेशी छात्र छात्राओ को प्रयोगशाला का भ्रमण कराते हुए उसकी कार्य पद्धति को संक्षिप्त रूप मे समझाई गई । खेल शिक्षक श्री सचिन तिवारी सर द्वारा विधार्थीयो को महाविद्यालय मे होने वाली खेल गतिविधियों एवं खेलों के महत्व को विस्तृत रूप से बताया गया । महाविधालय की शिक्षिका श्रीमती दिशा हरिनखेड़े मेडम द्वारा महाविधालय मे एंटी रैंगिग सम्बधी प्रावधानों लैंगिक सवेदनशीलता महिला सुरक्षा एवं छात्रों के महाविधालय मे विधार्थीयो को किस प्रकार आचरण करना है इस सम्बद्ध मे विस्तार से विधार्थीयो को अपने उदबोधन मे बताया । दीक्षारंभ कार्यक्रम के तृतीय दिवस 3 जुलाई 2026 को महाविधालय के शिक्षक श्री राकेश रंगारे ने नव प्रवेशित विधार्थीयो को महाविधालय मे शासन द्वारा दी जा रही छात्रवृति पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति, गाव के बेटी ,प्रतिभा किरण , मुख्यमंत्री मेधावी विधार्थी योजना सहित अन्य छात्र हितग्राही योजनाओ के बारे मे विस्तार से बताया एवं कार्यक्रम के अंत मे सभी आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त कर तीन दिवसीय कार्यक्रम के समाप्ति की घोषणा की गई ।

चिचोली के पूर्व सरपंच डॉ. रामकिशन दशहरे पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम पंचायत चिचोली के पूर्व सरपंच और चिखली चिचोली मनेरी के पूर्व जनपद सदस्य डॉ. रामकिशन दशहरे का 83 वर्ष की आयु में दुखद निधन हो गया। उनका निधन सोमवार, 6 जुलाई को सुबह 7 बजे अपने निजी निवास चिचोली में हुआ। डॉ. रामकिशन दशहरे एक कुशल जनसेवक, मिलनसार, मृदुभाषी और हितकारी व्यक्तित्व के रूप में पूरे क्षेत्र में जाने जाते थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी दशहरे जी ने अपने पूरे जीवन काल में गांव और समाज की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से ग्राम चिचोली सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है और समाज को अपूरणीय क्षति पहुंची है। वे अपने पीछे दो पुत्रों, एक पुत्री तथा पूरे भरे-पूरा परिवार को छोड़कर इस संसार से परलोक सिधार गए। इनका अंतिम संस्कार सोमवार दोपहर 2 बजे मोक्षधाम चिचोली में किया गया। अंतिम यात्रा में परिजनों, नातेदारों, रिश्तेदारों और बड़ी संख्या में गांव व क्षेत्र के लोगों ने शोकाकुल होकर अंतिम विदाई दी। सभी ने परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना की है कि वे स्वर्गीय डॉ. रामकिशन दशहरे की आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शांति प्रदान करें। साथ ही शोक संतप्त दशहरे परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

मप्र वक्फ बोर्ड पुनर्गठन के विरोध में सड़क पर उतरा मुस्लिम संगठन

- बोर्ड में गैर-मुस्लिम को सदस्य बनाए जाने का किया विरोध - सरकार से की फैसला वापस लेने की मांग

- मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन, सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड का गठन उचित नहीं-आरिफ मसूद

भोपाल। देश में पहली बार एमपी के वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति किये जो का मामला तूल पकड़ने लगा है। वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन और हिंदू सदस्यों की नियुक्ति का विरोध जताते हुए ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी ने भोपाल के बुधवारा चौराहे पर सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी ने बुधवारा चौराहे पर वक्फ बोर्ड के पुनर्गठन पर अपना नाराजगी जताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से निर्णय वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि इससे मुस्लिम समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन ने कहा वक्फ मुस्लिम समाज की धार्मिक और सामाजिक संस्था है, जहां लोग अपनी संपत्ति अपने रब की रजा के लिए वक्फ करते हैं। वक्फ बोर्ड के प्रबंधन में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति उचित नहीं है, कमेटी इसी नियुक्ति का विरोध कर रही है। वहीं कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद का कहना है की वक्फ अधिनियम से जुड़ा मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, और इस पर अंतिम निर्णय आना अभी बाकी है। ऐसे में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नए वक्फ बोर्ड का गठन किया जाना और उसमें गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना उचित नहीं है। मसूद का कहना है यह वक्फ अधिनियम की भावना के विपरीत है, और न्यायालय में लंबित मामले के बीच इस तरह का फैसला कई तरह के कानूनी सवाल खड़े करता है। हम इस पूरे मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे और वक्फ बोर्ड के गठन तथा सदस्यों की नियुक्ति को चुनौती देंगे। उन्होंने कहा कि जब तक सर्वोच्च न्यायालय का अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक इस तरह की नियुक्तियां नहीं की जानी चाहिए थीं। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश सरकार ने हाल ही में वक्फ अधिनियम, 1995 (संशोधित 2025) के प्रावधानों के तहत मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन किया है, बोर्ड में विभिन्न श्रेणियों से सदस्यों की नियुक्ति की गई है, जिसको लेकर अब राजनीतिक और कानूनी बहस तेज हो गई है।

- पिछले साल लागू किया था वक्फ संशोधन कानून

वक्फ अधिनियम, 1995 (संशोधित 2025) 2 अप्रैल, 2025 को लोकसभा और राज्यसभा में 3 अप्रैल को 12-12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिल को 5 अप्रैल की देर रात मंजूरी दी थी। सरकार ने वक्फ संशोधन कानून को 8 अप्रैल से देश भर में लागू किया था। 3 जुलाई 2025 को केंद्र सरकार ने यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट रूल्स, 2025 का नोटिफिकेशन जारी किया था, जिसके बाद यह कानून पूरे देश में लागू हो गया था।

सरकारी से 8 गुना महंगा है निजी अस्पतालों में इलाज

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण 2025 की घरेलू सामाजिक उपभोग स्वास्थ्य रिपोर्टमें खुलासा

भोपाल। बीमारी अब केवल स्वास्थ्य की नहीं, बल्कि आर्थिक संकट की भी वजह बनती जा रही है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण 2025 की घरेलू सामाजिक उपभोग स्वास्थ्य रिपोर्ट बताती है कि निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च इतना बढ़ चुका है कि आम और मध्यम वर्ग के लिए गुणवत्तापूर्ण उपचार कराना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। इसके विपरीत, सरकारी अस्पताल आज भी कम खर्च में इलाज उपलब्ध कराकर लाखों परिवारों के लिए सबसे बड़ा सहारा बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार निजी अस्पताल में भर्ती होने पर मरीज को औसतन 50 हजार 508 रुपये अपनी जेब से खर्च करने पड़ते हैं। वहीं सरकारी अस्पताल में यही खर्च औसतन छह हजार 631 रुपये है। यानी निजी अस्पताल में इलाज सरकारी अस्पताल की तुलना में लगभग आठ गुना महंगा पड़ रहा है। वहीं देशभर में अस्पताल में भर्ती होने पर मरीज का औसत आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च 34 हजार 064 रुपये है, जो निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए बड़ा आर्थिक बोझ बनता जा रहा है। राजधानी भोपाल में भी स्वास्थ्य सेवाओं की यही तस्वीर सामने आ रही है। निजी अस्पतालों में सीटी स्कैन, एमआरआई, पैथोलाजी जांच, आईसीयू और निजी कमरों का खर्च लगातार बढ़ रहा है। कई परिवारों को कर्ज लेने या बचत तोड़ने की नौबत आ रही है। दूसरी ओर, हमीदिया और जेपी अस्पताल जैसे सरकारी संस्थानों में बड़ी संख्या में मरीज कम खर्च में इलाज करा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी अस्पतालों में भर्ती होने वाले आधे मरीजों का इलाज 1,100 रुपये या उससे कम खर्च में हो जाता है।

14 साल बाद वल्लभ भवन में खुला प्रमोशन का रास्ता

अब नई सरकारी भर्तियों का भी खुलेगा द्वार

भोपाल । मध्य प्रदेश सरकार ने करीब डेढ़ दशक बाद मंत्रालय (वल्लभ भवन) में पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू कर सरकारी कर्मचारियों के लंबे इंतजार को खत्म कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंजूरी के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने 450 से अधिक कर्मचारियों को पदोन्नति देने के आदेश जारी किए हैं। इस फैसले से न केवल कर्मचारियों की पदोन्नति का रास्ता खुला है, बल्कि मंत्रालय में नई भर्तियों का मार्ग भी प्रशस्त हो गया है।

सरकार का मानना है कि वर्षों से रुकी पदोन्नतियों के कारण कर्मचारियों में निराशा का माहौल था। अब पदोन्नति मिलने से जहां उनकी कार्यक्षमता और मनोबल बढ़ेगा, वहीं खाली होने वाले पदों पर सीधी भर्ती के जरिए युवाओं को सरकारी नौकरी का अवसर मिलेगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार मंत्रालय में कुल 461 कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई है। इनमें 301 सहायक ग्रेड-3 कर्मचारियों को सहायक ग्रेड-2 बनाया गया है। 160 सहायक ग्रेड-2 कर्मचारियों को सहायक अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है। इन पदोन्नतियों के बाद संबंधित संवर्गों में बड़ी संख्या में पद रिक्त हो गए हैं, जिन पर अब नई नियुक्तियां की जाएंगी।

600 से अधिक पदों पर होगी सीधी भर्ती

वल्लभ भवन में सहायक ग्रेड-3 के 600 से अधिक स्वीकृत पद हैं। पदोन्नतियों के बाद इन पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार मंत्रालय के विभिन्न विभागों से रिक्त पदों का विवरण मांगा जा रहा है, जिसके आधार पर भर्ती प्रस्ताव तैयार कर कर्मचारी चयन मंडल को भेजा जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि अगस्त से भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है ताकि खाली पदों को जल्द भरा जा सके। सरकार केवल लिपिकीय संवर्ग तक सीमित नहीं रहेगी। लगभग 100 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को भी पदोन्नति देने की तैयारी है। इनके प्रमोशन के बाद जो पद खाली होंगे, उन पर भी सीधी भर्ती की जाएगी। इससे रोजगार के अवसर और बढ़ेंगे।

2012 के बाद पहली बार खुला प्रमोशन चैनल

मंत्रालय में अंतिम बार वर्ष 2012 में पदोन्नति हुई थी। नियमानुसार 2016 में अगला प्रमोशन होना था, लेकिन आरक्षण और अन्य कानूनी विवादों के कारण मामला न्यायालय में लंबित हो गया। इसके चलते लगभग एक दशक तक कर्मचारियों को पदोन्नति नहीं मिल सकी। इस दौरान अनेक कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गए, जबकि कई का निधन भी हो गया। अब सरकार के इस निर्णय से लंबे समय से रुकी प्रक्रिया दोबारा शुरू हो गई है।

कर्मचारियों को पदोन्नति, युवाओं को नौकरी

सरकार के इस फैसले से दो स्तर पर लाभ मिलने की उम्मीद है। पहला, वर्षों से पदोन्नति का इंतजार कर रहे कर्मचारियों को आर्थिक और प्रशासनिक लाभ मिलेगा। दूसरा, पद रिक्त होने से बड़ी संख्या में नई भर्तियां होंगी, जिससे सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अवसर बढ़ेंगे। अधिकारियों का कहना है कि मंत्रालय में कार्यभार लगातार बढ़ा है। ऐसे में रिक्त पदों को लंबे समय तक खाली रखना संभव नहीं है। इसलिए पदोन्नति के साथ-साथ भर्ती प्रक्रिया को भी तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों के अनुसार सभी विभागों से रिक्त पदों का ब्यौरा लिया जा रहा है। इसके बाद भर्ती का प्रस्ताव कर्मचारी चयन मंडल को भेजा जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि पदोन्नति के तुरंत बाद भर्ती प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी जाए, ताकि मंत्रालय में आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध हो सके।

कर्मचारी संगठनों ने किया स्वागत

मध्य प्रदेश कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री रमेश चंद्र शर्मा ने सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि वर्षों बाद मंत्रालय में पदोन्नतियां होने से कर्मचारियों में नया उत्साह आया है। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे और कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार भी व्यक्त किया। कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। सरकार के इस फैसले को मंत्रालय की प्रशासनिक व्यवस्था में लंबे समय बाद आया बड़ा बदलाव माना जा रहा है। यदि भर्ती प्रक्रिया तय समय पर शुरू होती है तो यह निर्णय न केवल कर्मचारियों के लिए राहत साबित होगा, बल्कि प्रदेश के हजारों युवाओं के लिए भी सरकारी सेवा में प्रवेश का नया अवसर लेकर आएगा।

13 राप्रसे अधिकारियों को मिलेगा आईएएस बनने का मौका

- 2007 और 2008 बैच के 39 अधिकारियों के नाम भेजे जाएंगे

भोपाल । मध्य प्रदेश में इस वर्ष राज्य प्रशासनिक सेवा के 13 अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नति का अवसर मिलने जा रहा है। सामान्य प्रशासन विभाग ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए प्रस्ताव तैयार कर लिया है, जिसे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंजूरी दे दी है। अब यह प्रस्ताव संघ लोक सेवा आयोग को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक के लिए भेजा जाएगा। सरकार का प्रयास है कि 15 अगस्त से पहले डीपीसी की बैठक आयोजित हो जाए। सूत्रों के अनुसार इस पदोन्नति के लिए 2007 और 2008 बैच के कुल 39 राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों के नाम डीपीसी के समक्ष भेजे जा रहे हैं। इनमें मिनिषा पांडे, इला तिवारी, नीता राठौर, शैलेंद्र सिंह सोलंकी, रानी पासी, रंजना देवड़ा, माधवी नागेंद्र, वर्षा सोलंकी, प्रियंका गोयल, अभिषेक दुबे, नरोत्तम प्रसाद भार्गव, निधि सिंह राजपूत, निमिषा जायसवाल और संदीप सोनी सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं।

कुछ अधिकारियों की दावेदारी पर संशय

सूत्रों के मुताबिक 1999 बैच के जयेंद्र विजयवत आयु सीमा के कारण दौड़ से बाहर हो चुके हैं। वहीं 2002 बैच के कमल नागर का मामला न्यायालय में लंबित होने के कारण उनकी दावेदारी पर फैसला फिलहाल टल सकता है। इसके अलावा 2007 बैच की सपना लोवंशी के विरुद्ध जांच लंबित होने से उनके नाम पर भी अंतिम निर्णय डीपीसी में होगा। विभागीय अधिकारियों के अनुसार प्रस्ताव इसी सप्ताह कस्ट को भेजा जाएगा। वहां परीक्षण के बाद डीपीसी की तिथि तय होगी। यदि 15 अगस्त तक बैठक हो जाती है तो पूरी प्रक्रिया सितंबर-अक्टूबर तक पूरी कर पदोन्नति की अधिसूचना जारी होने की संभावना है।

जंगल बचाने के लिए कोरकू समाज का महाआंदोलन

भोपाल। खंडवा और बुरहानपुर जिले के कोरकू समाज ने 13 जुलाई को खंडवा में महाआंदोलन करने का आह्वान किया है। आंदोलन को लेकर सोशल मीडिया पर प्रचार के साथ ही गांव-गांव में बैठकें ली जा रही हैं। उनके द्वारा जंगल क्षेत्र में बाहरी अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। वन विभाग की कार्रवाई के समर्थन में बड़ी संख्या में समाजजन जुटेंगे। आंदोलन 13 जुलाई को सुबह 10 बजे खंडवा में शुरू होगा और आंदोलन समाप्त होने तक जारी रहेगा। इसे कोरकू समाज, खंडवा-बुरहानपुर की ओर से आयोजित होना बताया गया है।

आंदोलन को सफल बनाने के लिए कोरकू समाज संगठन ने खंडवा और बुरहानपुर जिले के गांव-गांव में बैठकें शुरू कर दी हैं। समाज के पदाधिकारियों के अनुसार, बुरहानपुर जिले से भी बड़ी संख्या में समाजजन आंदोलन में शामिल होने के लिए खंडवा पहुंचेंगे। संगठन का दावा है कि करीब दो हजार समाजजन खंडवा कलेक्ट्रेट परिसर में एकत्र होकर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे और प्रशासन को ज्ञापन सौंपेंगे।

ये हैं आंदोलन के प्रमुख मुद्दे

बताया गया कि कोरकू समाज वर्षों से जंगलों की रक्षा करता आया है और जल, जंगल एवं जमीन को अपनी संस्कृति और जीवन का आधार मानता है। समाज का आरोप है कि बाहरी अतिक्रमणकारी जंगलों पर कब्जा कर रहे हैं, जिससे वन संपदा, पर्यावरण और आदिवासी समाज के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। आरोप लगाया गया है कि विरोध करने पर समाज के लोगों को धमकियां दी जाती हैं, झूठे मामलों में फंसाया जाता है और जंगलों की अवैध कटाई की जा रही है। समाज ने हाल ही में हुई वन विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को सही और आवश्यक बताया गया है। इसमें कहा गया है कि वन संरक्षण से ही जल, जंगल और भविष्य सुरक्षित रहेगा तथा समाज वन विभाग की वैधानिक कार्रवाई में पूरा सहयोग करेगा।

13 जुलाई को आमने-सामने हो सकते हैं दोनों पक्ष

इधर, जिन लोगों पर अतिक्रमण के आरोप लगाए जा रहे हैं, उनकी ओर से भी 13 जुलाई को प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की बात कही गई हैं। ऐसे में एक ओर वन संरक्षण और अतिक्रमण हटाने के समर्थन में कोरकू समाज प्रदर्शन करेगा, जबकि दूसरी ओर अतिक्रमण कार्रवाई का विरोध करने वाले लोगों के भी प्रदर्शन की संभावना है। इसे देखते हुए 13 जुलाई को खंडवा में दोनों पक्षों के आमने-सामने आने की स्थिति बन सकती है। ऐसे में प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती भी रहेगी।

बर्थ रजिस्ट्रेशन के मामले में मप्र राष्ट्रीय औसत से ऊपर

- सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम रिपोर्ट 2024 की रिपोर्ट में खुलासा...

भोपाल। मध्य प्रदेश में जन्म लेने वाले बच्चों के रजिस्ट्रेशन के मामले में सरकारी सिस्टम आड़े नहीं आता, इस मामले में मध्य प्रदेश में पिछले सालों में जबरदस्त सुधार हुआ है। जन्म के बाद बच्चों के रजिस्ट्रेशन के मामले में मध्य प्रदेश की स्थिति राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर है। जन्म पंजीयन के मामले में मध्य प्रदेश राष्ट्रीय औसत 99.1 फीसदी से ऊपर रहने वाले 18 राज्यों में शामिल है। इसका खुलासा भारत के रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय द्वारा जारी सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम रिपोर्ट 2024 से हुआ है। यह रिपोर्ट हाल ही में जारी की गई है। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक मध्य प्रदेश में जन्म के रजिस्ट्रेशन के मामले में सुधार हुआ है, लेकिन मृत्यु पंजीयन के मामले में एमपी राष्ट्रीय औसत से पीछे है।

सीआरएस की रिपोर्ट के मुताबिक मध्य प्रदेश में जन्म और मृत्यु के रजिस्ट्रेशन को लेकर स्थिति मिलीजुली (मिड-रेंज-कैटेगरी) है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2024 में मध्य प्रदेश में 19 लाख 96 हजार 172 जन्म और 5 लाख 73 हजार 608 मृत्यु दर्ज की गई है। प्रदेश में 1 जनवरी 2015 से ओरजीआई के सीआरएस पोर्टल के माध्यम से जन्म और मृत्यु का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है।

जन्म पंजीयन मामले में एमपी 18 राज्यों में शामिल

समय पर पंजीयन के मामले में मध्य प्रदेश मध्यम श्रेणी में है। रिपोर्ट के अनुसार देशभर में केवल 50 से 80 प्रतिशत जन्म ही निर्धारित 21 दिन की समय-सीमा में दर्ज हो पाते हैं, हालांकि जन्म पंजीयन यानि बर्थ रजिस्ट्रेशन के स्तर में मध्य प्रदेश राष्ट्रीय औसत 99.1 प्रतिशत से ऊपर रहने वाले 18 राज्यों में शामिल है। वहीं मृत्यु पंजीयन यानि डेथ रजिस्ट्रेशन में राज्य राष्ट्रीय स्तर से पीछे है और उन 7 बड़े राज्यों में शामिल है, जहां डेथ का रजिस्ट्रेशन राष्ट्रीय औसत से कम है। साल 2024 में राज्य में रजिस्ट्रेशन सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए 1131 निरीक्षण किए गए, जिनमें 880 ग्रामीण और 251 शहरी इकाइयां शामिल हैं। सबसे ज्यादा 158 निरीक्षण नर्मदापुरम और 97 निरीक्षण जबलपुर जिले में किए गए। इसी दौरान कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाने के लिए 369 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 25 हजार 948 रजिस्ट्रेशन कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया। नकली प्रमाण पत्रों पर रोक के लिए अखबारों में जागरूकता विज्ञापन भी प्रकाशित किए गए।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि देश में सबसे अधिक 62 हजार 780 रजिस्ट्रेशन यूनिट उत्तर प्रदेश में हैं, जबकि मध्य प्रदेश में 24 हजार 550 यूनिट कार्यरत हैं। देश की कुल पंजीयन इकाइयों का लगभग 88.5 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश सहित 10 बड़े राज्यों में केंद्रित है।

सबसे ज्यादा बर्थ रजिस्ट्रेशन 2024 और सबसे कम 2016 में हुए

वहीं 19 में से 13 बड़े राज्यों पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, बिहार, तमिलनाडु, कर्नाटक, पंजाब, हरियाणा और गुजरात ने बर्थ के रजिस्ट्रेशन का 90 प्रतिशत लेवल पार कर लिया है। सबसे ज्यादा रजिस्टर्ड जन्म 2024 में 1996172 हुए थे और सबसे कम 2016 में 1465779 दर्ज किए गए थे। वहीं सबसे ज्यादा डेथ रजिस्ट्रेशन 2021 (702527) में सबसे ज्यादा थे, फिर 2024 में 573608 मौतों के साथ स्थिर हो गए।

दिल्ली से तय होंगे भाजपा-कांग्रेस के उम्मीदवार

दतिया उपचुनाव : उम्मीदवार चयन और चुनावी रणनीति में जुटी पार्टियां

भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ने चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। भाजपा जहां प्रत्याशी के चयन और चुनावी रणनीति पर मंथन कर रही है, वहीं कांग्रेस ने संभावित उम्मीदवारों के तीन नामों का पैनल तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व को भेजने की तैयारी पूरी कर ली है। दोनों ही दलों में अंतिम फैसला दिल्ली से होने की संभावना है। दतिया विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को मतदान होना है। 13 जुलाई नामांकन की अंतिम तिथि है, जबकि 3 अगस्त को मतगणना होगी। ऐसे में दोनों प्रमुख दल उम्मीदवार चयन और चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर दतिया में आयोजित जिला कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद भाजपा के क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने करीब आधे घंटे तक बंद कमरे में उपचुनाव की रणनीति पर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक प्रदेश संगठन पहले चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देगा, जिसके बाद प्रत्याशी के नाम सहित पूरी रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को भेजी जाएगी। अंतिम निर्णय भाजपा संसदीय नेतृत्व करेगा। माना जा रहा है कि 7 या 8 जुलाई तक पार्टी उम्मीदवार की घोषणा कर सकती है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने स्पष्ट किया कि उम्मीदवार का चयन केंद्रीय नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली से नाम मांगे जाएंगे, तब प्रदेश संगठन अपनी अनुशंसा भेजेगा। किसे चुनाव लड़ाना है, इसका अंतिम निर्णय राष्ट्रीय नेतृत्व ही करेगा।

नरोतम मिश्रा की दावेदारी सबसे मजबूत

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने भले ही सार्वजनिक रूप से किसी नाम की घोषणा नहीं की है, लेकिन पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा की दावेदारी सबसे मजबूत मानी जा रही है। वे पहले भी दतिया से चुनाव लड़ चुके हैं और क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं। कुछ दिन पहले वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी संकेत दे चुके हैं कि भाजपा पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी और जीत दर्ज करेगी। हालांकि उन्होंने भी उम्मीदवार के नाम पर अंतिम निर्णय केंद्रीय नेतृत्व पर छोड़ दिया था। भाजपा का कहना है कि पार्टी बूथ, मंडल और जिला स्तर पर नियमित संगठनात्मक बैठकों के कारण हर समय चुनाव के लिए तैयार रहती है। इसलिए उपचुनाव के लिए अलग से संगठन खड़ा करने की आवश्यकता नहीं है।

कांग्रेस ने तैयार किया तीन नामों का पैनल

दूसरी ओर कांग्रेस भी अपनी सीट बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने हाल ही में दतिया में कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से व्यापक रायशुमारी की। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस ने तीन संभावित नामों का पैनल तैयार किया है, जिसे जल्द केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक पूर्व विधायक राजेंद्र भारती के परिवार को प्राथमिकता दी जा रही है। शुरुआत में उनके पुत्र अनुज भारती का नाम सबसे आगे माना जा रहा था, लेकिन अब उनकी पत्नी शोभा भारती की दावेदारी मजबूत होती दिखाई दे रही है। कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं के बीच शोभा भारती के नाम पर अधिक सहमति बनने की चर्चा है। कांग्रेस की संभावित सूची में पूर्व पाठ्यपुस्तक निगम अध्यक्ष अवधेश नायक और भांडेर के पूर्व विधायक घनश्याम सिंह के नाम भी शामिल बताए जा रहे हैं। दतिया में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान मंच से पूर्व विधायक राजेंद्र भारती का संदेश पढ़कर सुनाया गया। इसे संगठन ने यह संकेत माना कि चुनाव में भारती परिवार की भूमिका अहम रहने वाली है और पार्टी उनके सहयोग के बिना चुनाव नहीं लड़ना चाहती।

ओबीसी और जातीय समीकरणों पर फोकस

कांग्रेस चुनावी रणनीति में जातीय और सामाजिक समीकरणों पर विशेष ध्यान दे रही है। पार्टी ओबीसी वर्ग में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए अलग-अलग समाजों के नेताओं को जिम्मेदारी देने की तैयारी कर रही है। साथ ही सभी दावेदारों को एकजुट होकर अधिकृत प्रत्याशी के समर्थन में काम करने का संदेश दिया गया है। निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार अधिसूचना जारी होने के साथ ही 6 जुलाई से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रत्याशी 13 जुलाई तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 30 जुलाई को मतदान और 3 अगस्त को मतगणना होगी। उधर प्रशासन ने भी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं।

जाति प्रमाण पत्र मामले में मंत्री प्रतिमा बागरी की सुनवाई पूरी

भोपाल । नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र से जुड़े मामले में सोमवार को एससी मामलों की छानबीन समिति के समक्ष सुनवाई हुई। लगभग एक घंटे तक शिकायतकर्ता और कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार का पक्ष सुना गया इसके बाद मंत्री प्रतिमा बागरी ने अपने समर्थन में समिति के समक्ष अपना पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता प्रदीप अहिरवार ने अपने दावों के समर्थन में दस्तावेज प्रस्तुत किए। उनके समर्थन में सतना और पन्ना जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग भोपाल पहुंचे। अहिरवार ने समिति के समक्ष कहा कि भारत सरकार के वर्ष 1950 के गजट में बागरी समुदाय अनुसूचित जाति की सूची में शामिल नहीं था। उनके अनुसार वर्ष 1977 में मध्य प्रदेश का गजट जारी होने के बाद बागरी समुदाय की कुछ उपजातियां राजपूत वर्ग में और कुछ अनुसूचित जाति में शामिल हुईं। उनका आरोप है कि प्रतिमा बागरी का परिवार मूल रूप से राजपूत वर्ग में था, लेकिन 1977 की अधिसूचना के बाद वर्ष 1981 की जनगणना में स्वयं को अनुसूचित जाति के रूप में दर्ज कराया गया।

मंत्री का पक्ष

वहीं, मंत्री प्रतिमा बागरी ने शिकायतों को राजनीतिक बताते हुए कहा कि कांग्रेस अनुसूचित जाति वर्ग की एक महिला के मंत्री बनने को स्वीकार नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1950 में मध्य प्रदेश राज्य का गठन ही नहीं हुआ था, इसलिए उस समय की अधिसूचना के आधार पर सवाल उठाने का कोई औचित्य नहीं है। अब समिति दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों और तर्कों का परीक्षण कर आगे की कार्रवाई करेगी।

ई-अटेंडेंस के नए नियम पर बिजली कर्मचारियों का विरोध

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में करीब 20 हजार कर्मचारियों की ई-अटेंडेंस व्यवस्था को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मप्र. बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन ने आरोप लगाया है कि आइटी सेल ने बिना किसी लिखित आदेश के मौखिक निर्देशों के जरिए अब केवल फिंगरप्रिंट वेरिफिकेशन वाले मोबाइल से ही हाजिरी लगाने की व्यवस्था लागू कर दी है। संगठन का कहना है कि जिन कर्मचारियों के पास ऐसे मोबाइल नहीं हैं, उनकी अटेंडेंस दर्ज नहीं होगी, जिससे वेतन कटौती का खतरा पैदा हो गया है। संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव ने बताया कि एक वर्ष पहले एंड्रायड 9 और एंड्रायड 10 वर्जन के मोबाइल भी अमान्य कर दिए गए थे और अब नया नियम लागू किया जा रहा है।

संगठन ने आरोप लगाया कि कंपनी ने पहले लगभग 65 लाख रुपये खर्च कर सैकड़ों बायोमैट्रिक थंब और आइ-स्कैन डिवाइस खरीदी थीं। ये मशीनें वर्तमान में विभिन्न कार्यालयों और उपकेंद्रों में उपयोग के बजाय धूल खा रही हैं। संगठन ने मांग की है कि कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए इन्हीं बायोमैट्रिक मशीनों का दोबारा उपयोग शुरू किया जाए।

भारत और इंग्लैंड तीसरा टी20 आज

भारतीय समयानुसार रात दस बजे से शुरु होगा मैच

नॉटिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 में जीत के इरादे उतरेगी। मेजबान इंग्लैंड टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे है। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य किसी भी हाल में इस मैच को जीतकर सीरीज में बराबरी करना रहेगा। पांच मैचों की इस सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। वहीं दूसरा मेजबान टीम ने जीता था। ऐसे में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम का लक्ष्य अब सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम को दूसरे मैच में कमजोर गेंदबाजी के कारण हार का सामना करना पड़ा था। कप्तान हैरी ब्रूक और जैकब बेथेल की शानदार बल्लेबाजी से मेजबान टीम जीत दर्ज करने में सफल रही थी। इसके अलावा इंग्लैंड की जीत में उसके गेंदबाजों की भी अहम भूमिका रही। उसकी ओर से सैम करन और जोफ्रा आर्चर ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने नहीं दिया। भारतीय टीम इस तीसरे मैच में गेंदबाजी में बदलाव करते हुए तीन गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। दूसरे टी20 में भारतीय गेंदबाज स्कोर का बचाव नहीं कर पाये थे। भारतीय टीम को इसी कारण 190 रन बनाने के बाद भी हार झेलनी पड़ी थी। अभिषेक शर्मा ने इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी की थी जिसे वह इस मैच में भी जारी रखना चाहेंगे। इसके अलावा ईशान किशन ने और और कप्तान अय्यर ने भी अच्छी बल्लेबाजी की थी जिसे ये दोनो भी बरकरार रखना चाहेंगे। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पहले टी20 में 14 रन बनाये थे और इस मैच में वह बड़ी पारी खेलकर अपने डेब्यू को सही साबित करना चाहेंगे। बल्लेबाज तिलक वर्मा का लक्ष्य भी इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी करना रहेगा।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल ने कसी हुई गेंदबाजी की थी जिसे वह जारी रखने का प्रयास करेंगे। इन दोनो के अलाव अन्य गेंदबाजों के कमजोर प्रदर्नन से टीम को हार का सामना करना पड़ा था। वहीं दूसरी ओर मेजबान इंग्लैंड की टीम इस मैच को जीतकर अपनी बढ़त को मजबूत करना चाहेगी।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

भारत - श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन,तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हर्षित राणा, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई या वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह

इंग्लैंड - हैरी ब्रूक (कप्तान), फिलिप साल्ट, जोस बटलर, जैकब बेथेल, टॉम बैंटन, सैम करन, विल जैक्स, लियाम डॉसन, आदिल राशिद, जोफ्रा आर्चर और जोश टॉग को बरकरार रखेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 के लिए बिश्नोई की जगह प्रिंस को शामिल करें- इरफान पठान

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने मंगलवार को नॉटिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे टी20 के लिए अपनी जो पसंदीदा टीम चुनी है उसमें स्पिनर रवि बिश्नोई की जगह पर तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को शामिल किया है।

दूसरे टी20 मुकाबले में जीत के साथ ही इंग्लैंड अभी सीरीज में 1-0 से आगे हैं। ऐसे में भारतीय टीम किसी भी हाल में ये मैच जीतना चाहेगी। इस मुकाबले से पहले पठान ने टीम की कमजोरियों को बताया और कहा कि इन्हें दूर करने अंतिम ग्यारह में बदलाव करने होंगे।

पठान ने कहा कि भारतीय टीम के गेंदबाजी संयोजन में भी बदलाव किये जाने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि टीम मौजूदा लाइन-अप के साथ संतुलन खो रही है, जिसका नुकसान उसे भुगतना पड़ रहा है। दूसरे टी20 में भारतीय टीम केवल दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतरी थी। पठान के अनुसार ये रणनीति सही नहीं है। उन्होंने कहा कि जब टीम में केवल दो तेज गेंदबाज होते हैं तो कप्तान के पास विकल्प नहीं रहते। ऐसी स्थिति में कप्तान को स्पिनर्स को डेथ ओवरों और यहां तक कि पावरप्ले में भी ज्यादा गेंदबाजी करानी पड़ती है, जिससे टीम को नुकसान होता है।

पठान का मानना है कि अगर पिच पर थोड़ी सी भी सीम या मूवमेंट मौजूद हो, तो एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की जरुरत रहती है जो अभी टीम के पास नहीं है। उन्होंने दूसरे मैच की समीक्षा करते हुए कहा कि अर्शदीप सिंह ने शुरुआत में दो विकेट लेकर बेहतरीन प्रदर्शन किया पर हर्षित राणा नई गेंद के साथ प्रभाव नहीं छोड़ पाए। साथ ही कहा कि जब आपका एक मुख्य तेज गेंदबाज लय में न हो, तो कप्तान को एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की अनुपस्थिति महसूस होती है।

इन्हीं परिस्थितियों के मद्देनजर इरफान पठान ने सुझाव दिया है कि तीसरे मैच में स्पिनर बिश्नोई की जगह तेज गेंदबाज प्रिंस को अवसर दिया जाना चाहिए जिससे की तेज गेंदबाजी और मजबूत हो सके।

पेरी सबसे अधिक 9 आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली एकमात्र क्रिकेटर बनी

लंदन। ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी महिला क्रिकेटर एलिस पेरी ने 9 वीं बार आईसीसी ट्रॉफी जीतकर एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। वह पहली ऐसी खिलाड़ी हैं जिसके नाम कुल नौ आईसीसी ट्रॉफियां जीतने का रिकार्ड है। अभी तक ये उपलब्धि किसी पुरुष क्रिकेटर के नाम भी नहीं है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि पेरी ने हाल ही में संपन्न हुए महिला टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में हासिल की।

गौरतलब है कि साल 2007 में ऑस्ट्रेलियाई टीम से अपने करियर की शुरुआत करने वाली पेरी सभी नौ आईसीसी खिताबों की यात्रा के दौरान टीम का मुख्य अंग रही हैं। उनके पदार्पण के बाद से ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट विश्वस्तर पर जीतती रही है।इन नौ ट्रॉफियों में सात टी20 विश्व कप और दो एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (एकदिवसीय) विश्व कप शामिल हैं, जो एक खिलाड़ी के रूप में उनकी निरंतरता और टीम की बेजोड़ सफलता का प्रमाण है।

2010 में वेस्टइंडीज में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ अपने पहले टी20 विश्व कप खिताब से लेकर 2026 के नवीनतम टी20 विश्व कप तक, पेरी ने हर बड़े टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 के टी20 विश्व कप के साथ-साथ 2013 और 2022 के एकदिवसीयविश्व कप में भी खिताबी जीता है।

पेरी का निजी प्रदर्शन भी हमेशा अच्छा रहा है। एक ऑलराउंडर के रूप में, उन्होंने तीनों प्रारूपों में अपना प्रभाव दिखाया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 15 टेस्ट मैचों में 1006 रन बनाए हैं, जिसमें दो शानदार शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं, साथ ही 39 विकेट भी लिए हैं। वनडे क्रिकेट में, 168 मैचों में उनके नाम 4581 रन दर्ज हैं, जिनमें तीन शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं, और उन्होंने 166 विकेट भी अपने नाम किए हैं। टी20 प्रारूप में भी पेरी पीछे नहीं रहीं। इसमें उन्होंने 181 मैचों में 2495 रन बनाए हैं और 131 विकेट हासिल किए हैं। उनके आंकड़े ही उनकी प्रतिभा और क्रिकेट के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दिखाते हैं।

जय शाह ने महिला टी-20 विश्व कप विजेता ऑस्ट्रेलिया को बधाई दी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अध्यक्ष जय शाह ने सातवीं बार टी20 महिला विश्वकप जीतने पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को बधाई दी है। आईसीसी प्रमुख ने अपने संदेश में उपविजेता इंग्लैंड की भी मुकाबले में अच्छे प्रदर्शन के लिए सराहना की है। जय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक विशेष पोस्ट भी साझा की है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सोफी मोलिनक्स को दिये संदेश में कहा, ऑस्ट्रेलिया महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को लगातार असाधारण प्रदर्शन करते हुए सातवीं बार आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप का खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई। यह जीत उनकी निरंतरता और खेल पर उनके प्रभाव का स्पष्ट प्रमाण है।

वहीं उपविजेता रही इंग्लैंड टीम का हौसला बढ़ाते हुए शाह ने लिखा, इंग्लैंड की टीम को भी बहुत-बहुत बधाई। भले ही वे उपविजेता रहे हों पर खेल भावना और जज्बे के मामले में वे निश्चित रूप से किसी चैंपियन से कम नहीं थीं। शाह ने इस टूर्नामेंट के बढ़ते स्तर और महिला क्रिकेट की अपार लोकप्रियता पर जोर देते हुए कहा कि अब इस खेल को किसी भी कीमत पर नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। उन्होंने अपने संदेश में आगे लिखा, इस टूर्नामेंट ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि महिला क्रिकेट की अनदेखी संभव नहीं है।

विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे सिनर, जापानी खिलाड़ी को हराया

लंदन। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी इटली के जैनिक सिनर विंबलडन टेनिस 2026 में जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये है। सिनर ने जापान के क्वालिफायर शिंटारो मोचिजुकी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6(0), 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। ये लगातार पांचवां अवसर है जब सिनर विंबलडन के अंतिम आठ में पहुंचे है। इसी के साथ ही सिनर ओपन एरा में ग्रास कोर्ट मेजर के पांचवें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले केवल 11वें खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं सक्रिय खिलाड़ियों में, वह सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद यहां तक पहुंचने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं।

इस में में जापान के मोचिजुकी ने भी काफी संघर्ष किया। उसने अपने आक्रामक खेल से शुरुआती दौर में ही सिनर पर दबाव बनाकर पहला ब्रेक अंक हासिल कर लिया। सिनर ने तत्काल वापसी करते हुए इसे बचा लिया। सिनर ने इसके बाद मोचिजुकी की सर्विस तोड़कर पहले सेट को 6-3 से जीत दर्ज कर ली।

वहीं दूसरा सेट बेहद रोमांचक रहा और इसमें कड़ी टक्कर देखने को मिली। 4-4 की बराबरी तक मोचिजुकी ने मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और सिनर को लगातार परेशान किया। मोचिजुकी ने अपने बैकहैंड और मजबूत डिफेंस का शानदार प्रदर्शन करते हुए कई महत्वपूर्ण अंक अर्जित किए। वहीं दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में मोचिजुकी ने कुछ गलतियां कीं, जिसका लाभ उठाते हुए सिनर ने 7-0 से टाई-ब्रेक जीतकर मैच पर अपनी पकड़ पूरी तरह से मजबूत कर ली।वहीं तीसरे सेट में भी सिनर ने अपनी आक्रामक रणनीति जारी रखी और मोचिजुकी पर लगातार दबाव बनाए रखा। उन्होंने आसानी से सेट को 6-3 से जीता और इसी के साथ मुकाबले को भी अपने नाम कर लिया। मैच के बाद, सिनर ने जापानी खिलाड़ी के प्रदर्शन की भी सराहना की ।

विराट अभी भी टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने में सक्षम - कपिल

चंडीगढ़ । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट खेलते रहना था। कपिल के अनुसार विराट का समय से पहले इस प्रारुप से संन्यास का फैसला सही नहीं था। उन्होंने कहा कि वह विराट के इस कदम से बिल्कुल भी खुश नहीं थे। साथ ही कहा कि कोहली अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलने और भारतीय टीम में वापसी करने की पूरी क्षमता मौजूद थी। कपिल ने इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए यह मायने नहीं रखता कि विराट 10 हजार टेस्ट रन पूरे करते या नहीं। उनका मानना है कि अगर विराट कुछ समय तक धैर्य दिखाते और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते, तो वह निश्चित रूप से दोबारा भारतीय टेस्ट टीम में जगह बना सकते थे।

कपिल देव ने कहा, मैं विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले से सहमत नहीं था। यह 10 हजार रन या किसी रिकॉर्ड की बात नहीं थी। मुझे लगता है कि अगर वह छह महीने तक धैर्य रखते और गुस्से में प्रतिक्रिया नहीं देते तो उनके पास टीम इंडिया में वापसी का पूरा अवसर था। कपिल ने साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है। उनका मानना था कि अगर चयनकर्ता या कप्तान उन्हें मौका नहीं दे रहे थे, तो उन्हें हार मानकर संन्यास लेने की जगह पर घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रन बनाकर अपनी जगह दोबारा हासिल करनी चाहिए थी। उन्होंने विश्वास जताया, अगर सेलेक्टर उन्हें नहीं चुनते तो भी कोई बात नहीं थी। अगर कप्तान टीम में जगह नहीं देता तो भी कोई समस्या नहीं थी। उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलकर रन बनाने चाहिए थे। उनमें टेस्ट क्रिकेट खेलने की क्षमता आज भी थी और मुझे पूरा भरोसा है कि वह वापसी कर सकते थे।

कपिल ने विराट के आक्रामक स्वभाव की तुलना टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी जॉन मैकेनरो से की। उन्होंने बताया कि कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो चुनौती और टकराव के बीच ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाते हैं। उन्होंने कहा, विराट को देखकर मुझे जॉन मैकेनरो की याद आती है। वह जब तक लड़ते नहीं थे, तब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाते थे। इसके विपरीत, उन्होंने राहुल द्रविड़, सुनील गावस्कर और सचिन तेंदुलकर जैसे शांत स्वभाव के खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जो अपने बल्ले से जवाब देते थे। हालांकि, कपिल ने यह भी माना कि कुछ खिलाड़ियों का खेलने का तरीका अलग होता है और विराट उन्हीं में से एक हैं। कपिल देव ने स्वीकार किया कि कई बार विराट का आक्रामक रवैया जरूरत से ज्यादा नजर आता था, लेकिन संभव है कि यही उनकी सफलता की सबसे बड़ी वजह भी रही हो।

आगामी एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज की तैयारी में लगे बुमराह

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मैदान पर लौट आये हैं। बुमराह को इंग्लैंड दौर पर टी20 सीरीज के लिए शामिल नहीं करते हुए ब्रेक दिया गया है। जिससे वह आने वाली टेस्ट सीरीज और एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी तैयारी कर सकें। बुमराह का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है जिसमें वह लाल गेंद से अभ्यास करते हुए नजर आ रहे हैं। उनकी मैदान पर वापसी से प्रशंसक भी उत्साहित हैं। उनकी यह वापसी टीम इंडिया के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, खासकर जब टीम का ध्यान आगामी एकदिवीसीय और टेस्ट सीरीज को देखते हुए रणनीति बना रही है।

गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद बुमराह आईपीएल में प्रभावित नहीं कर पाये। उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में भी आराम दिया गया था। अब उनका पूरा ध्यान 14 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज और उसके बाद श्रीलंका दौरे पर होने वाली टेस्ट श्रृंखला की तैयारियों पर है। इसके अलावा, उन्हें एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में भी शामिल किया गया है। बुमराह के लिए इस बार आईपीएल सत्र अच्छा नहीं रहा और वह मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए 13 मैचों में केवल 4 विकेट ले पाये। इसमें उनका औसत 102.50 और इकोनॉमी 8.36 रही। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1/15 का रहा। यह उनके आईपीएल करियर का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन रहाजिसने उनकी फॉर्म पर सवाल खड़े किए थे। बुमराह ने टी20 विश्व कप 2026 में शानदार वापसी की थी। वह आठ पारियों में 14 विकेट लेकर संयुक्त रूप से टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। इस दौरान उनका औसत 12.42 और इकोनॉमी 6.21 रही। अब लाल गेंद के साथ उनकी वापसी भारत के आगामी व्यस्त टेस्ट कैलेंडर के लिए महत्वपूर्ण है। भारत की दो मैचों की टेस्ट सीरीज 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होगी, जिसमें पहला टेस्ट गॉल में और दूसरा मुकाबला कोलंबो के एसएससी मैदान पर खेला जाएगा।

रायुडू ने की वैभव की तारीफ पर बोले, सैमसन का योगदान न भूलें

हैदराबाद । पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किये जाने को लेकर टीम प्रबंधन पर निशाना साधा है। रायुडू के अनुसार उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का सबसे कम उम्र में अंतरराष्टीय पदार्पण खुशी की बात है पर इसके उत्साह में हमें संजू सैमसन के भारतीय क्रिकेटर में शानदार योगदान को नहीं भूलना चाहिये। साथ ही उम्मीद जतायी की वह फिर वापसी करेंगे। रायुडू ने सोशल मीडिया में लिखा, सैमसन के बारे में भी थोड़ा सोचें।

राहुल द्रविड़ के बेटे की फिफ्टी के बावजूद भारत हारा

नईदिल्ली। भारत -19 को दूसरे यूथ वनडे में श्रीलंका -19 ने 8 विकेट से हरा दिया। राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने 67 गेंदों पर 87 रन बनाए, लेकिन उनकी पारी टीम को जीत नहीं दिला सकी। श्रीलंका के ओपनर दिमंथ महाविथाना ने नाबाद 155 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। इस जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। 4 जुलाई को पहला वनडे भारत ने 4 विकेट से जीता था।। तीसरा वनडे 9 जुलाई को खेला जाएगा। हंबनटोटा में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 47.2 ओवर में 285 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने 48 ओवर में 2 विकेट पर 291 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

81 रन पर 4 विकेट, फिर अन्वय-राजपूत ने संभाली पारी

भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने 19वें ओवर तक 81 रन पर 4 विकेट गंवा दिए। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ और अर्जुन राजपूत ने पांचवें विकेट के लिए 145 रन जोड़कर पारी संभाली।

17 साल के अन्वय ने 67 गेंदों में 87 रन बनाए। उनकी पारी में 9 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। उन्होंने 47 गेंदों में अपना पहला यूथ वनडे अर्धशतक पूरा किया। अर्जुन राजपूत ने 81 गेंदों पर 76 रन बनाए।

राजपूत 221 के स्कोर पर दिमंथ महाविथाना के थ्रो पर रन आउट हुए। इसके बाद अन्वय भी शतक से

13 रन पहले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गिम्हान मेंडिस का शिकार बने। उनके आउट होने के बाद भारत ने आखिरी 3 विकेट सिर्फ 22 रन में गंवा दिए।

महाविथाना की 155 रन की पारी से श्रीलंका की आसान जीत

286 रन का पीछा करते हुए श्रीलंका को पहला झटका जल्दी लगा, लेकिन इसके बाद दिमंथ महाविथाना ने मैच पूरी तरह अपने नाम कर लिया। उन्होंने 153 गेंदों पर नाबाद 155 रन बनाए। महाविथाना ने पहले सेनुजा वेकुनागोड़ा (60) के साथ दूसरे विकेट के लिए 103 रन जोड़े। इसके बाद कप्तान विमथ दिनसारा (56)* के साथ तीसरे विकेट के लिए 163 रन की नाबाद साझेदारी कर श्रीलंका को 8 विकेट से जीत दिला दी।

गिम्हान मेंडिस ने झटके 5 विकेट

श्रीलंका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गिम्हान मेंडिस ने 41 रन देकर 5 विकेट लिए। उन्होंने अन्वय द्रविड़ समेत भारतीय लोअर ऑर्डर को जल्दी समेट दिया।

अन्वय का दूसरा यूथ वनडे, पहली बड़ी पारी

यह अन्वय द्रविड़ का सिर्फ दूसरा यूथ वनडे था। पहले मुकाबले में वह 14 रन ही बना सके थे, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने जिम्मेदारी भरी पारी खेली। अन्वय हाल ही में वीनू मांकड़ ट्रॉफी में कर्नाटक अंडर-19 टीम के कप्तान रहे थे, जहां उन्होंने 220 रन बनाए थे। इससे पहले 2025 में वह इंडिया-बी अंडर-19 टीम की ओर से अफगानिस्तान अंडर-19 के खिलाफ ट्राई सीरीज भी खेल चुके हैं।

द्रविड़ परिवार के लिए यादगार सप्ताह

अन्वय के बड़े भाई समित द्रविड़ ने भी रविवार को धमाल महाराजा टी-20 ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 25 गेंदों पर नाबाद 40 रन बनाने के साथ 2/23 का गेंदबाजी प्रदर्शन किया और अपनी टीम को जीत दिलाई। समित 2024 में ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत अंडर-19 टीम में चुने गए थे, लेकिन घुटने की चोट के कारण दौरे से बाहर हो गए थे।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को हराकर सातवीं बार महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट खिताब, जीता

लॉर्ड्स । बेथ मूनी और फीबे लिचफील्ड के बीच हई शतकीय साझेदारी से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने यहां हुए टी20 विश्वकप फाइनल में मेजबान इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर खिताब जीत लिया। इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने सातवीं बार ये खिताब जीता है। सोफी मोलिन्यू की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टूर्नामेंट में अपने सभी मैच जीत लिए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेथ मूनी ने 64 रन जबकि फीबे लिचफील्ड ने 48 रन बनाये। इन दोनो के बीच 151 रनों की साझेदारी हुई जिससे टीम ने जीत के लिए मिले 151 रनों के लक्ष्य को 17.1 ओवर में ही तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया।यह महिला टी20 विश्व कप में चौथी बार था जब इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

इस मैचम में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। महज 32 रन पर विकेटकीपर एमी जोन्स (6) और डैनी वायट-हॉज (8) के विकेट गंवाने के बाद कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने मोर्चा संभाला। उन्होंने 53 गेंदों पर नाबाद 58 रन की शानदार पारी खेली और फ्रेया केम्प (28 गेंदों पर नाबाद 44 रन) के साथ मिलकर 80 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिससे इंग्लैंड ने 20 ओवरों में 4 विकेट पर 150 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से किम गर्थ, लूसी हैमिल्टन, एनाबेल सदरलैंड और कप्तान सोफी मोलिन्यू ने एक-एक विकेट लिया।

वहीं इसके बा 151 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की भी शुरुआत खराब रही। जॉर्जिया वोल 9 रन पर ही आउट हो गयी। इसके बाद बेथ मूनी और फीबे लिचफील्ड ने 49 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 64 रनों की मैच विजेता पारी खेली, जबकि लिचफील्ड ने 35 गेंदों पर दो छक्कों सहित 48 रन बनाये। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने मैच को पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया की तरफ मोड़ दिया।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक बार शून्य पर आउट हुए पांच क्रिकेटरों में भारत के ईशांत भी शमिल

मुम्बई । टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले 5 खिलाड़ियों में एक भारतीय ईशांत शर्मा भी शामिल है। टेस्ट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकार्ड वेस्टइंडीज के कर्टनी वॉल्श के नाम है। इसके अलावा इस सूची में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड, न्यूजीलैंड के क्रिस मार्टिन और ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा के नाम भी शामिल हैं।

कर्टनी वॉल्श - महान तेज गेंदबाज वॉल्श ने अपनी घातक गेंदबाजी से दुनिया भर के बल्लेबाजों में डर पैदा किया पर अपनी बल्लेबाजी में उनके नाम एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज है जिसे वह भूलना चाहेंगे। साल 1984 से 2001 तक चले अपने करियर में वॉल्श रिकॉर्ड 43 बार शून्य पर आउट हुए। 132 टेस्ट मैचों की 185 पारियों में उन्होंने कुल 936 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 30 रन रहा और बल्लेबाजी औसत 7.54 का रहा।

स्टुअर्ट ब्रॉड - इस सूची में इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का रिकार्ड दूसरा नंबर है। अपने करियर में एक शतक 169 रन और 13 अर्धशतक सहित 3662 रन बनाने वाले ब्रॉड साल 2007 से 2023 तक चले लंबे करियर की 244 पारियों में 39 बार शून्य पर आउट हुए।

क्रिस मार्टिन - न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज क्रिस मार्टिन की बात करें तो, उन्हें अक्सर उनकी घातक गेंदों से ज्यादा उनकी बेहद कमजोर बल्लेबाजी के लिए याद किया जाता है। 2000 से 2013 के बीच 71 टेस्ट खेलने वाले मार्टिन 104 पारियों में से 36 बार बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। उन्होंने अपने पूरे करियर में केवल 123 रन बनाए, जो उनके द्वारा लिए गए विकेटों की संख्या से भी कम थे।

ग्लेन मैक्ग्रा - ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक महान तेज गेंदबाजों में शामिल ग्लेन मैक्ग्रा अपनी सटीक लाइन और लेंथ के लिए जाने जाते थे, लेकिन बल्लेबाजी के दौरान वे स्वयं संघर्ष करते दिखे। 1993 से 2007 तक 124 टेस्ट मैचों की 138 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए वे कुल 35 बार शून्य पर आउट हुए। मैक्ग्रा ने एक बार न्यूजीलैंड के खिलाफ 61 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी, जो उनके करियर का इकलौता अर्धशतक था।

ईशांत शर्मा - भारतीय क्रिकेट इतिहास में सबसे लंबे समय तक तेज गेंदबाजी की कमान संभालने वाले ईशांत भी इस सूची में शामिल हैं। 2007 से 2021 के बीच 105 टेस्ट खेलने वाले ईशांत 142 पारियों में 34 बार शून्य के स्कोर पर आउट हुए। उनके करियर में 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 57 रनों की अर्धशतकीय पारी भी शामिल है।

टीएमसी टूटी, ठाकरे के सांसद हुए बागी; फिर भी बीजेपी के लिए संसद में टेड़ी खीर बने है ये 2 बिल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी महिला आरक्षण को फिर अपना प्रमुख राजनीतिक एजेंडा बनाने की तैयारी में है, विशेषकर आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को देखकर इसकी अहमियत बढ़ गई है। पश्चिम बंगाल में महिला वोटरों के बीच मिली सफलता से उत्साहित भाजपा मुद्दे पर आगे बढ़ना चाहती है। वहीं, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी इस बिल को लेकर मोदी सरकार को घेरने की रणनीति बना रही हैं, खासकर महिला हितों के सवाल पर। इसी क्रम में, केंद्र सरकार संसद के आगामी मॉनसून सत्र में महिला आरक्षण से जुड़े संवैधानिक संशोधन के साथ-साथ लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण (परिसीमन) से जुड़ा विधेयक लाने की तैयारी में है।

हालांकि, लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर करीब 850 करने के प्रस्तावित विचार के साथ, इन दोनों संवैधानिक संशोधनों को पारित कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत जरूरी होगा, जो मोदी सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है। लोकसभा में एनडीए के पास वर्तमान में 293 सांसद हैं, और यदि तृणमूल कांग्रेस तथा शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के 26 सांसदों के दलबदल को मान्यता मिलती है, तब भी कुल संख्या 319 तक ही पहुंचेगी, जबकि दो-तिहाई बहुमत के लिए 360 सांसदों का समर्थन जरूरी है। राज्यसभा में भी एनडीए के पास 152 सदस्य हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 161 है। इसके बाद मोदी सरकार को कुछ विपक्षी दलों का समर्थन हासिल करना होगा या

उनके मतदान से दूर रहने की उम्मीद करनी होगी, ताकि प्रभावी बहुमत का आंकड़ा कम हो सके।

इन विधेयकों को पारित कराने में प्रमुख बाधा संवैधानिक पेच और क्षेत्रीय दलों की चिंताएं हैं। तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी डीएमके, जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों को सीटों के नुकसान की आशंका के कारण, परिसीमन को लेकर लंबे समय से चिंता जता रही है। संविधान का अनुच्छेद 81 स्पष्ट करता है कि लोकसभा में राज्यों को मिलने वाली सीटें उनकी आबादी के अनुपात में होंगी। यदि 2011 की जनगणना के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण होता है, तब उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे अधिक आबादी वाले राज्यों को फायदा मिलेगा, जबकि तमिलनाडु और केरल जैसे दक्षिणी राज्यों की सीटों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 में प्रावधान था कि महिला आरक्षण नई जनगणना के बाद लागू होगा, लेकिन जनगणना में देरी के चलते सरकार अब 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन और महिला आरक्षण लागू करने का विकल्प तलाश रही है।

इसके बाद राजनीतिक और संवैधानिक जानकार मानते हैं कि मोदी सरकार ऐसा संशोधन ला सकती है, जिसमें राज्यों के बीच सीटों के मौजूदा बंटवारे को कुछ और वर्षों तक यथावत रखा जाए, लेकिन प्रत्येक राज्य के भीतर विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों का परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर किया जाए। यह समझौता फार्मूला सरकार को कुछ विपक्षी दलों का समर्थन दिलाने में सहायक हो सकता है। महिला आरक्षण और परिसीमन अब केवल संसदीय मुद्दे नहीं रह गए हैं, बल्कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले ये राष्ट्रीय राजनीति के बड़े चुनावी मुद्दे बनते दिख रहे हैं। जहां भाजपा इसे अपनी उपलब्धि के तौर पर पेश करेगी, वहीं विपक्ष इसे संवैधानिक प्रक्रियाओं में देरी और महिलाओं से किए गए अधूरे वादों का मुद्दा बनाकर घेरेगा। मॉनसून सत्र में होने वाली इन विधेयकों पर बहस का सीधा असर आगामी विधानसभा चुनावों की राजनीति पर भी दिखाई देगा।

करूर भगदड़ : सीएम और मंत्रियों की बयानबाजी रोकने की याचिका पर आज सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु के करूर भगदड़ मामले में मंगलवार को सुनवाई करेगा। यह सुनवाई द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) द्वारा दाखिल की गई याचिका पर होगी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य के मुख्यमंत्री विजय और कुछ मंत्री सीबीआई जांच को प्रभावित करने वाले सार्वजनिक बयान दे रहे हैं। जस्टिस अहसनुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागु की पीठ महत्वपूर्ण मामले को सुनेगी, जिसमें गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मंत्रियों की बयानबाजी पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है।

दरअसल डीएमके नेता आरएस भारती ने अपनी याचिका में मंत्री आधव अर्जुन के बयानों का हवाला दिया है, जो इस मामले में खुद एक आरोपी हैं। याचिका में कहा गया है कि अर्जुन ने हाल ही में सार्वजनिक कार्यक्रम में हिसाब बराबर करना है जैसे भड़काऊ बयान दिए और करूर भगदड़ के लिए पिछली डीएमके सरकार को जिम्मेदार ठहराया। डीएमके का आरोप है कि इसतरह के बयान जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप करते हैं और राजनीतिक लाभ के लिए जनता की राय को प्रभावित करने का प्रयास है, जो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रही सीबीआई जांच के लिए अनुचित है।

याचिका में मुख्यमंत्री विजय के आगामी करूर दौरे पर भी चिंता जाहिर की गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय 10 जुलाई को करूर जाकर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को सरकारी सहायता और अनुकंपा नियुक्तियां प्रदान कर सकते हैं। डीएमके का मानना है कि यह कदम भी जांच को प्रभावित कर सकता है और पीड़ितों या उनके परिवारों को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर सकता है। डीएमके की याचिका में कोर्ट से आग्रह किया गया है कि सीबीआई जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों, विशेषकर सत्ता में बैठे लोगों को सार्वजनिक बयानबाजी से रोका जाए।

यह मामला बीते साल 27 सितंबर को करूर जिले में हुई एक भीषण भगदड़ से जुड़ा है। मुख्यमंत्री विजय की एक चुनावी रैली के दौरान भारी भीड़ और कथित कुप्रबंधन के कारण हुई घटना में 41 लोगों की जान चली गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी, जिसकी निगरानी पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी के नेतृत्व वाली एक समिति कर रही है।

एक न्यायपूर्ण बदलाव की बुनियाद सीबी मुथम्मा का ऐतिहासिक संघर्ष

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय विदेश सचिव निरुपमा राव ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सितंबर 1979 के अखबार की एक पुरानी क्लिपिंग साझा कर भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के इतिहास के महत्वपूर्ण अध्याय को याद किया। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी संस्था में दूरगामी सुधारों की शुरुआत अक्सर एक व्यक्ति के अन्याय को चुपचाप स्वीकार न करने के दृढ़ संकल्प से होती है। उनके इस ट्वीट को दिग्गज कांग्रेस नेता शशि थरूर ने भी री-पोस्ट किया है, जो इस प्रेरक कहानी के महत्व को दिखाता है। यह क्लिपिंग राजदूत सीबी मुथम्मा के संघर्ष से जुड़ी है, जो भारतीय विदेश सेवा में चुनी जाने वाली पहली महिला थीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बावजूद, उन्हें सेवा में ग्रेड वन पदोन्नति से वंचित किया गया था। मुथम्मा ने इस अन्याय के खिलाफ सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। हालांकि तत्काल मुद्दा उनकी पदोन्नति और वरिष्ठता का था, लेकिन अदालत का फैसला इससे कहीं अधिक व्यापक रहा। सुप्रीम कोर्ट ने उन सेवा नियमों पर गंभीर चिंता जाहिर की जो महिलाओं के खिलाफ भेदभाव करते थे, उन्हें लैंगिक भेदभाव का दाग करार दिया। शीर्ष अदालत ने सरकार को स्पष्ट रूप से याद दिलाया कि समान मौका एक संवैधानिक गारंटी है, न कि कोई रियायत, और इस भेदभावपूर्ण दाग को तुरंत हटाने का निर्देश दिया। निरुपमा राव ने ऐतिहासिक फैसले को आज भी उतना ही प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि संस्थानों में प्रगति शायद ही कभी अचानक होती है, यह तब होती है जब साहसी लोग इस बात पर जोर देते हैं कि अवसर का फैसला योग्यता के आधार पर होना चाहिए, न कि किसी भी तरह के भेदभाव के आधार पर। उन्होंने राजदूत मुथम्मा के मामले को उन अहम पलों में से एक बताया जब पुरानी परंपराओं पर संवैधानिक मूल्यों की जीत हुई। स्वयं राव, जिन्होंने मुथम्मा के इस ऐतिहासिक फैसले से कुछ साल पहले ही भारतीय विदेश सेवा जॉइन की थी, ने स्वीकार किया कि उनके दौर की महिला अफसरों के लिए एक बेहद अहम मोड़ था। उन्होंने कहा, हम सीबी मुथम्मा की कर्जदार हैं, जिनके अन्याय के खिलाफ लड़ने के समर्पण ने बाद में आने वालों के लिए पेशेवर माहौल को बदल दिया। मुथम्मा (1924-2009), जो भारत की पहली महिला थीं जिन्होंने सिविल सेवा परीक्षा पास की और 1949 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुईं, ने हंगरी, घाना और नीदरलैंड्स में राजनयिक के रूप में सेवा दी। निरुपमा राव, जो स्वयं 2009-2011 तक भारत की विदेश सचिव और भारतीय विदेश मंत्रालय की पहली महिला प्रवक्ता रह चुकी हैं, मुथम्मा के संघर्ष की इस स्थायी विरासत का एक जीता-जागता उदाहरण हैं।

ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स 2026 की सूची में भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग में गिरावट

नई दिल्ली। ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स 2026 में भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग में एक बार गिर गई है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत 125वें स्थान पर पहुंच गया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिहाज से भारतीय पासपोर्ट की स्थिति और कमजोर हो गई है। इस रैंकिंग के मुताबिक भारतीय नागरिक केवल 26 देशों और क्षेत्रों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं। पिछले कुछ सालों में मामूली सुधार के बावजूद भारत अब भी दुनिया के शीर्ष 100 पासपोर्ट वाले देशों की सूची में जगह नहीं बना पाया है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2021 और 2023 में भारत 127वें स्थान पर था। इसके बाद 2025 में रैंकिंग में हल्का सुधार हुआ और देश 124वें स्थान तक पहुंचा, लेकिन 2026 में फिर एक स्थान नीचे खिसककर 125वें नंबर पर आ गया। इससे साफ होता है कि वैश्विक यात्रा सुविधा के मामले में भारत की स्थिति अभी भी अपेक्षाकृत कमजोर है। नई रैंकिंग में भारत नामीबिया, फिलीपींस, मोरक्को और उज्बेकिस्तान जैसे देशों से भी पीछे है। भारतीय पासपोर्ट धारकों को भूटान, नेपाल, जमैका, मकाऊ, फिलिस्तीन, ट्यूनीशिया, अंगोला और बारबाडोस समेत कुल 26 देशों और क्षेत्रों में बिना पूर्व वीजा या वीजा-ऑन-अराइवल की सुविधा मिलती है।

वहीं दूसरी ओर अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, चीन और यूएई समेत करीब 88 देशों की यात्रा के लिए भारतीय नागरिकों को पहले से वीजा प्राप्त करना जरूरी है। दक्षिण एशिया के अन्य देशों की तुलना में भारत की स्थिति मिश्रित है। चीन इस सूची में भारत से आगे है। बांग्लादेश 166वें, नेपाल 164वें और पाकिस्तान 188वें स्थान पर है। ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स 2026 के मुताबिक दुनिया का सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट स्वीडन का है। इसके बाद स्विट्जरलैंड, फिनलैंड, जर्मनी, डेनमार्क, नीदरलैंड्स, आयरलैंड, यूनाइटेड किंगडम, नॉर्वे और फिर सिंगापुर दसवें स्थान पर आता है।

इजरायली पीएम नेतन्याहू ने की भारत की तारीफ...कांग्रेस को लगी मिर्ची

नई दिल्ली। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बयान पर प्रतिक्रिया देकर भारत और भारतीयों की जमकर तारीफ की थी। उपराष्ट्रपति वेंस ने इजरायल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ने की बात कही थी, जिसके जवाब में नेतन्याहू ने दावा किया था कि मित्र राष्ट्र भारत इजरायल के साथ मजबूती से खड़ा है। हालांकि, उनके बयान ने भारतीय राजनीति में हलचल मचा दी है। कांग्रेस ने न केवल नेतन्याहू,बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी निशाने पर लेकर भारत के मूल्यों से विश्वासघात बताया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने नेतन्याहू के दावे को सीधे तौर पर खारिज किया कि उन्हें भारत से जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। कांग्रेस नेता रमेश ने लिखा, पीएम नेतन्याहू गलत हैं। उन्होंने मोदी सरकार पर इजरायल के प्रति अंधभक्ति का आरोप लगाकर कहा कि करोड़ों भारतीय इजरायल द्वारा गाजा में किए जा रहे नरसंहार की निंदा करते हैं, जिसमें बच्चों को भी बख्शा नहीं गया है। कांग्रेस नेता रमेश ने वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के जबरन विस्थापन, ईरान पर भारी हवाई हमलों और दक्षिणी लेबनान में क्रूर सैन्य हमलों की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने इन कार्रवाइयों को मानवता पर सीधे हमले बताया।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी की पत्थर जैसी चुप्पी को भारत की सभ्यतागत विरासत और मूल्यों के साथ विश्वासघात बताया। उनके अनुसार, स्वयंघोषित विश्वगुरु की इजरायल की इन कार्रवाइयों पर ऐसी चुप्पी पूरी तरह अस्वीकार्य है। कांग्रेस नेता रमेश ने स्पष्ट किया कि नेतन्याहू जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़े नेता से तमगा मिलना भारत के लिए कोई सम्मान की बात नहीं है। उन्होंने दावा किया कि नेतन्याहू के प्रति खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी अपना अच्छा मित्र मानते हैं, निराशा और गुस्से में हैं। दरअसल, पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध रोकने की डील को लेकर इजरायल और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में मतभेद सामने आए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इजरायली पीएम नेतन्याहू से कहा था कि उन्हें समझना चाहिए कि इजरायल अब दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है और उसे केवल अमेरिका जैसी बड़ी ताकत का साथ मिल रहा है। वेंस के बयान पर प्रतिक्रिया देकर नेतन्याहू ने अमेरिका को याद दिलाया कि भारत जैसे विशाल और शक्तिशाली देश के लोगों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त है।

यह लड़ाई लंबी चलने वाली है हमें अनशन करके जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक की वजह से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। आंदोलन को समर्थन दे रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पिछले 9 दिनों से अनशन कर रहे हैं। वांगचुक के साथ कुछ छात्र भी अनशन पर बैठे हैं, जिन्हें अनशन खत्म करने के लिए मनाया जा रहा है। सोशल मीडिया पर सीजेपी बनाकर सनसनी मचा देने वाले अभिजीत दीपके भी इन छात्रों से कह रहे हैं कि यह लड़ाई लंबी है और उन्हें अनशन करके जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए। दीपके का कहना है कि सोनम वांगचुक को अनशन का अनुभव है, इसलिए उन्हें ही करने दें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेपी के मंच पर सोनम वांगचुक 9 दिन से अनशन पर हैं। बताया जा रहा है कि उनका वजन तेजी से घट रहा है। चार दिन में ही फॉलोअर्स के मामले में बीजेपी और कांग्रेस को पीछे छोड़ देने वाले अभिजीत दीपके जमीन पर अपेक्षा मुताबिक भीड़ नहीं उतार पाए हैं। कुछ समर्थकों और छात्रों के साथ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे दीपके का एक बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसमें वह यह कहते नजर आ रहे हैं कि लड़ाई लंबी चलने वाली है और इसलिए सोनम वांगचुक को छोड़कर बाकी सदस्यों को अनशन नहीं करना चाहिए, उन्हें फिट रहने की जरूरत है। एक यूट्यूब चैनल से बातचीत में दीपके ने कहा कि मैंने तो बहुत मनाया है। सारे लोगों से मैंने कहा है कि प्लीज आप लोग भूख हड़ताल मत कीजिए। क्योंकि अगर सारे लोग भूख हड़ताल करने लग गए...सरकार को तो परवाह नहीं है।

थलपति विजय- संतुलन की राजनीति, विपक्ष के लिए नई सीख

-ममता, केजरीवाल और स्टालिन से अलग

चेन्नई,। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद से मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की राजनीतिक रणनीति लगातार चर्चा में है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि वे देश में विपक्ष की राजनीति को एक नया आयाम दे रहे हैं और उनकी संतुलन साधने वाली रणनीति कई अन्य विपक्षी दलों के लिए एक सीख साबित हो सकती है, जिससे वे फिर सुपरस्टार के रूप में उभर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, विजय का मॉडल तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल या तमिलनाडु के ही पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की राजनीति से बिलकुल जुदा है। जहां इन नेताओं के केंद्र से रिश्ते अक्सर तनावपूर्ण रहे हैं, वहीं विजय आरोप-प्रत्यारोप की बजाय संवाद पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। उनकी रणनीति भाजपा पर मुद्दों को लेकर हमलावर रहने और केंद्र को घेरने के साथ-साथ, अनावश्यक रूप से केंद्र सरकार से बैर न रखने दिख रही है।

हाल के उनके कदम रणनीति की पुष्टि करते हैं। 27 मई को अपनी पहली आधिकारिक दिल्ली यात्रा पर, सीएम विजय ने प्रधानमंत्री मोदी से करीब आधे घंटे मुलाकात की। यह केवल एक औपचारिकता नहीं थी, बल्कि वे राज्य के कई महत्वपूर्ण मुद्दे लेकर पहुंचे थे। उन्होंने कर्नाटक के साथ मेकेदातु बांध विवाद में केंद्र के हस्तक्षेप, श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार तमिल मछुआरों की सुरक्षा और कपड़ा उद्योग को राहत देने के लिए कपास पर आयात शुल्क घटाने की अपील की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर राज्य की वित्तीय आवश्यकताओं को सामने रखा। जून में उनका नीति आयोग की बैठक में शामिल होना महत्वपूर्ण है, जबकि कई विपक्षी दल अक्सर ऐसी बैठकों का बहिष्कार करते हैं। उन्होंने बैठक में राज्य के लिए 3,284 करोड़ रुपये के शिक्षा फंड की मांग की।

हालांकि, केंद्र से संवाद स्थापित करने का यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि मुख्यमंत्री विजय ने अपनी पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के वैचारिक सिद्धांतों से समझौता किया है। उनकी सरकार ने तमिलनाडु की द्रविड़ियन राजनीति के आधार पर केंद्र की राष्ट्रीय शिक्षा नीति और त्रि-भाषा फॉर्मूले का मुखर विरोध जारी रखा है। हाल ही में, 1 जुलाई को, विजय ने केंद्र की विकसित भारत-जी राम जी ग्रामीण रोजगार योजना के 60:40 के फंडिंग फॉर्मूले पर कड़ा विरोध जताकर प्रधानमंत्री मोदी को पत्र भी लिखा, जिसमें तर्क दिया गया कि इससे राज्य पर 5,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा।

भूतों के अस्तित्व और अपने अनुभव पर बागेश्वर बाबा का बेबाक बयान

मुंबई। बाबा बागेश्वर के नाम से मशहूर कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, जो अपने दिव्य दरबार में कथित प्रेत बाधाओं से मुक्ति दिलाने का दावा करते हैं, ने भूतों के अस्तित्व और उनसे अपने अनुभव को लेकर बयान दिया है। मुंबई में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने इन सवालों का बेबाकी से जवाब दिया कि क्या भूत होते हैं और क्या उन्होंने कभी खुद उन्हें देखा है। धीरेंद्र शास्त्री के अनुसार, भूत होते हैं और किसी के मानने या न मानने से उनका अस्तित्व नहीं बदलता। उन्होंने हनुमान चालीसा का हवाला देकर कहा कि यदि भूत पिशाच निकट न आवे जैसे शब्द उसमें हैं, तब यह गलत नहीं हो सकता। बाबा बागेश्वर ने साफ किया कि नकारात्मक ऊर्जा ही भूत-प्रेत का एक रूप है, जिसे बालाजी या मेहंदीपुर जैसे स्थानों पर अनुभव किया जा सकता है। जब बाबा से सीधा पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी भूत देखा है, तब धीरेंद्र शास्त्री ने

कहा कि उन्होंने इन्हें देखा नहीं, बल्कि अनुभव किया है। उन्होंने पैरानॉर्मल पर ऑक्सफोर्ड या किसी अन्य विश्वविद्यालय में शोध करने की इच्छा जाहिर की है। उनके मुताबिक, तंत्र-मंत्र, मारण, मोहन और वशीकरण जैसी नकारात्मक शक्तियां व्यक्तियों के जीवन को नारकीय बना सकती हैं। हालांकि, उनका मानना है कि गुरु की कृपा, पूजा-पाठ या कुलदेवी के आशीर्वाद से प्रसिद्ध लोग ऐसी शक्तियों से सुरक्षित रहते हैं, क्योंकि उनके पास एक बड़ा कवच होता है।

भरत तिवारी एनकाउंटर पर अलग-थलग पड़े अशोक चौधरी

मंत्री के बयान से जेडीयू ने बनाई दूरी, न्यायिक जांच के बीच सियासी हलचल तेज

पटना। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी कथित एनकाउंटर मामले को लेकर जनता दल (यूनाइटेड) के भीतर अलग-अलग राय सामने आती दिख रही है। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी द्वारा एनकाउंटर पर सवाल उठाने और पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद अब उनकी ही पार्टी ने उनके बयान से दूरी बना ली है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट किया है कि अशोक चौधरी की टिप्पणियां उनकी व्यक्तिगत राय हैं, न कि पार्टी या बिहार सरकार का आधिकारिक रुख।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रवण कुमार ने कहा, कि भरत तिवारी के घर अशोक चौधरी का दौरा भी निजी था और उसे सरकार या पार्टी के रुख के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने बिना

किसी का नाम लिए यह भी कहा कि सार्वजनिक जीवन में नेताओं को सोच-समझकर बयान देना चाहिए, ताकि किसी तरह का भ्रम पैदा न हो। दरअसल, अशोक चौधरी ने 5 जुलाई को भोजपुर जिले के बिलौटी गांव पहुंचकर भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने कथित मुठभेड़ पर सवाल उठाए थे और भरत तिवारी को बहादुर संतान बताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा निष्पक्ष जांच की बात कही थी। उन्होंने परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा भी दिया था। मुलाकात के बाद अशोक चौधरी ने कहा था कि उन्हें मामले के कई ऐसे पहलुओं की जानकारी मिली है, जिनसे वे पहले अवगत नहीं थे। उन्होंने कहा कि वह इन सभी तथ्यों से मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी साझा करेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि मामले में निष्पक्ष जांच होगी और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। गौरतलब है कि भोजपुर जिले में 17 जून को हुई कथित पुलिस मुठभेड़ में भरत तिवारी की मौत के बाद इस मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया था। बढ़ते विवाद के बीच बिहार सरकार पहले ही इस घटना की न्यायिक जांच के आदेश दे चुकी है। अब अशोक चौधरी के बयान से पार्टी द्वारा दूरी बनाए जाने के बाद इस मुद्दे पर जेडीयू के भीतर मतभेद की चर्चा भी तेज हो गई है।

पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड हाफिज सईद: एनआईए ने दाखिल की सप्लीमैंट्री चार्जशीट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम आतंकी हमले के संबंध में पाकिस्तान स्थित आतंकवादी और प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के प्रमुख हाफिज सईद के खिलाफ एक पूरक आरोपपत्र दाखिल किया है। जम्मू की विशेष एनआईए अदालत में दाखिल आरोपपत्र में सईद को हमले की साजिश रचने, आतंकवादियों को संचालित करने और भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोपी बनाया है।

एनआईए ने हाफिज सईद को व्यक्तिगत तौर पर भी आरोपी बनाया है और लश्कर-ए-तैयबा तथा उसके प्रॉक्सी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का प्रमुख बताया है। आरोपपत्र में उसके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराएं लगी हैं। यह पूरक आरोपपत्र एनआईए द्वारा 15 दिसंबर 2025 को दाखिल किए गए 1,597 पन्नों के मूल आरोपपत्र का हिस्सा है, जिसमें पाकिस्तान के आतंकी हैंडलर साजिद जट सहित छह आतंकवादियों को पहले ही नामजद किया गया है।

जांच एजेंसी के अनुसार, खौफनाक हमले का मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी सैफुल्लाह उर्फ सैफुल्लाह साजिद जट्?ट उर्फ लंगड़ा था। लाहौर, पाकिस्तान से संचालित होते हुए, जट्ट ही आतंकियों का मुख्य हैंडलर था, जिसने उन्हें वास्तविक समय में निर्देश दिए। आतंकी सैफुल्लाह ने हमले वाली जगह बैसरन वैली की लोकेशन भेजी और वारदात के दौरान भी लगातार आतंकियों से संपर्क में था।

एनआईए के आरोपपत्र में खुलासा हुआ है कि यदि टूरिस्ट गाइड परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार ने समय रहते सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी दी होती, तब हमले को टाला जा सकता था। दोनों गाइडों ने आतंकियों को बैसरन में देखा था लेकिन इसकी सूचना नहीं दी, जिसके लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया है। हमले से एक दिन पहले, तीनों आतंकियों ने गाइड परवेज की झोपड़ी में खुदा के नाम पर मदद मांगकर खाना खाया और जाते समय रोटी-सब्जी भी साथ ले गए। हमला करने से पहले, उन्होंने बैसरन घाटी में एक पेड़ के नीचे भोजन किया और वारदात के बाद धार्मिक नारे लगाते हुए हर्ष फायरिंग भी की।

राम रक्षा स्तोत्र का पाठ कर उद्धव गुट ने शुरु किया राज्यव्यापी राम रक्षा आंदोलन'

मुंबई। मुंबई के दादर स्थित ऐतिहासिक हनुमान मंदिर से शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने अपने राज्यव्यापी 'राम रक्षा आंदोलन' का शंखनाद किया। पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा विवाद और भगवान राम व माता सीता के आभूषणों की चोरी के मुद्दे पर जवाबदेही तय करना था। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में राम भक्त भगवा वस्त्र धारण कर एकत्र हुए, जहां शिवसेना यूबीटी अध्यक्ष ठाकरे ने बारिश में भीगते हुए भी भीड़ को संबोधित किया।

न्यूज गैलरी

खेत में ट्रैक्टर चलाने को लेकर विवाद, महिला से मारपीट व गाली-गलौज; तीन लोगों पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र में खेत में ट्रैक्टर चलाने को लेकर हुए विवाद के बाद एक महिला के साथ मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। बिरसा पुलिस ने पीड़िता सुमित्रा पति कमलेश यादव 28 वर्ष की शिकायत पर महिला सहित तीन आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के सुमित्रा यादव छत्तीसगढ़ राज्य के जिला कबीरधाम अंतर्गत ग्राम गेरुखदान थाना बकरकट्टा निवासी है। एवं वर्तमान में ग्राम मुण्डघुसरी में निवास कर कृषि कार्य कर रही है। 2 दिन पहले 2 जुलाई की सुबह करीब 8 बजे सुमित्रा यादव अपने खेत में कृषि कार्य करवा रही थीं। इसी दौरान खेत में ट्रैक्टर चल रहा था ।उसी समय देवसिंह यादव, राजूलाल यादव और सुलोचना बाई खेत में पहुंचे और ट्रैक्टर रुकवाने लगे। जब सुमित्रा यादव ने ट्रैक्टर रोकने से इनकार किया तो राजूलाल यादव ने उनके साथ अश्लील गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर राजू लाल यादव ने कथित रूप से हाथ मुक्कों से मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंचे सुमित्रा यादव के मामा के बेटे जनकलाल यादव के साथ भी आरोपियों ने धक्का-मुक्की की गई । घटना में सुमित्रा यादव के होंठ पर चोट आई। जनकलाल यादव के दाहिने कंधे में चोटे आई। घटना के बाद सुमित्रा यादव अपने पति कमलेश यादव और जनकलाल यादव के साथ बिरसा थाना पहुंचीं और शिकायत दर्ज कराई बिरसा पुलिस ने सुमित्रा यादव की शिकायत पर अपराध क्रमांक 163/2026 दर्ज करते हुए आरोपियों देवसिंह यादव पिता फूल सिंह यादव 55 वर्ष, राजूलाल यादव पिता स्व.धुरेलाल यादव 38 वर्ष और सुलोचना बाई पति देवसिंह यादव 50 वर्ष के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 115(2) एवं 3(5) के तहत मामला कायम कर जांच शुरू कर दी है। विवेचना पुलिस द्वारा की जा रही है।

ये सेल्फी कहीं भारी न पड़ जाए...! वैनगंगा नदी किनारे जान जोखिम में डाल रहे लोग

रेलवे पुल, शंकर घाट और नदी तट पर बढ़ते जलस्तर के बीच सेल्फी और रील बनाने की होड़, सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से हादसे की आशंका

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

लगभग एक माह की देरी से जिले में शुरू हुई मानसूनी बारिश अब धीरे-धीरे अपना प्रभाव दिखाने लगी है। पिछले दो दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण जिले की अधिकांश नदियां और नाले उफान की ओर बढ़ने लगे हैं। वहीं बालाघाट शहर की जीवनदायिनी वैनगंगा नदी का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। बारिश के बाद नदी का बदला हुआ स्वरूप देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग नदी किनारे पहुंच रहे हैं, लेकिन इस दौरान एक बेहद चिंताजनक तस्वीर भी सामने आ रही है। लोग अपनी जान की परवाह किए बिना वैनगंगा नदी के किनारे, रेलवे पुल, शंकर घाट और अन्य संवेदनशील स्थानों पर सेल्फी लेने और सोशल मीडिया के लिए रील बनाने में जुटे हुए हैं। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी तो यह शौक कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है।

सोमवार को सुबह से लेकर शाम तक वैनगंगा नदी के बड़े पुल, रेलवे पुल, शंकर घाट और नदी के विभिन्न घाटों पर लोगों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। कोई बढ़ते जलस्तर का वीडियो अपने मोबाइल में कैद कर रहा था तो कोई दोस्तों और परिवार के साथ फोटो और सेल्फी लेने में व्यस्त दिखाई दिया। कई युवक-युवतियां नदी के बिल्कुल किनारे तक पहुंचकर अलग-अलग अंदाज में फोटो खिंचवाते नजर आए। कुछ लोग ऐसे स्थानों तक पहुंच गए जहां फिसलन होने के साथ तेज बहाव भी था। ऐसे स्थानों पर एक छोटी सी चूक भी सीधे नदी में गिरने जैसी घटना का कारण बन सकती है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह रही कि कई परिवार छोटे-छोटे बच्चों को लेकर भी नदी के किनारे पहुंचे। कुछ लोग बच्चों को गोद में लेकर नदी के तट तक पहुंचे और वहीं खड़े होकर फोटो खिंचवाने लगे। वहीं कई युवक नदी के किनारे पत्थरों पर चढ़कर रील बनाते दिखाई दिए। बढ़ते जलस्तर और

फिसलन भरे पत्थरों के बीच इस तरह का रोमांच किसी भी समय गंभीर हादसे में बदल सकता है, लेकिन लोगों की लापरवाही लगातार देखने को मिल रही है। वैनगंगा नदी के शंकर घाट पर भी पूरे दिन लोगों का आना-जाना लगा रहा। घाट पर कई लोग नदी के बिल्कुल करीब पहुंचकर मोबाइल से वीडियो बनाते रहे। कुछ लोग अपने परिवार के साथ प्राकृतिक दृश्य का आनंद लेते नजर आए, लेकिन इस दौरान सुरक्षा के सभी नियमों की अनदेखी होती रही। नदी का बहाव लगातार तेज हो रहा है, इसके बावजूद लोग खतरे वाले क्षेत्रों तक पहुंचने से नहीं बच रहे हैं। वहीं वैनगंगा नदी के रेलवे पुल पर भी कई युवक आते-जाते दिखाई दिए। कुछ लोग रेलवे पुल पर खड़े होकर वीडियो और रील बना रहे थे तो कुछ लोग पुल से नीचे बह रही नदी का दृश्य अपने मोबाइल में कैद कर रहे थे। रेलवे पुल पर इस तरह रुकना और फोटो खींचना सुरक्षा की दृष्टि से पूरी तरह जोखिम भरा है। इसके बावजूद वहां किसी प्रकार की रोक-टोक या निगरानी दिखाई नहीं दी। शहर के लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान वैनगंगा नदी का जलस्तर बढ़ने पर बड़ी संख्या में लोग नदी देखने पहुंचते हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर कोई ठोस इंतजाम नहीं किए जाते। न तो संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की तैनाती रहती है और न ही लोगों को खतरे से सावधान करने के लिए पर्याप्त चेतावनी बोर्ड लगाए जाते हैं। ऐसे में लोग बिना किसी रोक-टोक के नदी के किनारे पहुंच जाते हैं और अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि प्रशासन को बारिश के पूरे मौसम में वैनगंगा नदी के बड़े पुल, रेलवे पुल, शंकर घाट, डेंजर जोन और अन्य संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखनी चाहिए। पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड और लगातार मुनादी कर लोगों को सतर्क किया जाना चाहिए, ताकि कोई भी व्यक्ति खतरनाक स्थानों तक न पहुंच सके। जानकारों का मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश के कई जिलों में सेल्फी लेने और वीडियो बनाने के दौरान नदी, झरनों और पुलों पर हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद लोग सबक लेने को तैयार नहीं हैं। सोशल मीडिया पर बेहतर फोटो और रील बनाने की होड़ में लोग अपनी सुरक्षा को पूरी तरह नजरअंदाज कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है, जो चिंता का विषय है। वैनगंगा नदी का जलस्तर आने वाले दिनों में और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में यदि प्रशासन ने समय रहते सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत नहीं किया और लोगों ने भी सावधानी नहीं बरती, तो किसी भी दिन कोई अप्रिय घटना सामने आ सकती है। एक अच्छी तस्वीर या कुछ सेकंड की सोशल मीडिया रील के लिए अपनी जान जोखिम में डालना समझदारी नहीं है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि प्रशासन संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करे और लोग भी अपनी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नदी के किनारे और पुलों पर अनावश्यक जोखिम उठाने से बचें।

दिनदहाड़े हनुमान मंदिर से चांदी का मुकुट चोरी, श्रद्धालुओं में आक्रोश

खैरलांजी के गांधी चौक स्थित प्राचीन मंदिर में हुई वारदात, पुलिस ने शुरू की जांच

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी नगर के गांधी चौक स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में दिनदहाड़े चांदी का मुकुट चोरी होने की घटना से श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। धार्मिक स्थल पर हुई इस वारदात ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 जुलाई को दोपहर लगभग 1:40 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने भगवान हनुमान जी की प्रतिमा के सिर पर स्थापित चांदी का मुकुट चोरी कर लिया और मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मंदिर परिसर में लोगों की भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के समय मंदिर परिसर के आसपास एक वृद्ध व्यक्ति, जो धोती पहने हुए संदिग्ध परिस्थितियों में देखा गया। ग्रामीणों का कहना है कि उसके हाथों और कपड़ों पर सिंदूर लगा हुआ था। जिससे उस पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी व्यक्ति की संलिप्तता की पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच जारी है।घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने खैरलांजी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

श्रद्धालुओं ने जताई नाराजगी, सुरक्षा बढ़ाने की मांग

मंदिर से धार्मिक आस्था से जुड़ी वस्तु की चोरी की घटना से श्रद्धालुओं में गहरा रोष है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर चांदी का मुकुट बरामद करने की मांग की है। साथ ही मंदिरों सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, नियमित निगरानी और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की भी मांग उठाई है।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट